नई दिल्ली
रविवार, 16 फरवरी 2025
माघ मास कृष्ण पक्ष,
चतुर्थी वर्ष : 28, अंक : 308
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 27
न्यून. 12

हरिभूमि
दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

छत्तीसगढ़ में कमल का कमाल...कांग्रेस बेहाल

रायपुर। छत्तीसगढ़ नगर निकाय चुनाव के नतीजे शनिवार को आ गए। राज्य के कुल 10 नगर निगम, 49 नगरपालिका और 113 नगर पंचायतों पर 11 जनवरी को चुनाव हुए थे। भाजपा ने सभी 10 नगर निगम में जीत दर्ज की है। यहां कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया। वही, राज्य की 49 नगर पालिकाओं में से भाजपा के खाते में 35 गई हैं। कांग्रेस ने 8 पर जीतीं। आम आदमी पार्टी ने बिलासपुर की बोधरी नगर पालिका में जीत दर्ज की। निकाय चुनाव में आप की यह पहली जीत है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

पूर्व सीएम जयललिता की नामी संपत्तियां राजसात

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने पूर्व सीएम जे. जयललिता की जब्त संपत्तियों को आधिकारिक रूप से कब्जे में ले लिया है। एक दिन पहले बेंगलुरु की एक अदालत ने इन संपत्तियों को सरकार को सौंपने का आदेश दिया था। अदालत और सरकारी अधिकारियों की मौजूदगी में 27 किलो 558 ग्राम सोने के गहनों, 1116 किलो चांदी और 1526 एकड़ जमीन के दस्तावेजों को तमिलनाडु सरकार को सौंप दिया गया।

विदेशी मुद्रा भंडार 638 बिलियन डॉलर पहुंचा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 7.6 बिलियन डॉलर बढ़कर 638 बिलियन डॉलर हो गया है। यह लगातार तीसरा सप्ताह है जब भंडार में वृद्धि दर्ज की गई है। इससे पहले, 31 जनवरी तक भारत का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 630.6 बिलियन डॉलर था। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले साल सितंबर में 704.88 बिलियन डॉलर के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया था।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में होगा नीता का उदबोधन

नई दिल्ली। रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन नीता अंबानी हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में वार्षिक इंडिया कॉन्फ्रेंस में भारत की सांस्कृतिक विरासत, आर्थिक शक्ति और वैश्विक प्रभाव पर अपने विचार रखेंगी। 15-16 फरवरी को अमेरिका में होने वाला यह आयोजन भारत की वैश्विक यात्रा और उसकी सॉफ्ट पावर को मजबूत करने पर केंद्रित रहेगा। जिसमें 1000 से अधिक प्रतिनिधि शामिल होंगे।

एचएसएनसीबी ने लॉन्च की वेबसाइट

चंडीगढ़। एचएसएनसीबी (हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो) ने HSNCB.in नामक नई वेबसाइट लॉन्च की है, जिसमें स्व-मूल्यांकन फॉर्म की सुविधा है। इस ऑनलाइन टूल की मदद से व्यक्ति 40 अंकों के स्केल पर अपनी नशे की लत का आकलन कर सकते हैं और यह समझ सकते हैं कि उन्हें तुरंत चिकित्सा सहायता या परामर्श की जरूरत है या नहीं। इस फॉर्म से प्राप्त डेटा सेवा (सोसायटी फॉर इक्विटेबल वेलफेयर एंड अवेयरनेस) और स्वास्थ्य विभाग को भेजा जाएगा। ब्यूरो

म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में वैश्विक नेताओं की चिंताओं को खारिज कर बोले, भारत में न केवल जिंदा है लोकतंत्र, बल्कि लगातार मजबूत हो रहा है

जयशंकर की जुबानी पूरी दुनिया ने सुनी सफल भारतीय लोकतंत्र की कहानी

सम्मेलन से इतर यूक्रेन, अर्जेंटीना, डेनमार्क, रोमानिया, ऑस्ट्रिया और मंगोलिया के विदेश मंत्रियों से की मुलाकात

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर घरेलू और वैश्विक स्तर पर अपनी बेबाक टिप्पणियों के लिए जाने जाते हैं। लेकिन इस बार उन्होंने दुनिया भर में लोकतंत्र को लेकर प्रकट की जा रही चिंताओं और आशंकाओं को भारतीय लोकतंत्र की सफल यात्रा का उदाहरण देते हुए सिरे से खारिज कर दिया।

जर्मनी में चल रहे तीन दिवसीय (14 से 16 फरवरी तक) म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन-2025 (एमएससी) में लोकतंत्र को मजबूत बनाने के विषय पर आयोजित की गई परिचर्चा में जयशंकर ने अपनी ऊंगली पर लगी स्याही दिखाते हुए दावे के साथ कहा कि भारत में लोकतंत्र न केवल कायम है। बल्कि यह लोगों के जीवन को भी बेहतर बना रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में लोकतंत्र और अधिक मजबूत हुआ है। विदेश मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी। चर्चा में उनके साथ नार्वे के प्रधानमंत्री जोनास गाहर स्टोरे, अमेरिका की सीनेटर एलिसा स्लॉटकिन और वारसॉ के मेयर रफाल ट्रासकोव्सक ने भाग लिया। अन्य वक्ताओं ने दुनिया में लोकतंत्र और उसके सामने खड़ी हो रही चुनौतियों को लेकर चिंता जताई। एमएससी का इस वर्ष 61 वां संस्करण है।

भारत में भूख मिटाता लोकतंत्र

विदेश मंत्री से पहले अमेरिकी सीनेटर एलिसा स्लॉटकिन ने यह टिप्पणी की थी कि लोकतंत्र लोगों की टेबल तक खाना नहीं पहुंचा सकता है। इस पर अपना पक्ष रखते हुए जयशंकर ने कहा कि भारत में लोकतंत्र सच में भूख मिटाता है। भारत की सरकार 80 करोड़ लोगों तक मुफ्त राशन उपलब्ध करा रही है। जिससे उनके ▶▶ शेष पेज 5 पर

भारत में बढ़ा 20 फीसदी मतदान का आंकड़ा

विदेश मंत्री ने देश में फलते-फूलते लोकतंत्र को लेकर यह तर्क भी दिया कि भारत में सुचारू रूप से मतदान प्रक्रिया चलती है। मैंने भी हाल ही में अपने राज्य में मतदान किया है। पिछले साल 2024 में हुए आम चुनाव में हमारे देश में 90 करोड़ योग्य मतदाताओं में से 70 करोड़ ने मतदान किया था। हम एक दिन में ही वोटों की गिनती पूरी कर लेते हैं और फिर नतीजे बिना विवाद के स्वीकार किए जाते हैं। भारत में बीते कुछ दशकों में मतदान का आंकड़ा 20 फीसदी तक बढ़ गया है। जो लोकतंत्र की मजबूती का संकेत है।

पश्चिमी देशों को दी नसीहत

उन्होंने पश्चिम के विकसित देशों को नसीहत देते हुए कहा कि पश्चिम के देश अगर यह चाहते हैं कि दुनिया में लोकतंत्र मजबूत हो तो उन्हें अपने दायरे से बाहर निकलकर लोकतंत्र के बाकी सफल मॉडल को स्वीकार करना होगा। डॉ. जयशंकर ने परिचर्चा के दौरान हालांकि इस बात को स्वीकार किया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकतंत्र को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही कहा कि यह सच नहीं है कि सभी देशों में लोकतंत्र विफल हो रहा है। अलग-अलग देशों के हालात भी अलग-अलग हैं। बीते तीन दशकों में अपनाए गए वैश्वीकरण मॉडल की वजह से कई समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि दुनिया में लोकतंत्र समाप्त हो रहा है।

यूक्रेन के विदेश मंत्री से मिले जयशंकर

एमएससी से इतर विदेश मंत्री की कई देशों के विदेश मंत्रियों से द्विपक्षीय मुलाकात हुई। जिसमें यूक्रेन, अर्जेंटीना, मंगोलिया, ऑस्ट्रिया, डेनमार्क के विदेश मंत्री शामिल हैं। रूस के साथ युद्ध के बीच विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्रेई सिबिहा से मुलाकात की। एक्स पोस्ट में उन्होंने कहा कि म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के दौरान यूक्रेन के विदेश मंत्री से मिलकर अच्छा लगा। यूक्रेन संघर्ष के समाधान को लेकर चल रहे प्रयासों पर उनसे चर्चा की। उन्होंने हमारे द्विपक्षीय सहयोग को और आगे बढ़ाने के बारे में भी बात की। वहीं, यूक्रेन के विदेश मंत्री ने इस बैठक के लिए डॉ. जयशंकर को धन्यवाद देते हुए कहा, हम भारत के साथ संबंध विकसित करने, व्यापार, कृषि, प्रौद्योगिकी, सुरक्षा व अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के इच्छुक हैं। साथ ही यूक्रेन न्यायपूर्ण और स्थायी शांति लाने के लिए भारत की मजबूत वैश्विक आवाज पर भी भरोसा करता है।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ 15 लोगों की मौत

महाकुंभ जाने वाली दो ट्रेन लेट हुई तो जमा हुई भारी भीड़, शनिवार देर रात 9.55 बजे हादसा कई गंभीर घायल

भाषा ▶▶ नई दिल्ली

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार को प्रयागराज महाकुंभ जाने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ गई। इसके कारण रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात करीब 9.55 बजे भगदड़ मच गई और 15 लोगों की मौत हो गई। 15 लोगों के घायल होने की सूचना है। कई लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। शनिवार को देर रात यह हादसा प्लेटफॉर्म नंबर 13 और 14 पर भीड़ होने की वजह से हुआ है। घायलों को अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। कई यात्रियों ने यह भी दावा किया कि कम से कम चार महिलाओं को दम घुटने के कारण बेहोश होने के बाद निकटवर्ती अस्पताल ले जाया गया। पुलिस उपायुक्त (रेलवे) ने आधिकारिक बयान में बताया कि जब प्रयागराज एक्सप्रेस ट्रेन प्लेटफार्म संख्या 14 पर खड़ी थी तब वहां कई लोग मौजूद थे। स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस और भुवनेश्वर राजधानी एक्सप्रेस देरी से चल रही थीं और इन ट्रेनों के यात्री भी प्लेटफार्म नंबर 12, 13 और 14 पर मौजूद थे। रेलवे द्वारा हर घंटे 1,500 सामान्य टिकट बेचे जा रहे थे, जिसके कारण स्टेशन पर भीड़ बढ़ गई और स्थिति बेकाबू हो गई। प्लेटफार्म नंबर 14 और प्लेटफार्म नंबर 16 के पास एस्केलेटर के पास भगदड़ मच गई और यह भीषण हादसा हो गया।

प्लेटफार्म नं.13 और 14 पर मची अफरा-तफरी

- वीकेंड के कारण महाकुंभ जाने वाले लोगों की भीड़ बढ़ी भगदड़ में 15 से अधिक घायल
- हर घंटे 1500 सामान्य टिकट बेच रहा था रेलवे, स्थिति बेकाबू, मचा हाहाकार
- पुलिस और फायर ब्रिगेड ने मोर्चा संभाला, कई यात्रियों की तबीयत बेहद खराब, अस्पताल पहुंचाया
- रेलवे ने हादसे की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए, रेल मंत्रालय ने कहा, स्थिति नियंत्रण में

रैना को 10 मार्च तक का दिया वक्त

मोबाइल बंद करके गायब हो गया इलाहाबादिया... पुलिस तलाश में

एजेंसी ▶▶ मुंबई

कॉमेडियन समय रैना के यूट्यूब शो इंडियाज गॉट लैटेंट में रणवीर इलाहाबादिया ने परिवार और माता-पिता को लेकर आपत्तिजनक व अभद्र टिप्पणियां कीं। इस मामले में उनके ऊपर एफआईआर दर्ज है। शुक्रवार को मुंबई और असम पुलिस की टीमें रणवीर के वर्सोवा स्थित फ्लैट पर जांच के लिए पहुंची, लेकिन फ्लैट बंद मिला। रणवीर का ▶▶ शेष पेज 5 पर

मैं भाग नहीं रहा, खतरों से डरा हुआ

भागने की खबरों के बीच रणवीर इलाहाबादिया ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर की है। इसमें उन्होंने लिखा कि मेरी टीम और मैं पुलिस और अन्य अधिकारियों के साथ जांच में सहयोग कर रहे हैं। मैं प्रोसेस को फॉलो करूंगा और अभी एजेंसी के लिए उपलब्ध रहूंगा। पेरेंट्स को लेकर मेरी बात इनसेंसीटिव और नामुनासिब थी। ▶▶ शेष पेज 5 पर

ग्राहकों के पैसे डूबे, ब्रांच में लंबी कतारें

न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक में 122करोड़ का हुआ घोटाला

बैंक की 73 ब्रांच में ताला पूर्व जीएम मेहता ने कर डाला गबन

आरबीआई ने अनियमितताओं के चलते 6 महीने का लगाया है बैन

एजेंसी ▶▶ मुंबई

न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड में एक बड़ा घोटाला सामने आया है। बैंक के पूर्व जनरल मैनेजर हितेश प्रवीणचंद मेहता पर 122 करोड़ रुपए के गबन का आरोप है।

दादर पुलिस ने चीफ अकाउंट्स ऑफिसर की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड पर वित्तीय गड़बड़ियों समेत कई मामलों को लकर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं। पुलिस के मुताबिक यह घोटाला 2020 से 2025 के बीच हुआ। घोटाला दादर और गोरेगांव ब्रांच से हुआ है। हितेश प्रवीणचंद मेहता जब दादर और गोरेगांव ब्रांच के जनरल मैनेजर थे, तब दोनों ब्रांचों में खातों में हेरफेर करके 122 करोड़ रुपए का गबन किया गया। ईओडब्ल्यू ने इस मामले में बैंक के बुक्स ऑफ ▶▶ शेष पेज 5 पर

तारिणी पोत के जरिए दुनिया का चक्कर लगाने निकली हैं नौसेना की दो जांबाज महिला अधिकारी

अपनी समुद्री यात्रा के तीसरे पड़ाव 'केप हॉर्न' को पार कर आगे बढ़ी तारिणी की टीम

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

लगातार हो रही भयंकर बारिश, समुद्र में 75 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलती हवाओं और 5 मीटर से ज्यादा ऊंची उठती लहरों के बीच नौसेना के तारिणी पोत पर सवार दो महिला अधिकारियों लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना.के और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा.ए ने 'केप हॉर्न' को सफलतापूर्वक पार अपना नाम इतिहास के स्वर्णाक्षरों में दर्ज करा दिया है। यह इलाका दक्षिण अमेरिका के सबसे निचले छोर पर स्थित है। नौसेना ने शनिवार को बताया कि यह ▶▶ शेष पेज 5 पर

दोनों महिलाओं को मिली केप हॉर्नर्स की पदवी

चुनौतीपूर्ण समुद्र में नौसेना की दोनों महिला अधिकारियों द्वारा सफलता के साथ पूरी की गई यात्रा के साथ इन्होंने केप हार्नर्स जैसी विशिष्ट उपलब्धि अपने नाम कर ली है। पारंपरिक रूप से यह उपाधि समुद्री यात्रियों और नाविकों के विशेष समूह को प्रदान की जाती है। जिन्होंने सफलता के साथ केप हॉर्न को पार किया हो। केप हॉर्न, अंटार्कटिका से 800 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह बर्फीले महाद्वीप से बेहद निकट स्थित जमीनी स्थान है। इस क्षेत्र की यात्रा करने के लिए न केवल विशेष प्रकार के समुद्री दिशा ज्ञान की विशेषज्ञता ▶▶ शेष पेज 5 पर

आरोपी को किया गिरफ्तार

रुपयों के विवाद में नशेड़ी ने की अपनी मां की हत्या

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के दयालपुर इलाके में कथित तौर पर रुपयों को लेकर हुई बहस के बाद एक नशेड़ी ने अपनी मां की हत्या कर दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सोनू (40) को अपनी 65 वर्षीय मां की हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि शुक्रवार रात करीब नौ बजे दयालपुर थाने में इस घटना के संबंध में सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस को वहां बुजुर्ग महिला मृत अवस्था में मिली। अधिकारियों ने कहा कि जांच के दौरान खुलासा हुआ कि पेशे से वाहन चालक सोनू फिलहाल बेरोजगार है और नशे का आदी है तथा रुपयों को लेकर अकसर अपनी मां से झगड़ा करता था। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार रात को भी उनके बीच विवाद हुआ और इस दौरान सोनू ने अपनी मां की हत्या कर दी। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है तथा मामले की जांच की जा रही है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जीटीबी अस्पताल ले जाया गया है।

भाजपा सरकार द्वारा दिल्ली के लोगों की अनदेखी नहीं होने देंगेः यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा है कि भाजपा की सरकार बनने के बाद अगर उसने दिल्ली वालों की अनदेखी की तो कांग्रेस चुप नहीं रहेंगी बल्कि जनता के कह की लड़ाई लड़ने में पीछे नहीं रहेगी। यादव ने कहा कि कांग्रेस का एक एक कार्यकर्ता दिल्ली की जनता के साथ खड़ा है, और खड़ा रहेगा। क्योंकि कांग्रेस एक जिम्मेदार विपक्षी पार्टी है जो जनता के मुद्दों पर कभी समझौता नहीं करती। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेताओं ने कुछ गड़बड़ नहीं है कि अब उन्हें जांच से डर क्यों लग रहा है। गलत नहीं किया है, तो जांच में सच्चाई सार्वजनिक होना चाहिए। यादव ने कहा कि केंद्र में मोदी सरकार तत्कालीन मनमोहन सरकार के कार्यों का श्रेय ले रहे है। अगर दिल्ली में बनने वाली भाजपा सरकार भी ऐसा ही करती हैं तो हम चुप नहीं रह सकते है। यादव ने कहा कि कांग्रेस एक जिम्मेदार विपक्षी पार्टी है, कांग्रेस, भाजपा सरकार बनने के 3-4 महीने की उसकी कार्यवाही और कार्यकलापों का इंतजार कर रही है। अगर दिल्ली के बहुमत वाले जनादेश के अनुसार भाजपा की दिल्ली सरकार उसके अनुसार विकास कार्य नहीं करती है तो कांग्रेस इसे चुपचाप नहीं देखेगी। दिल्ली कांग्रेस लोगों को प्रभावित करने वाले मुद्दों को दृढ़ता से उठाएंगे, क्योंकि कांग्रेस दिल्ली की जनता को अधिकार दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। यादव ने कहा कि हम विधानसभा में हार के कारणों का पता लगाने के लिए, जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत और रोडमैप तैयार करने के लिए संसदीय क्षेत्रों की विधानसभा के कांग्रेस के उम्मीदवारों की बैठकें कर रहे हैं।

एनडीएमसी ने किया 'पार्क में संगीत' कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

वसंत ऋतु के स्वागत और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के मध्य में ट्यूलिप के नए खिले फूलों की पृष्ठभूमि में, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने स्पिक मैके और एसआरएफ फाउंडेशन के सहयोग से शनिवार को चाणक्यपुरी के नेहरू पार्क में 'म्यूजिक इन द पार्क' श्रृंखला 2025 का पहला संगीत कार्यक्रम आयोजित किया। एनडीएमसी प्रशासन ने शनिवार को यह जानकारी दी। बताया गया कि एनडीएमसी द्वारा आयोजित 'म्यूजिक इन द पार्क' का शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम सुनने के लिए दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र के बड़ी संख्या में श्रोता प्रसिद्ध सितारवादक पंडित कुशल दास और प्रशंसित हिंदुस्तानी गायक पंडित उल्हास कशालकर के अद्भुत प्रदर्शन से मंत्रमुग्ध हो गए। इन कलाकारों के साथ प्रतिभाशाली संगीतकारों की एक मण्डली भी थी, जिनमें राम कुमार मिश्रा (तबला), आशय कुलकर्णी (तबला), विनय मिश्रा (हारमोनियम), सरवर हुसैन (सारंग) और साईं महाशब्दे (वोकल) शामिल थे। राजनयिकों, सरकारी और कॉर्पोरेट क्षेत्रों के उच्च अधिकारियों, विभिन्न शिक्षण संस्थानों के छात्रों, पार्क में आगंतुकों / जॉगर्स, अन्य व्यक्तियों आदि सहित हजारों फूल प्रेमियों ने भी इस शास्त्रीय संगीत समारोह को सुनकर प्रमुख शास्त्रीय संगीत कलाकारों की विभिन्न संगीत धुनों पर मंत्रमुग्ध हो गए।

बिगड़ती शहरी जिंदगी को खुशहाल और उन्नत करना

प्रशासन ने बताया कि एनडीएमसी द्वारा अपने क्षेत्र में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने के पीछे का उद्देश्य महानगरों में व्यस्त दिनचर्या से दिन-ब-दिन बिगड़ती शहरी जिंदगी को खुशहाल और उन्नत करना भी है। कला और संस्कृति को बढ़ावा देना एनडीएमसी अधिनियम-1994 की धारा 12 के तहत प्रदान किए गए परिषद के कार्यों में से एक है। यह प्रावधान परिषद को कला और संस्कृति को संग्रहालयों और सभागारों की सीमा से बाहर खुले में लाने की जिम्मेदारी देता है जहां आम जनता इनमें भाग ले सके और इनका निशुल्क भरपूर आनंद उठा सके।

डकैती करने जा रहा सुनील गुप्ता गिरोह का सदस्य गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के स्वरूप नगर इलाके में डकैती करने जा रहे सुनील गुप्ता गिरोह के 18 वर्षीय एक सदस्य को पुलिस ने गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी अल्तमश उर्फ अमित के कब्जे से एक देसी पिस्तौल और कारतूस बरामद किया गया। पुलिस उपायुक्त (बाहरी उत्तर) निधिन वालसन ने बताया कि आरोपी के बारे में सूचना मिलने के बाद स्वरूप नगर में जाल बिछाया गया। पुलिस ने 12-13 फरवरी की रात को अल्तमश को रोककर गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी अल्तमश ने खुलासा किया कि उसे बुराड़ी निवासी सनी से हथियार मिला था और उसे गिरोह में युवाओं को भर्ती करने का काम सौंपा गया था। उसने पुलिस को बताया कि सनी के निर्देश पर वह छोटी-मोटी लूट और चोरी की वारदातों को अंजाम देता था।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 17 छात्र किए निलंबित : आइसा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

'ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन' (आइसा) ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया में सोमवार को होने वाली कक्षाओं के बहिष्कार का आह्वान किया और दावा किया कि पीएचडी के दो छात्रों के खिलाफ की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई को लेकर प्रदर्शन करने के आरोप में 17 छात्रों को निलंबित कर दिया गया है। विश्वविद्यालय ने छात्रों के निलंबन के दावों पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

जामिया में यह विवाद उस वक्त शुरू हुआ, जब विश्वविद्यालय ने पिछले साल दिसंबर में कथित तौर पर अनधिकृत प्रदर्शन का नेतृत्व करने वाले पीएचडी के छात्रों को कुछ दिन पहले निलंबित कर दिया था। विश्वविद्यालय के इस आदेश के बाद छात्रों ने वहां प्रदर्शन किया। प्रशासन ने अपने इस कदम का बचाव करते हुए कहा कि इस प्रदर्शन के कारण शैक्षणिक गतिविधियां बाधित हुई हैं और संपत्ति को नुकसान पहुंचा है, जिसमें कैंटीन को नुकसान पहुंचाया जाना और सुरक्षा सलाहकार के कार्यालय का दरवाजा तोड़ना शामिल है। छात्र कार्यकर्ताओं ने हालांकि तर्क दिया कि प्रशासन असहमति को दबाने का प्रयास कर रहा है।

विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा की गई इस कार्रवाई के बाद छात्रों ने दावा किया कि उन्हें निलंबन का नोटिस दिया गया है जिसमें 'बर्बरता, अनधिकृत प्रदर्शन और विश्वविद्यालय की बदनामी' में उनकी कथित संलिप्तता का हवाला दिया गया है। वामपंथी संगठन भाकपा(माले) लिबरेशन से संबद्ध आइसा के अनुसार, विश्वविद्यालय प्रशासन ने रातों-रात 17 छात्रों को निलंबित कर दिया, जिसके कारण विभिन्न विभागों के छात्रों ने कक्षाओं के बहिष्कार में शामिल होने की घोषणा की है। इसने एक बयान में कहा कि समाजशास्त्र, सामाजिक विज्ञान, भूगोल, हिंदी, सामाजिक कार्य, स्पेनिश और लैटिन अमेरिकी अध्ययन, फ्रेंच और कोरियाई भाषा तथा मीडिया एवं प्रशासन केंद्र के छात्रों ने इसका समर्थन करने की घोषणा की है। एसोसिएशन ने कहा कि आप छात्रों को निलंबित कर सकते हैं, लेकिन प्रतिरोध को नहीं रोक सकते हैं।

विश्वविद्यालय की अनुशासन समिति 25 फरवरी को बैठक करेगी, जिसमें 15 दिसंबर 2024 को जामिया प्रतिरोध दिवस₹ के आयोजन में पीएचडी के दो छात्रों की भूमिका की समीक्षा की जाएगी। नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के खिलाफ 2019 में हुए प्रदर्शनों की पृष्ठभूमि में, हर साल इस दिन 'जामिया प्रतिरोध दिवस' मनाया जाता है। प्रदर्शन कर रहे छात्र उक्त अनुशासनात्मक कार्रवाई वापस लेने, परिसर में प्रदर्शन को प्रतिबंधित करने वाले 2020 के ज्ञापन को निरस्त करने, भित्तिचित्रों और पोस्टर चिपकाने पर 50,000 रुपये के जुर्माने को हटाने और छात्रों द्वारा प्रदर्शन में शामिल होने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई न किए जाने का आश्वासन देने की मांग कर रहे हैं। कुछ छात्रों ने दावा किया कि अक्टूबर 2024 में कुलपति मजहर आसिफ के कार्यभार संभालने के बाद से इन गतिविधियों पर प्रतिबंधों को कड़ा कर दिया गया है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **वजीर, पुत्रः रामबीर, पताः ग्राउंड फ्लोर, पोल नं. जेएफपीएक्स 497 के पास परिसर, गांव मलिकपुर बावला पन्ना, नई दिल्ली–110073** ने **Ct. Cases/446/2022, U/s 135 Indian Electricity Act, पुलिस थाना जाफरपुर कलां, नई दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **वजीर** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **वजीर** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **Ct. Cases/446/2022, U/s 135 Indian Electricity Act, पुलिस थाना जाफरपुर कलां, नई दिल्ली** के अभियुक्त **वजीर** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **27.03.2025** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री विनोद कुमार मीना
अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, दक्षिण–पश्चिम
विशेष न्यायालय (विद्युत), कमरा नं. 609
द्वारका कोर्ट, नई दिल्ली

DP/1822/DW/2025

आईपीयू में मनोविज्ञान और भू-सूचना विज्ञान के नए पाठ्यक्रम शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (जीजीएसआईपीयू) ने नए सत्र से अपने मौजूदा पाठ्यक्रमों में कुछ नए विषय जोड़े हैं। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत अपने 5 वर्षीय बीए-एमए लिबरल आर्ट्स कार्यक्रम में इतिहास, राजनीति विज्ञान और समाजशास्त्र के अलावा मनोविज्ञान को चौथे प्रमुख विषय के रूप में शामिल किया है। समाज में मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण की बढ़ती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को मानव व्यवहार की जटिलताओं को समझने में सक्षम बनाएगा और उन्हें विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक मुद्दों का व्यापक विश्लेषण करने के लिए आवश्यक सैद्धांतिक और विश्लेषणात्मक सहायता प्रदान करेगा।

नई दिल्ली : ब्रिटानिया चौक से पंजाबी बाग गोल चक्कर की तरफ जाते समय लगा लंबा जाम। फोटो : हरिभूमि

बिजली की मांग स्थिर, कहीं कोई बिजली कटौती या लोडशेडिंग नहींः टाटा पावर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

निजी बिजली आपूर्ति कंपनी टाटा पावर-डीडीएल ने दावा किया है कि उसके वितरण क्षेत्र में कहीं भी बिजली की कटौती नहीं की जा रही। कंपनी का कहना है कि गत कई दिनों से बिजली की मांग स्थिर बनी हुई है, ऐसे में बिजली कटौती या लोडशेडिंग नहीं की जा रही। कंपनी की तरफ से बताया गया कि फरवरी की शुरुआत से, एसएलडीसी के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली की बिजली की मांग 4200-4500 मेगावाट की सीमा में स्थिर बनी हुई है। हमारे वितरण क्षेत्र में, मांग 1200-1600 मेगावाट के बीच है। जबकि टाटा पावर ने अपने नेटवर्क को 2025 की गर्मियों के लिए 2,600 मेगावाट की अपेक्षित अधिकतम मांग को पूरा करने के लिए रणनीतिक रूप से योजनाबद्ध किया गया है। विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए, 2,742 मेगावाट तक की बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए दीर्घकालिक बिजली खरीद समझौते और बैंकिंग व्यवस्था लागू हैं। टाटा पावर के पास किसी भी ब्रेकडाउन या आपात स्थिति को कुशलतापूर्वक संभालने के लिए एक समर्पित 24 घंटे की त्वरित प्रतिक्रिया टीम मौजूद है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी करम सिंह, पताः** डब्ल्यूजेड–67, चौखंडी एक्सटेंशन, तिलक नगर, **दिल्ली FIR No. 100/2019, U/S: 498A IPC, पुलिस थानाः ख्याला, पश्चिमी दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **करम सिंह,** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **करम सिंह,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **करम सिंह, FIR No. 100/2019, U/S: 498A IPC, पुलिस थानाः ख्याला, पश्चिमी दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **18.03.2025** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री शिवली तलवार
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी
(महिला कोर्ट)–01 कमरा नं. 358
तीस हजारी कोर्ट, नई दिल्ली

DP/1735/WD/2025
(Court Matter)

डीएमआरसी ने दी सफाई

शब-ए-बारात पर मेट्रो स्टेशन में बवाल का वीडियो वायरल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

अति सुरक्षित कही जाने वाली दिल्ली मेट्रो की सुरक्षा व्यवस्था की धज्जियां उड़ाते वायरल हो रहे एक वीडियो ने गंभीर सवाल खड़े कर दिए है। वीडियो में देखा जा सकता है कि मजेंटा लाइन पर जामा मस्जिद मेट्रो स्टेशन में भारी संख्या में विशेष समुदाय के सैकड़ों युवक जमकर उत्पात मचा रहे है। स्टेशन के अंदर मौजूद इन युवकों ने ऑटोमेटिक फेयर कलेक्शन (एएफसी) गेट फांदकर बाहर निकल गए। खास टोपी आदि पहने हुए युवक स्टेशन के अंदर हो हल्ला व उत्पात मचाने के साथ ही जमकर मोबाइल से वीडियो भी बना रहे है। जबकि इस वायरल वीडियो में सबसे अहम बात यह दिख रही है कि जिस समय यह युवक हंगामा कर रहे है उस समय कहीं एक भी सुरक्षा कर्मी अथवा मेट्रो कर्मचारी अधिकारी नजर नहीं आया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जिसके बाद लोगों ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करते हुए डीएमआरसी को कोसा। तेजी से वायरल हुए वीडियो के बाद इस मामले पर डीएमआरसी ने माना कि यह जामा मस्जिद स्टेशन का मामला है। बता दें कि दिल्ली मेट्रो में इससे पहले सुरक्षा व्यवस्था में इतनी बड़ी लापरवाही देखने को नहीं मिली। किसान आंदोलन के समय व इससे पहले एक मेट्रो में नारेबाजी आदि की खबरें जरूर सुर्खियां बनी लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ। इसलिए लोगों में इस मामले को लेकर सुरक्षा व्यवस्था की तरफ से चिंताएं बढ़ गई है।

इस मुद्दे पर हो रही आलोचना के बाद डीएमआरसी ने अपनी सफाई पेश की। जिसमें डीएमआरसी ने कहा कि कुछ यात्रियों द्वारा बाहर निकलने के लिए एएफसी गेट पर छलांग लगाने के संबंध में सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वायरल वीडियो के संदर्भ में डीएमआरसी सूचित करना चाहेगी कि उक्त घटना 13 फरवरी 2025 की शाम को मजेंटा लाइन पर जामा मस्जिद मेट्रो स्टेशन की बताई गई है। थोड़ी देर के लिए यात्रियों की भीड़ अचानक बढ़ गई जब कुछ यात्री बाहर निकलने के लिए एएफसी गेट से कूदकर उसे पार कर गए। ऐसे यात्रियों को सलाह देने के लिए सुरक्षाकर्मी और अन्य कर्मचारी पर्याप्त रूप से मौजूद थे और स्थिति कभी भी नियंत्रण से बाहर नहीं हुई। बल्कि, यह बाहर निकलते समय एएफसी गेट पर अचानक भीड़ बढ़ने के कारण कुछ यात्रियों की क्षणिक प्रतिक्रिया थी। इनके पास वैध यात्रा टिकट थी। हालांकि, डीएमआरसी ने इस मामले का आवश्यक संज्ञान लिया है क्योंकि यह कानून और व्यवस्था का उल्लंघन है। यह सुनिश्चित करने के लिए जांच की जा रही है कि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। डीएमआरसी पहले से ही एफआईआर दर्ज करने के लिए पुलिस अधिकारियों से बातचीत कर रही है।

पैनाफिक इन्डस्ट्रियल्स लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालयः 23, द्वितीय मंजिल, नार्थ वेस्ट एवेन्यू, क्लब रोड, वेस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली -110026
CIN: L45202DL1985PLC019746
वेबसाइटः www.panaficindustrialsltd.in ई–मेलः panafic.industrials@gmail.com दूरभाषः 011-25223461

31 दिसम्बर, 2024 को समाप्त तिमाही एवं नौमाही के अनअंकेक्षित स्टैन्डअलोन वित्तीय परिणाम

(रू० लाखों में)

	समाप्त तिमाही			समाप्त नौमाही		समाप्त वार्षिक
	दिसम्बर 31, 2024	सितम्बर 30, 2024	दिसम्बर 31, 2023	दिसम्बर 31, 2024	दिसम्बर 31, 2023	31-मार्च-24
	अनअंकेक्षित	अनअंकेक्षित	अनअंकेक्षित	अनअंकेक्षित	अनअंकेक्षित	अंकेक्षित
परिचालन से कुल आय (नेट)	13.34	14.71	24.96	45.95	68.82	67.89
कर से पहले सामान्य गतिविधियों से नेट लाभ/(हानि) (विशिष्ट मदों से पहले)	7.15	0.54	19.13	11.20	33.93	2.97
कर से पहले सामान्य गतिविधियों से नेट लाभ/(हानि) (विशिष्ट मदों के बाद)	7.15	0.54	19.13	11.20	33.93	2.97
कर के बाद सामान्य गतिविधियों से नेट लाभ/(हानि) (विशिष्ट मदों के बाद)	7.15	0.54	19.13	11.20	33.93	2.15
कर एवं गैर नियंत्रित व्याज के बाद कुल व्यापक आय	7.15	0.54	19.13	11.20	33.93	2.15
चुकता इक्वीटी शेयर कैपीटल	821.25	821.25	821.25	821.25	821.25	821.25
रिजर्व (रीवैलूवेसन रिजर्व को छोड़कर जैसा कि पिछले वर्ष के तुलन पत्र में दर्शाया गया)	-	-	-	-	-	0
प्रति शेयर आय (संचालन जारी एवं बंद करने के लिए)						
मूल	0.01	0.00	0.02	0.01	0.04	0.00
तरल	0.01	0.00	0.02	0.01	0.04	0.00

टिप्पणीयाँः
1. उपरोक्त परिणामों का लेखा परीक्षा समिति द्वारा समीक्षा की गई और निदेशक मंडल की 14 फरवरी, 2025 की बैठक में अनुमोदित किये गये।
2. 31 दिसम्बर, 2024 की अवधि के समाप्त तिमाही के उपरोक्त वित्तीय परिणामों को कम्पनीज अधिनियम, 2013 ("धारा") की धारा 133 के तहत निर्धारित भारतीय लेखा मानक ("आईएनडी एएस") के उसके अन्तर्गत साथ में पठित जारी प्रासांगिक नियमों एवं सेबी (लिस्टिंग दायत्वों एवं प्रकटीकरण आवश्यकताओं), विनियमन, 2015 के विनियमन 33 के अनुसार तैयार किये गये।
3. 31 दिसम्बर, 2024 को समाप्त तीसरे तिमाही के परिणामों का वैधानिक परीक्षकों द्वारा सीमित समीक्षा की गई।
4. कम्पनी की गतिविधि केवल एक व्यावसाय खण्ड में आती है इसलिए कम्पनी पर खण्डवार रिपोर्टिंग लागू नहीं है।
5. पिछली अवधि के आकड़े जहाँ पर आवश्यक हो, समूहीकृत/पुनःवर्गीकृत किये गये हैं।
6. उपरोक्त परिणाम मुम्बई स्टॉक एक्सचेन्ज की वेबसाइट www.bseindia.com एवं कम्पनी की वेबसाइट www.panaficindustrialsltd.com पर उपलब्ध हैं।

निदेशक मंडल की ओर से उनके लिए
पैनाफिक इन्डस्ट्रियल्स लिमिटेड
सरिता गुप्ता
प्रबन्ध निदेशक
DIN: 00113099

स्थान : नई दिल्ली
तिथि : 14.02.2025

नालों और सीवरों के ओवरफ्लो होने से सड़कों पर भरा पानी, 113 शिकायतें दर्ज, 76 लंबित

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में सीवर और नालों के ओवरफ्लो होने से सड़कों और गलियों में पानी भरने की शिकायतें तेजी से दर्ज हो रही है। पिछले 15 दिनों की बात करें तो सीवर और नालों के ओवरफ्लो होने की दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग में सड़कों और गलियों में पानी भरने की 113 शिकायतें दर्ज हुई हैं। इनमें 37 शिकायतों का निस्तारण पीडब्ल्यूडी ने कर दिया है वहीं अभी 76 शिकायतों को निस्तारण करना बाकी। हैरत की बात यह है कि इन दर्ज शिकायतों में कई शिकायतें ऐसी हैं जिनमें लोग कई महीनों से परेशाना हैं। मुंडका मेट्रो स्टेशन ने शिकायत दर्ज कराई है कि मुंडका मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर एक और दो पर पिछले एक साल से सीवर जाम होने से पानी भरा रहता है। वहीं तरुण नाम के एक व्यक्ति ने पश्चिमी पंजाबी बाग मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर एक पर सीवर जाम होने से पानी भरा है। ऐसे ही कई लोगों ने पानी भरने की शिकायतें दर्ज कराई हैं। वहीं कई लोगों ने नालियां जाम होने की वजह से घरों में पानी भरने की शिकायत दर्ज कराई है। अगर पीडब्ल्यूडी के ऑनलाइन शिकायत सिस्टम पर दर्ज अन्य शिकायतों की बात करें तो पिछले 15 दिनों में सीवर जाम और रिसाव से संबधित 115 शिकायतें दर्ज की गई हैं। इनमें 77 शिकायतें अभी लंबित हैं। वहीं स्ट्रीट लाइटों की बात करें तो पिछले 15 दिनों में स्ट्रीट लाइट से संबंधित सबसे अधिक 269 शिकायतें दर्ज हुई हैं। इनमें में 162 शिकायतें अभी लंबित हैं।

पिछले 15 दिनों में स्ट्रीट लाइट की 269 शिकायतें हुई दर्ज, 162 अभी भी लंबित

सड़कों के संबंध में 242 शिकायतें दर्ज

खराब सड़कों और खुले मेन होलों की बात करें तो खराब सड़कों के संबंध में पिछले 15 दिनों में 242 शिकायतें दर्ज की गई हैं। इनमें से 180 शिकायतों को निस्तारण करना अभी बाकी है। इसी तरह खुले मेन होल के संबंध में पिछले 15 दिनों में 190 शिकायतें दर्ज की गई हैं। इनमें से 150 शिकायतों का निस्तारण करना अभी बाकी है। इन शिकायतों से अंदाजा लगाया जा सकता है कि दिल्लीवाले सीवर और सड़क की समस्या से काफी परेशान है।

'पानी की निकासी के बिना छह महीने पहले बनी सड़क हो गई जर्जर'

अनिल कुमार नामक व्यक्ति ने पीडब्ल्यूडी के ऑनलाइन शिकायत सिस्टम पर दी अपनी शिकायत में कहा कि पंजाबी बाग नजदीक ट्रैफिक ट्रेनिंग पार्क, पंजाबी बाग वेस्ट मेट्रो स्टेशन तथा गुरुद्वारा पंजाबी बाग वेस्ट के पास एक सड़क लगभग 6 महीने पहले बनाई गई थी। लेकिन सड़क की मरम्मत में घटिया गुणवत्ता का उपयोग किया गया है, खासकर तारकोल की मात्रा बहुत कम थी। जिसके कारण, सड़क की स्थिति कुछ ही महीनों में अत्यंत ख़राब हो गई है और यह पूरी तरह से जर्जर हो गई है।

खबर संक्षेप

न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस हुआ दर्ज

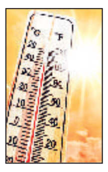

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो इस मौसम के औसत तापमान से एक डिग्री सेल्सियस कम है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने दिन में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान जताया है। सुबह साढ़े आठ बजे आर्द्रता 84 प्रतिशत रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, शनिवार सुबह करीब नौ बजे वायु गुणवत्ता 'मध्यम' (160) श्रेणी में दर्ज की गई।

नरेश बाल्यान के खिलाफ 24 फरवरी तक दाखिल किया जाएगा आरोपपत्र

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को यहां एक अदालत को सूचित किया कि वह आम आदमी पार्टी (आप) के नेता नरेश बाल्यान के खिलाफ मकोका के तहत दर्ज मामले में 24 फरवरी तक पूरक आरोपपत्र दाखिल करेगी। पुलिस ने विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा को बताया कि मामले में सह-आरोपी रोहित उर्फ अन्ना और सचिन चिकारा के खिलाफ जांच लगभग पूरी हो चुकी है और वह उनके खिलाफ अपनी अंतिम रिपोर्ट दाखिल करेगी। अदालत ने रितिक उर्फ पीटर के खिलाफ पूरक आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के लिए 24 फरवरी तक आदेश सुरक्षित रख लिया। बाल्यान को इस मामले में 4 दिसंबर को गिरफ्तार किया गया था, जबकि एक अदालत ने उन्हें जबरन वसूली के एक मामले में जमानत दे दी थी।

बिजली लाइन मरम्मत के चलते जलापूर्ति रहेगी बाधित

नई दिल्ली। दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) द्वारा वजीराबाद स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट (डब्ल्यूटीपी) के प्रथम 40 एमजीडी चरण में एचटी पैनल में विद्युत कार्य किया जा रहा है। जिसके चलते 18 फरवरी 2025 को सुबह 11 बजे से सायं 7 बजे तक कई महत्वपूर्ण संस्थानों व इससे जुड़े क्षेत्रों में जलापूर्ति बाधित रहेगी। डीजेबी ने बताया कि वजीराबाद डब्ल्यूटीपी से 40 एमजीडी के करीब जल शोधन होता जिसकी आपूर्ति किलोकरी मेन और डुप्लीकेट मेन में पानी की आपूर्ति होती है।

एमसीडी में भाजपा पार्षदों की बढ़ी संख्या

दिल्ली नगर निगम में आम आदमी पार्टी का बिगड़ा गणित, किसका बनेगा महापौर

विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के बाद और तीन पार्षदों के भाजपा में शामिल होने के बाद भाजपा पार्षदों की संख्या अब 116 और आप पार्षदों की संख्या 114 रह गई है।

- अप्रैल में निगम महापौर पद के लिए होगा चुनाव
- अब जब आप का संख्याबल निगम में कम हो गया है तो नहीं चलेगी मनमर्जी : सिंह

निगम में भी बन सकता है भाजपा का महापौर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के तीन पार्षदों के शनिवार को भाजपा में शामिल होने के बाद से ही दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल का गणित बिगड़ गया है और इसके चलते अब निगम में भी भाजपा का महापौर बनना लगभग तय माना जा रहा है लेकिन देखा जाए तो यह राजनीति है और यहां कुछ भी संभव है, क्योंकि निगम पार्षद कई बार दल बदल चुके हैं और बता दें कि अप्रैल माह में निगम महापौर पद के लिए चुनाव होना है। विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के बाद और तीन पार्षदों के भाजपा में शामिल होने के बाद भाजपा पार्षदों की संख्या अब 116 और आप पार्षदों की संख्या 114 रह गई है। इसके अलावा, दिल्ली के सात लोकसभा सदस्य (सभी भाजपा के), तीन राज्यसभा सदस्य (सभी आप के) और 14 मनोनीत विधायक दिल्ली नगर निगम के महापौर और उप महापौर के लिए होने वाले चुनाव में मतदाता हैं।

बहुमत खो चुकी है आप, नैतिकता पर इस्तीफा दें महापौर : राजा इकबाल सिंह

दिल्ली नगर निगम के नेता विपक्ष व पूर्व महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह ने महापौर महेश कुमार से नैतिकता के आधार पर इस्तीफा मांगा है। उन्होंने कहा कि विधानसभा में जनमत खो चुकी आम आदमी पार्टी अब नगर निगम सदन में भी विश्वासमत खो चुकी है। भाजपा के पार्षदों की संख्या 116 हो गई है। साथ ही अब आप के पास पार्षदों की संख्या 114 ही बची है। ऐसे में सदन में संख्या बल न होने पर महापौर को पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। वह नैतिकता के तौर पर इस्तीफा दें। नेता विपक्ष सिंह ने कहा कि भाजपा अब जनहित के मुद्दों को उठाना जारी रखेगी। साथ ही अब जब आप का संख्याबल निगम में कम हो गया है तो अब आपकी मनमर्जी नहीं चल सकेगी।

आप के तीन निगम पार्षद भाजपा में हुए शामिल

नई दिल्ली। दिल्ली को विकसित देखने वाले भाजपा के साथ आना पसंद कर रहे हैं क्योंकि वे भी भ्रम और भ्रष्टाचार की सरकार से पिछले 10 सालों से परेशान है और अब उन्हें भाजपा के रूप में इकलौता विकल्प मिला है। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने शनिवार को आम आदमी पार्टी के तीन पार्षदों के शामिल होने के बाद आप पर निशाना साधते हुए प्रेसवार्ता में यह संबोधन दिया।

सचदेवा ने पार्टी का पटका पहनाकर किया स्वागत

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा की उपस्थिति में शनिवार को आम आदमी पार्टी के तीन निगम पार्षद एंड्रयूज गंज से अनीता बसोया, हरिनगर से निखिल चपराना और आर के पुरम से धर्मवीर सिंह भाजपा में शामिल हुए। प्रेस वार्ता में नवनिर्वाचित विधायक करतार सिंह, अनिल शर्मा और पूर्व विधायक नितिन त्यागी भी मौजूद थे। इस अवसर पर सचदेवा ने आम आदमी पार्टी से आए सभी तीनों पार्षदों को पार्टी का पटका पहनाकर स्वागत किया और कहा कि दिल्ली में जल्द ही ट्रिपल इंजन की सरकार बने।

दिल्ली को सुंदर बनाने के लिए करना होगा लगातार काम

नई दिल्ली। सचदेवा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों की वजह से देश लगातार प्रगति की ओर अग्रसर है और अब दिल्ली की बारी है। दिल्ली की जनता ने भाजपा को बहुमत दिया है उसका नतीजा उन्हें सरकार का गठन होते ही मिलना शुरू हो जाएगा। सचदेवा ने कहा कि एक सुंदर और विकसित दिल्ली बनाने के लिए अब हमें लगातार कार्य करना होगा जिससे 10 वर्ष से रुका हुआ विकास कार्य भी पूरा हो सके और साथ ही दिल्ली में भाजपा जिस विकसित दिल्ली की बात कर रही है उसके सपने को भी साकार किया जा सके।

डीडीए ने पीएम उदय कैंपों में बांटे कागजात

अनधिकृत कालोनियों के पहुंच रहे है लोग

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) पीएम उदय योजना के तहत अनधिकृत कालोनियों में रहने वाले लोगों के लिए प्लाट मकान आदि को नियमित करने की प्रक्रिया के लिए हर शनिवार रविवार को उदय कैंप लगा रही है। ऐसे ही कैंप में शनिवार को दर्जनों लोगों ने पीएम उदय कैंपों में अपने कागजात जमा कराए। जबकि डीडीए ने कई लोगों को उनके भूखंड को नियमितीकरण संबंधी कागजात वापस सौंपे। कैंप से जुड़े डीडीए के एक आला अधिकारी ने बताया कि केंद्र की इस योजना को डीडीए चला रहा है। जिसके तहत उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के दिशा निर्देश पर 31 मार्च 2025 तक विभिन्न अनधिकृत कालोनियों में प्रत्येक शनिवार व रविवार को पीएम उदय कैंप लगाए जा रहे है। शनिवार 15 फरवरी 2025 को दिल्ली की करीब 10 जगहों पर कैंप लगाए गए। जबकि रविवार को भी अलग अलग जगहों पर ऐसे कैंप लगाए जाएगें।

अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सख्त रुख अपनाएगी एमसीडी

दिल्ली नगर निगम ने प्रवर्तन दरों को किया संशोधित

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) सार्वजनिक सड़कों सहित सार्वजनिक स्थानों को बाधित/अतिक्रमण करने वाले सामान और वाहनों के खिलाफ सख्त रुख अपनाएगी। निगम प्रशासन ने शनिवार को यह जानकारी दी और बताया कि एमसीडी सभी हितधारकों से सार्वजनिक सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण न करने का आग्रह करती है ताकि निगम बेहतर नागरिक सुविधाएं और सुचारू यातायात संचालन प्रदान कर सके। एमसीडी ने 19 जुलाई, 2023 के अपने पिछले परिपत्र को हटाते हुए संयोजन शुल्क, रिमूवल फीस और भंडारण शुल्क की संशोधित प्रवर्तन दरों की घोषणा की है। नई दरें विभिन्न प्रतिष्ठानों पर लागू होंगी, जिनमें फेरीवाले, दुकानदार, परिवहन कंपनियां और वाहन शोरूम, सेकेंड हैंड कार डीलर आदि शामिल हैं। निगम प्रशासन ने बताया कि संशोधित दरों का उद्देश्य एमसीडी के अधिकार क्षेत्र में एक स्वच्छ और अतिक्रमण मुक्त सार्वजनिक स्थान को बढ़ावा देना है। नई दरें सार्वजनिक सड़कों और स्थानों के बेहतर रखरखाव में मदद करेंगी और अवरोधों और अतिक्रमणों को कम करेंगी।

सीवीसी ने केजरीवाल के सरकारी आवास में अवैध निर्माण के दुरुपयोग की विस्तृत जांच के दिए आदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष और भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता ने जांच के आदेश का किया स्वागत

दिल्ली विधानसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष और भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता ने केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास में अवैध निर्माण और सरकारी धन के दुरुपयोग की विस्तृत जांच शुरू करने के फैसले का स्वागत किया है। भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल इस गलतफहमी में न रहें कि वे कानून की गिरफ्त से बच जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि जिन्होंने जनता का पैसा लूटा है, उन्हें इसका हिसाब देना ही होगा।

गुप्ता ने कहा कि यह जांच उनके द्वारा 14 अक्टूबर 2024 और 21 अक्टूबर 2024 को केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) में दर्ज कराई गई दो शिकायतों के बाद शुरू की गई है। इन शिकायतों में भवन नियमों के खुलेआम उल्लंघन और केजरीवाल के आधिकारिक आवास पर करदाताओं के धन से की गई भव्य सजावट का खुलासा किया गया था। 14 अक्टूबर 2024 को दर्ज पहली शिकायत में गुप्ता ने बताया था कि केजरीवाल ने 6, फ्लैग स्टाफ रोड स्थित अपने आधिकारिक आवास का अवैध रूप से विस्तार किया और सरकारी संपत्तियों को अपने निजी परिसर में मिला लिया। इसमें वरिष्ठ अधिकारियों और न्यायाधीशों के आधिकारिक निवास, राजपुर रोड स्थित प्लॉट नंबर 45 और 47 सहित फ्लैग स्टाफ रोड पर स्थित दो बंगले (8-ए और 8-बी) शामिल थे। इन संपत्तियों को तोड़कर केजरीवाल ने इसे 10 एकड़ के 'शीश महल' में बदल दिया, जो भवन नियमों और भूमि उपयोग प्रावधानों का पूरी तरह उल्लंघन था।

सच सामने आना चाहिए

अवैध शीश महल निर्माण की जांच में आप नेताओं को करना चाहिए सहयोग : देवेंद्र

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने आम आदमी पार्टी व उसके नेताओं को घेरते हुए कहा है कि अगर उन्होंने कोई घोटाला या गड़बड़ नहीं की तो डर क्यों रहे हैं। आप पार्टी को चाहिए कि चाहे शीश महल की जांच हो, पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ या किसी अन्य के खिलाफ जांच होती है तो उसमें सहयोग करना चाहिए। दिल्ली कांग्रेस ने सबसे पहले शराब नीति में भ्रष्टाचार और मुख्यमंत्री के निवास 6,फ्लैग स्टाफ रोड के निर्माण में सभी नियमों और विनियमों की धज्जियां उड़ाने का मामला जनता के सामने उजागर किया था। उन्होंने कहा कि भाजपा अब यह दावा कर रही है कि वह केजरीवाल सरकार के भ्रष्टाचार को उजागर करने के लिए दिल्ली विधानसभा में 14 सीएजी (कंट्रोलर और ऑडिटर जनरल) रिपोर्ट सदन में रखेगी। लेकिन आश्चर्य की बात है कि भाजपा ने इन रिपोर्टों को केजरीवाल द्वारा सार्वजनिक नही करने पर संसद के सदन में क्यों रखने का प्रयास नहीं किया।

भाजपा को नकारात्मक छोड़कर करनी चाहिए सकारात्मक राजनीति : कक्कड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- अगर सीएम आवास में किसी नियम का उल्लंघन हुआ है तो भाजपा ने मीडिया को अंदर क्यों नहीं जाने दिया

आम आदमी पार्टी (आप) ने शनिवार को भाजपा को नकारात्मक राजनीति को छोड़कर सकारात्मक राजनीति करने की सलाह दी है, ताकि वह दिल्ली की जनता से किए अपने वादों को पूरा कर सके। आप की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने शनिवार को कहा कि अगर सीएम आवास में किसी नियम का उल्लंघन हुआ है तो भाजपा ने मीडिया को उसके अंदर जाने क्यों नहीं दिया। जनता को भी पता चलना चाहिए कि वहां सोने का टॉयलेट, स्विमिंग पूल और मिनी बार बना है या सिर्फ भाजपा का झूठा प्रचार है। अगर भाजपा को जांच ही करानी है तो राजमहल की करानी चाहिए कि कैसे 2750 करोड़ में बना और किसने 300 करोड़ की कालीन, 200 करोड़ के झूमर की मंजूरी दी। कक्कड़ ने कहा कि दिल्ली की जनता ने भाजपा को चुना है, इसलिए अब उसे कम से कम सकारात्मक राजनीति शुरू कर देनी चाहिए। उन्होंने दिल्ली वालों से बहुत वादे किए हैं। उनका सबसे बड़ा वादा था कि 8 मार्च तक दिल्ली की सभी महिलाओं को 2500 रुपए मिलने शुरू हो जाएंगे। भाजपा को इस पर काम करना चाहिए।

कुंडली-सिंधु बॉर्डर पर दस लेन में से तीन लेन बंद

आरएफआईडी के बाद भी लग रहा है निगम के टोल प्लाजा पर जाम

दया राम ⏭ नई दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली स्थित मुख्य प्रवेश मार्गों से यातायात जाम को खत्म करने के लिए दिल्ली नगर निगम ने आरएफआईडी (रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन डिवाइस) स्थापित किये थे लेकिन अब इनकी निगरानी करने वाला कोई नहीं है और इसके चलते अधिकतर समय यहां यातायात जाम लग जाता है। ताजा मामला राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 44 स्थित कुंडली-सिंधु बॉर्डर से सामने आया है और यहां पीक ऑवर में टोल प्लाजा पर लंबा जाम देखा गया है। बता दें कि यहां टोल प्लाजा पर वाहनों के प्रवेश के लिए दस लेन की व्यवस्था की गई है लेकिन इसमें से तीन लेन बिल्कुल बंद रहती हैं, जिसके चलते हरियाणा के सोनीपत की तरफ से दिल्ली में प्रवेश करते समय टोल देने वाल वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वाहन चालकों ने बताया कि यहां प्रवेश करते समय मार्ग भी बदहाल है और सभी टोल लेन नहीं खोली गई है। बता दें कि आरएफआईडी डेटाबेस को फास्टैग से जोड़ दिया गया है और 1 सितंबर, 2021 से दिल्ली के सभी 124 टोल नाकों पर आरएफआईडी टैग वाले वाणिज्यिक वाहनों का प्रवेश अनिवार्य कर दिया गया है। वहीं, इस संबंध में दिल्ली नगर निगम प्रशासन से जानकारी मांगी तो प्रशासन की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई।

आरएफआईडी सिस्टम व्यवस्था को अच्छा एवं मजबूत बनाया जाएगा

वहीं, बता दें कि गुरुवार को निगमायुक्त अश्विनी कुमार ने विशेष बैठक में बजट भाषण के दौरान बताया कि दिल्ली में प्रवेश करने वाले निर्धारित वाणिज्यिक वाहनों से 13 नाकों, सीमाओं पर आरएफआईडी सिस्टम के माध्यम से पथकर वसूलने की व्यवस्था कर दी गई हैं। अन्य 111 जगहों पर हैंड हेल्ड डिवाइसेज है। यह भी कोशिश की जायेगी कि पर्यावरण क्षति शुल्क वसूलते समय गाड़ियों की वजह से जाम न लगे और आई.टी. सिस्टम को अच्छा एवं मजबूत बनाया जायेगा।

सभी लेन बदहाल हैं और उड़ती रहती है धूल

नई दिल्ली। निगम के अंतर्गत नाकों से टोल वसूलने वाली कंपनी के एक पूर्व अधिकारी ने बताया कि टोल से प्रवेश करने वाले मार्ग की बेहतर रखने का कार्य भी ठेका कंपनी के अधीन आता है। देखा जाए तो यहां कुंडली -सिंघु टोल प्लाजा पर सभी लेन बदहाल हैं और धूल उड़ती रहती है।

क्या करें आरएफआईडी टैग के लिए

*दिल्ली नगर निगम ने आरएफआईडी टैग लेने एवं रिचार्ज की सुविधा वाणिज्यिक वाहन मालिकों तथा चालकों के लिए 28 मुख्य टोल नाकों पर उपलब्ध करवाई हुई है। यह सुविधा 28 मुख्य टोल नाकों के अतिरिक्त वेबसाइट **https://ecctagsdmc.com** पर उपलब्ध है तथा वाहन मालिक पूर्व-पंजीकरण ऑनलाइन करा सकते हैं।*

दिल्लीवालों से मांगे माफी

शीशमहल घोटाला बना केजरीवाल की हार का कारण : सचदेवा

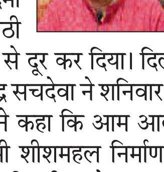

नई दिल्ली। शीशमहल निर्माण घोटाला स्वयं अरविंद केजरीवाल की हार का कारण बना और यह वो मुद्दा है जिसने शराब एवं पैनिक बटन, स्कूल रूम निर्माण जैसे दर्जन भर छोटे बड़े घोटालों से अपनी लोक प्रतिष्ठा खो चुकी आम आदमी पार्टी को झुग्गी वालों से कोठी वालों तक समाज के हर वर्ग से दूर कर दिया। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने शनिवार को यह बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेताओं को आज भी शीशमहल निर्माण के भ्रष्टाचार का बचाव करते देख दिल्ली वाले हतप्रभ हैं। सचदेवा ने कहा है कि शीघ्र हमारी सरकार बनेगी और वह शीशमहल, शराब एवं पैनिक बटन आदि घोटालों की सख्त पुलिस जांच के साथ ही कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता नियुक्त करेगी। यदि 'आप' नेताओं में अंश भर भी नैतिकता शेष है तो वो शीशमहल निर्माण एवं शराब पॉलिसी जैसे घोटालों के लिए दिल्ली वालों से माफी मांगे।

खबर संक्षेप

11 मुकदमों में 26 साइबर अपराध के आरोपी काबू

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त सत्येंद्र कुमार गुप्ता के दिशा निर्देश व पुलिस उपायुक्त साइबर अपराध उषा के मार्गदर्शन में कार्रवाई करते

हुए फरीदाबाद पुलिस की साइबर थाना की टीमों ने 26 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 7 फरवरी से 13 फरवरी तक 11 मुकदमों को सुलझाते हुए 26 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिसमें साइबर थाना एनआईट के 1, साइबर थाना सेंट्रल के 7 और साइबर थाना बल्लभगढ़ के 3 मामले शामिल है।

मेले में विदेशी शिल्पकार का लौटाया पर्स

फरीदाबाद। सूरजकुंड मेले में तैनात पुलिस कर्मियों ने एक सराहनीय कार्य किया है, उज्बेकिस्तान निवासी एक हस्तशिल्पकार का खोया पर्स

पुलिस की टीम उन्हें ढूढ़कर वापस किया है। इसके बाद उनके द्वारा पुलिस के कार्य को सराहा है। पुलिस प्रवक्ता ने मामले में जानकारी देते हुए बताया कि मेला के खोया-पाया केंद्र पर तैनात एएसआई जितेन्द्र आसपास गश्त कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने एक लावारिश पर्स देखा, पुलिस ने वापस किया।

नशा तस्करी पर कार्रवाई एक आरोपी दबोचा

फरीदाबाद। अपराध शाखा डीएलएफ की टीम ने आरोपी शैलेन्द्र कुमार प्रसाद वासी छपरा बिहार को नशा तस्करी के मामले में गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता

ने मामले में जानकारी देते हुए बताया कि 14 फरवरी को अपराध शाखा डीएलएफ की टीम को गस्त के दौरान सूचना प्राप्त हुई कि जिला छपरा बिहार का रहने वाला शैलेंद्र कुमार प्रसाद, अवैध नशा तस्करी का काम करता है और बाईपास रोड पर अवैध नशा बेचने की फिराक में है। अपराध शाखा की टीम ने पावर हाउस नजदीक शराब ठेका बाईपास रोड के पास शैलेंद्र कुमार प्रसाद को 8 किलो 296 ग्राम गांजा सहित काबू किया जिस पर थाना सराय ख्वाजा में मामला दर्ज किया गया।

श्मशान घाट पर बनेगा आधुनिक हरित शवदाह गृह, नगर आयुक्त ने देखा प्रेजेंटेशन

विधायक शर्मा ने कहा- लकड़ियों की खपत होगी कम गाय के गोबर से बनी हुई लकड़ियो का बढ़ेगा इस्तेमाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

हिंडन शमशान घाट पर हरित शवदाह गृह बनाया जाएगा। इसके बनने से जहां लकड़ी की खपत में कमी आएगी, वहीं गाय के गोबर से बनी लकड़ियों का इस्तेमाल बढ़ेगा। नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक ने विधायक संजीव शर्मा के साथ इसकी प्रेजेंटेशन देखी। नगर आयुक्त ने बताया कि हिंडन नदी के किनारे पर स्थित श्मशान घाट के जीर्णोद्धार करने तथा कम धुआं देने वाले आधुनिक दाह संस्कार संयंत्र स्थापित करने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है आधुनिक शवदाह गृह संयंत्र लगाने के लिए फाउंडेशन व अन्य कार्य प्रारंभ कर दिए गए हैं।

विधायक ने हिंडन शमशान घाट पर आगंतुकों के लिए प्रेयर हॉल बनाने का सुझाव भी दिया गया। जिसके लिए नगर आयुक्त ने निर्माण विभाग को निर्देश दिए। कार्य की प्रगति की रिपोर्ट ग्रीन रेवोल्यूशन फाउंडेशन के ने दी। नगर आयुक्त ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के क्रम में गाजियाबाद नगर निगम लगातार कार्य कर रहा है। शमशान घाट पर 40 से अधिक प्लेटफॉर्म बने हुए

हैं। जिनमें एक बार में 400 से 500 क्विंटल लकड़ियों के माध्यम से अंतिम संस्कार की कार्यवाही की जाती है। जिसमें कुछ सुधार करते हुए गाजियाबाद नगर निगम तीन आधुनिक तकनीकी के दाह संस्कार संयंत्र लगाने का कार्य प्रारंभ हो चुका है। जिनके माध्यम से हिंदू धर्म की सभी क्रियाएं भी पूर्ण रूप से हो सकेंगे। दाह संस्कार के समय लकड़ी की कम खपत होगी तथा धुआ भी कम होगा, दो संयंत्र सीएनजी के होंगे तथा एक गाय के गोबर की लकड़ी का होगा जिनको वास्तु को ध्यान में रखते हुए स्थापित किया जा रहा है, गाय के गोबर की बनी लकड़ी के साथ-साथ केवल 100 क्विंटल लकड़ी ही इस्तेमाल की आवश्यकता रहेगी शहर वासियों को लाभ प्राप्त होगा।

मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी ने बताया कि शमशान घाट पर अन्य प्लेटफार्म की भी मरम्मत का कार्य किया जाएगा। साथ ही ग्रीनरी को बढ़ाया जाएगा। अंतिम यात्रा में शामिल होने वाले आगंतुकों की बैठने के लिए उचित व्यवस्था भी की जाएगी। जिसके लिए हाल भी बनाया जाएगा। लगभग साढ़े तीन करोड़ की लागत से कार्य कराया जा रहा है। सभी प्लानिंग पूर्ण कर ली गई है। योजना के क्रम में पांच माह के भीतर कार्य पूर्ण करने के लिए तेजी से कार्यवाही चल रही है, हरित शवदाह गृह हिंडन शमशान घाट पर बनाने के साथ-साथ अन्य शमशान घाटों को भी व्यवस्थित करने के निर्देश निर्माण विभाग को दिए गए। अधिशासी अभियंता निर्माण एसपी मिश्रा, ग्रीन रेवोल्यूशन फाउंडेशन से टीम भी मौके पर उपस्थित रहे।

यूनियन निरंतर आयुक्त, नगर निगम, फरीदाबाद से बातचीत कर रहा, कोई ठोस समाधान नहीं निकला

सफाई कर्मचारी यूनियन ने शहरी निकाय मंत्री गोयल को अपनी मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

नगर निगम के हजारों सफाई कर्मचारियों ने शनिवार को शहरी स्थानीय निकाय विभाग के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल के कार्यालय पर नगर निगम सफाई कर्मचारी यूनियन के प्रधान बलवीर सिंह बालगुहेर के नेतृत्व में प्रदर्शन कर उनके निवास पर जाकर ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर प्रधान बलवीर सिंह बालगुहेर ने मंत्री विपुल गोयल को बताया कि आवश्यक पड़ने पर कर्मचारी महामारी व आपदाओं के समय अपने जीवन को दांव पर लगाकर की जनता की सेवा करने में पीछे नहीं हटता है, जिसका उदाहरण कोरोना महामारी के समय निगम के सफाई कर्मचारियों के द्वारा किये गए कार्य हैं। निगम के स्तर की तो हमारी अनेकों समस्याएं लंबित हैं, जिनके निदान के लिए यूनियन निरंतर आयुक्त, नगर निगम, फरीदाबाद से बातचीत करती रहती है पर कोई ठोस समाधान नहीं निकला।

रिक्त पड़े 595 पद, वर्तमान में कुल 2980 सफाईकर्मी कार्यरत हैं

हरियाणा सरकार के स्तर पर भी इन कर्मचारियों की कुछ बड़ी समस्यायें काफी समय से लंबित पड़ी हुई है। जिनमें क्रमशः सफाई कर्मचारियों के रिक्त पड़े 595 पदों को हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से भरने वाले है। फरीदाबाद नगर निगम क्षेत्र की आबादी काफी बढ़ गई है और निगम क्षेत्र में 24 गांवों को भी सम्मिलित किया गया है। नगर निगम में कच्चे व पक्के कर्मचारियों को मिलाकर कुल 2980 सफाई कर्मचारी कार्यरत हैं। कर्मचारियों के निरंतर सेवानिवृत होने या उनके निधन के कारण इस समय 595 पद रिक्त पड़े हुए हैं। नगर निगम प्रशासन ने इन 595 रिक्त पदों में से 490 सफाई कर्मचारियों के पदों को हरियाणा कौशल रोजगार निगम लिमिटेड के माध्यम से भरने की स्वीकृति प्रदान करने हेतू हरियाणा सरकार को एक प्रस्ताव दिनांक 9 जनवरी 2025 को प्रेषित किया है, जो कि अभी तक सरकार के स्तर पर लंबित है। नगर निगम के इस प्रस्ताव को बिना किसी आगामी देरी के स्वीकृति प्रदान करें जिससे की नगर निगम को 490 सफाई कर्मचारी मिल सके व शहर की सफाई व्यवस्था बेहतर हो सके।

2022 में की गई थी प्रदेशव्यापी हड़ताल

नगर पालिका कर्मचारी संघ, हरियाणा और हरियाणा सरकार के बीच वर्ष 2022 में हुए समझौते के अनुसार फरीदाबाद नगर निगम के रोल पर काम कर रहे 1590 कर्मचारियों में से 468 कर्मचारियों को नियमित करने, वर्ष 2022 में की गई प्रदेशव्यापी हड़ताल के बाद हरियाणा सरकार व संघ के बीच हुई बैठक में लिए गए अन्य निर्णयों के साथ-साथ यह भी निर्णय लिया गया था कि पूरे प्रदेश में रिक्त पड़े 4268 पदों को निगम रोल पर कार्यरत कर्मचारियों में से नियमित आधार पर भरा जाए। फरीदाबाद नगर निगम के 468 सफाई कर्मचारियों को नियमित किया जाना था, जिन्हें अभी तक नियमित नहीं किया गया है। इन कर्मचारियों को नियमित किये जाने में यह तकनीकी समस्या आड़े आ रही है कि नगर निगम की सेलेक्शन कमेटी का चैयरमेन जिला उपायुक्त को बनाया हुआ है, लेकिन समझौते के तहत इसका चैयरमेन नगर निगम के आयुक्त को बनाने का निर्णय हुआ था। जिस बारे में पत्र अभी तक जारी न होने के कारण निगम प्रशासन इन 468 कर्मचारियों को नियमित नहीं कर पा रहा है। सीएम नायब सिंह सैनी जींद में 24-नवम्बर-2024 को आयोजित की गई प्रदेश स्तरीय भगवान बाल्मिकी जयंती समारोह में शहरी क्षेत्र के कच्चे सफाई कर्मचारियों का वेतन 27000 रुपए और ग्रामीण क्षेत्र के सफाई कर्मचारियों का वेतन 26000 रुपए करने की घोषणा की थी।

हाउस टैक्स वसूली को लेकर नगर निगम की कार्रवाई तेज आज लगेगा 12 स्थानों पर कैंप

गाजियाबाद। कर दाताओं की सहूलियत के लिए आज रविवार के दिन 12 कैंप लगेंगे जिसमें मोहन नगर अंतर्गत शहीद नगर जयपाल चौक, जेपी एनक्लेव पर हाउस टैक्स वसूली का कैंप लगेगा, विजयनगर अंतर्गत क्रॉसिंग रिपब्लिक जीएस7 क्लब हाउस, आदर्श कॉलोनी बिहारीपुरा जेपी कंपाउंड, गुलाबी टंकी सेक्टर 11 में कैंप लगेगा सिटी जोन अंतर्गत रेजिडेंसी राज नगर सोसायटी राज नगर एक्सटेंशन, हरबंस नगर में कैंप लगेगा वसुंधरा जोन अंतर्गत शक्ति खंड, पारस नाथ वैभव खंड, आदित्य मेगा सिटी वैभव खंड, अम्रपाली विलेज न्याय खंड में हाउस टैक्स वसूली का कैंप लगेगा, कवि नगर जॉन अंतर्गत अवंतिका श्रीओन सोसाइटी में कैंप लगाया जाएगा। अपर नगर आयुक्त अवनींद्र ने सभी जोनल प्रभारी के साथ-साथ टीम के साथ बैठक की गई तथा चल रहे कार्यों को रफ्तार दी गई अपर नगर आयुक्त द्वारा वसुंधरा की टीम के साथ बैठक करते हुए हाउस टैक्स वसूली बढ़ाने हेतु मोटिवेट किया गया तथा शेष 18 करोड़ की वसूली को रफ्तार देने के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए कहा गया जिसमें आवश्यकता पड़ने पर सीलिंग की कार्यवाही करने के लिए निर्देश दिए गए मौके पर मुख्य कर निर्धारण अधिकारी डॉ संजीव व सुनील राय भी उपस्थित रहे।

भाजपा विधायक की नई पहल

तहसील दिवस में अधिकारियों के साथ खुद बैठकर की जन सुनवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

भाजपा के महानगर अध्यक्ष व नगर विधायक संजीव शर्मा ने शनिवार को जनप्रतिनिधि के रूप में नई पहल की। उन्होंने अधिकारियों के साथ जनता दरबार लगाया और आम जनमानस का दर्द सुना।

सदर विधानसभा में शनिवार को तहसील दिवस में नेहरू नगर स्थित सामुदायिक केंद्र में अधिकारियों के साथ जन समस्याओं के निस्तारण विधायक खुद भी बैठे। इस मौके पर उन्होंने जनता की समस्याओं को सुना और उनका समाधान करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

संजीव शर्मा ने फरियादियों की शिकायत और परेशानी को दूर करने के लिए उपस्थिति एवं संबंधित अधिकारियों से त्वरित कार्रवाई कर ऑन द स्पॉट राहत देने का काम किया। जनप्रतिनिधि के रूप में इस तरह से किए जा रहे कार्य की काफी सराहना मिली।फरियादियों की लंबी भीड़ निश्चित रूप से सदर विधायक संजीव शर्मा की कार्यशाली से प्रभावित होकर भी अपनी समस्याओं के निस्तारण हेतु वहां पहुंची।

मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी ने बताया विधायक संजीव शर्मा ने इस दौरान उपस्थित अधिकारियो से कहा है कि विभाग से संबंधित प्रमुख अधिकारी के न पहुंचने पर अब अगली समाधान बैठक में प्रमुख संबंधित अधिकारी को पहुंचना बेहद जरूरी है। सभी को जन समस्या निस्तारण करने के लिए एक अच्छे मन के साथ ही अपनी उपस्थिति देनी है।

जनप्रतिनिधि के रूप में विधायक संजीव शर्मा के द्वारा इस कार्यशीलता से निश्चित रूप से जनता को उनकी परेशानियों से राहत मिलेगी और एक अच्छी सरकार का संदेश जनता तक पहुंचेगा।

थॉमस कुक इंडिया ने राष्ट्रीय खेलों में पर्यावरणीय स्थिरता को दिया बढ़ावा

विजेता एथलीटों को सम्मानित करते हुए 1600 रुद्राक्ष पेड़ लगाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

राष्ट्रीय खेलों में पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देते हुए थॉमस कुक (इंडिया) लिमिटेड ने नेशनल गेम्स 2025 में अग्रणी ग्रीन गेम्स पहल के लिए उत्तराखंड सरकार के साथ सहयोग किया। इस अभिनव पहल के माध्यम से, महाराना प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज के पास एक विस्तारक 2.77- हेक्टेयर स्पोर्ट्स फ़ॉरेस्ट (खेल वैन) में विजेता एथलीटों के सम्मान में 1,600 रुद्राक्ष पेड़ों को लगाया गया।

एथलीटों के सम्मान में राष्ट्रव्यापी आंदोलन की शुरुआत

राजीव काले, प्रेसिडेंट एवं कंट्री हेड- हॉलिडे, एमआईसीई, वीज़ा - थॉमस कुक (इंडिया) लिमिटेड ने कहा कि थॉमस कुक इंडिया अग्रणी ग्रीन गेम्स पहल के लिए उत्तराखंड सरकार के साथ साझेदारी करके सम्मानित महसूस कर रहा है। राष्ट्रीय खेलों के लिए विशेष एसीटी भागीदार (आवास, खानपान और परिवहन) के रूप में, हमें लॉजिस्टिक्स और संचालन से परे जाकर एक ऐसे उद्देश्य की वकालत करने पर गर्व है जो एक स्थायी प्रभाव छोड़ेगा। उत्तराखंड सरकार, भारतीय ओलंपिक संघ और सभी हितधारकों की दूरदर्शिता और नेतृत्व ने इस पैमाने और गुणवत्ता के खेल आयोजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इससे पहले कभी भी एथलीटों ने स्थिरता में इस तरह नेतृत्व नहीं किया था। विजेताओं और एथलीटों के सम्मान में गुलमोहर के पेड़ के बीज उनके गृह राज्यों में ले जाने के लिए 1600 से अधिक रुद्राक्ष के पौधे लगाए जाने के साथ, हम एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू कर रहे हैं - जो प्रत्येक प्रतिभागी को भारत के हरित भविष्य के लिए एक राजदूत में बदल देता है। उत्तराखंड सरकार के साथ काम करके, हमारा लक्ष्य एक हरित विरासत छोड़ना है जो खेलों से आगे तक फैली हो। लॉन्च इवेंट में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सुबोध यूनियाल, उत्तराखंड के वन मंत्री और पी.टी. उषा, अध्यक्ष - भारतीय ओलंपिक एसोसिएशन सहित सम्मानित गणमान्य शामिल रहे।

करीब 30 हजार बच्चे पहुंचे, धारा 163 लागू

सीबीएसई की 10वीं और 12वीं का पेपर,50 परीक्षा केंद्र बनाए गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

सीबीएसई की 10वीं और 12वीं कक्षाओं की परीक्षाएं शनिवार से शुरू हो गई हैं। फरीदाबाद में 50 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिन पर 30 हजार बच्चे पेपर दे रहे हैं। प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर परीक्षा केंद्रों पर लागू की धारा 163 लागू की है। फरीदाबाद में सीबीएसई की 10वीं और 12वीं कक्षाओं की परीक्षाओं को लेकर 50 परीक्षा केंद्र बनाए गए है। इन केंद्रों पर 30 हजार बच्चे पेपर दे रहे है। परीक्षा केंद्र में इंट्री का समय 9 बजकर 30 मिनट रखा गया है।

10 बजकर 30 मिनट पर पेपर शुरू हो गया, जो कि 1 बजकर 30 मिनट पर खत्म होगा। सीबीएसई की 10वीं कक्षा का आज अंग्रेजी का पेपर है, जबकि 12वीं कक्षा का इंट्राप्रेन्योरशिप विषय का पेपर है। परीक्षा को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर परीक्षा केंद्रों पर लागू की धारा 163 लागू की

है। परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में तलवारों, गंडासी, लाठी, बरछा, कुल्हाडी, जेली, चाकू जैसे हथियारों को ले जाने पर पूरी तरह से रोक रहेगी।

अंतरराष्ट्रीय बाल कैंसर दिवस के मौके पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया

पिडियाट्रिक कैंसर के शीघ्र निदान व समय पर उपचार के बारे में बढ़ाई जागरूकता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

अंतरराष्ट्रीय बाल कैंसर दिवस (आईसीसीडी) के मौके पर, फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम ने इंडियन एकेडमी ऑफ पिडियाट्रिक्स तथा इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (हरियाणा) के साथ मिलकर, पिडियाट्रिक कैंसर (बच्चों को प्रभावित करने वाले कैंसर) के शीघ्र निदान और समय पर उपचार के बारे में जागरूकता बढ़ाने के मकसद से कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान, 'बाल कैंसर के 10 शुरुआती लक्षणों' के बारे में एक पोस्टर जारी किया गया।

बाल कैंसर का पता लगाना जरूरी, ताकि मृत्यु दर को कम किया जा सके

जिसकी मदद से आरंभिक लक्षणों की पहचान करने और उपचार के परिणामों में सुधार संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है। इस पोस्टर को डॉ विकास दुआ, प्रिंसीपल डायरेक्टर एवं हेड ऑफ पिडियाट्रिक्स हेमेटोलॉजी, हेमेटो ओंकोलॉजी एंड बोन मैरो ट्रांसप्लांट, फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम, डॉ अजय अरोड़ा, प्रेसीडेंट, आईएमए, गुरुग्राम, डॉ महावीर जैन, प्रेसीडेंट, आईएमए, हरियाणा, डॉ राहुल भार्गव, प्रिंसीपल डायरेक्टर एंड चीफ, बीएमटी, फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम, डॉ अरुण दनेवा, सीनियर कंसल्टेंट, पिडियाट्रिक हेमेटो-ओंकोलॉजी एंड बीएमटी, फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम, डॉ सोहिनी चक्रबर्ती, सीनियर कंसल्टेंट, पिडियाट्रिक हेमेटो-ओंकोलॉजी एंड बीएमटी, फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम, डॉ स्वाति भयाना, कंसल्टेंट, पिडियाट्रिक ओंकोलॉजी, फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम, डॉ सुनीशा अरोड़ा, कंसल्टेंट, पिडियाट्रिक ओंकोलॉजी, फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम, यश रावत, फेसिलिटी डायरेक्टर, फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम, डॉ नीलम मोहन, नेशनल प्रेसीडेंट-इलेक्ट, आईएपी, डॉ राज मेहता, सचिव, आईएपी, हरियाणा, डॉ अनिल मलिक, प्रेसीडेंट, आईएपी, पलवल तथा डॉ सुमित, सचिव, आईएपी, गुरुग्राम की उपस्थिति में जारी किया गया। डॉ विकास दुआ, प्रिंसीपल डायरेक्टर एवं हेड ऑफ पिडियाट्रिक्स हेमेटोलॉजी, हेमेटो ओंकोलॉजी एंड बोन मैरो ट्रांसप्लांट, फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम, ने कहा, पिडियाट्रिक कैंसर प्रमुख ग्लोबल हेल्थ चैलेंज बन चुका है, और भारत में ही हर साल करीब 50,000 बाल कैंसर के मामले सामने आते हैं। शुरुआती चरण में रोग का पता लगने, सही निदान होने और उपयुक्त उपचार से कैंसरग्रस्त बच्चों के जीवित रहने की संभावना को बेहतर बनाया जा सकता है। डॉ नीलम मोहन, नेशनल प्रेसीडेंट-इलेक्ट, आईएपी, ने कहा, कैंसर एक साल से अधिक उम्र के बच्चों की असमय मृत्यु का दूसरा प्रमुख कारण है। बच्चों में कैंसर के लक्षण कई बार अस्पष्ट होते हैं और अन्य कई बाल्यावस्था के रोगों से मेल खाते हैं। पिडियाट्रिक ओंकोलॉजी में प्रगति के बावजूद, कैंसर आज भी बच्चों की मृत्यु का प्रमुख कारण है। इसलिए जल्द से जल्द बाल कैंसर का पता लगाना महत्वपूर्ण होता है ताकि मृत्यु दर को कम रखा जा सके।

दुकानों को जलाने का मामला

महिला समेत 4 दुकानदारों को नुकसान फास्ट फूड संचालक पर शक गहराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

ग्रेटर फरीदाबाद के वर्ल्ड स्ट्रीट में बीती रात आगजनी की घटना सामने आई। यहां अज्ञात व्यक्ति ने चार दुकानों में आग लगा दी, जिससे दुकानदारों को लाखों रुपए का नुकसान हुआ। पीड़ितों में एक महिला दुकानदार रिचा भी शामिल हैं, जिन्होंने महज 10 दिन पहले ही क्लाउड किचन शुरू किया था।

मामले की सूचना पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और सीसीटीवी खंगाले जा रहे है। जानकारी के अनुसार दुकानदार रिचा ने बताया कि उनके पति के पैरालाइसिस के कारण परिवार की जिम्मेदारी उन पर है। वह सुबह 5 बजे से दुकान खोलकर शुद्ध देसी घी में खाना बनाकर बेचती थी। इसी से वह घर का खर्च, होम लोन और बच्चे की स्कूल फीस चुकाती थी। घटना रात करीब 1.30 बजे की है। एक स्थानीय युवक ने ड्यूटी से लौटते समय आग देखी और दुकानदारों को सूचित किया। जब तक दुकानदार मौके पर पहुंचे, सारा सामान जल चुका था। फास्ट फूड संचालक ने दी थी धमकी पीड़ित दुकानदारों ने आरोप लगाया है कि पास में एक फास्ट फूड की दुकान चलाने वाले युवक ने उन्हें पहले धमकी दी थी और पुलिस भेजकर दुकान हटाने का दबाव बनाया था।

खबर संक्षेप

प्राण प्रतिष्ठा में दर्शन का टूटा रिकॉर्ड,5 लाखं पहुंचे

अयोध्या। अयोध्या में एक बार फिर आस्थावानों ने रामलला के दर्शन का रिकॉर्ड बना दिया। शुक्रवार को मंदिर सुबह पांच बजे से रात 12 तक खुला और 5.50 लाख श्रद्धालुओं ने रामलला के दर्शन कर कीर्तिमान रच दिया। शनिवार को भी रामलला के दरबार में सुबह से लेकर रात तक श्रद्धालु की कतार नहीं टूट रही है।

अफसर गणेश प्रसाद सिंह को किया बर्खास्त

लखनऊ। योगी सरकार में भ्रष्टाचार में लिप्त अफसरों पर नजीर पेश करने वाली कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सीएम योगी ने भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे पीसीएस अधिकारी गणेश प्रसाद सिंह समेत अन्य दो पीसीएस अधिकारियों पर कार्रवाई कर दी है। सीएम योगी सरकार ने पीसीएस अधिकारी गणेश प्रसाद सिंह को बर्खास्त कर दिया गया है।बर्खास्त किए गए श्री सिंह 2011 बैच के पीसीएस अधिकारी है।

उस्मान पाकिस्तान में गिरफ्तार, 2013 से था लापता

संभल। संभल के दीपा सराय निवासी मोहम्मद उस्मान को पाकिस्तान में गिरफ्तार किया गया है। यह गिरफ्तारी पिछले वर्ष 2024 में की गई थी लेकिन पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी भारत को अब भेजी है। मंत्रालय ने संभल पुलिस को इसका सत्यापन करने को कहा है। सत्यापन में यह भी स्पष्ट हो गया है। मोहम्मद उस्मान वर्ष 2013 से लापता था।

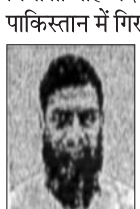

पूर्वांचल के पांच जिलों में राज्य विश्वविद्यालय खुलने की संभावना

यूपी सरकार पूर्वांचल के पांच जिलों चंदौली भदोही सोनभद्र गाजीपुर और मऊ में नए राज्य विश्वविद्यालय खोलने की योजना बना रही है। वर्तमान में वाराणसी जौनपुर बलिया आजमगढ़ और मीरजापुर में पहले से ही राज्य विश्वविद्यालय हैं। नए विश्वविद्यालयों की स्थापना से छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए अन्य जिलों में जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

एजेंसी ▶▶ वाराणसी

शासन सूबे के सभी जनपदों में विश्वविद्यालय खोलने की तैयारी है। नए राज्य विश्वविद्यालय स्थापित करने के लिए आगामी बजट की भी घोषणा की जा सकती है। इस क्रम में उच्च शिक्षा विभाग ने क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारियों के माध्यम से सभी जनपदों के बड़े महाविद्यालयों की सूची तलब की है।

क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी परिक्षेत्र के दस जिलों में बड़े कालेजों का नाम भेज दिया है। इसमें बनारस में यूपी कालेज का भी नाम शामिल है। वहीं वाराणसी सहित पूर्वांचल के पांच जिलों में पहले से ही राज्य विश्वविद्यालय मौजूद हैं। ऐसे में नए सत्र से चंदौली, भदोही, सोनभद्र, गाजीपुर व मऊ में भी राज्य विश्वविद्यालय खुलने की संभावना जताई जा रही है।

खास बातें

- आगामी बजट में हो सकती है घोषणा
- नए सत्र से शुरू होने की जगी आस
- उच्च शिक्षा विभाग ने क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारियों से तलब की कालेजों की सूची

विश्वविद्यालय का कैंपस बनने तक बड़े कॉलेजों में अस्थायी रूप से कार्यालय

नए विश्वविद्यालय का कार्य कॉलेजों से शुरू किया जा सकता है। वर्तमान में मीरजापुर में मां विंध्याचल राज्य विश्वविद्यालय का संचालन राजकीय महाविद्यालय (उमरिया, मोहनपुर पहाड़ी) किया जा रहा है। इसी तर्ज पर विश्वविद्यालय का कैंपस बनने तक किसी बड़े कालेज में अस्थायी रूप से कार्यालय बनाया जा सकता है।

सपा विधायक नासिर कुरैशी निधि खर्च करने में सबसे तेज

विधायक निधि खर्च करने में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह सबसे पीछे

विधायकों को शासन की ओर से 5 करोड़ प्रदान किए गए

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह ने अपनी विधायक निधि का केवल 15% खर्च किया, जबकि एमएलसी सत्यपाल सिंह सैनी 3.78 करोड़ रुपए खर्च कर सबसे आगे हैं। सपा विधायक नासिर कुरैशी ने 50 प्रतिशत से अधिक निधि उपयोग की है, वहीं कई विधायक अब तक 40 प्रतिशत निधि भी नहीं खर्च कर सके हैं।

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

विधायक निधि खर्च करने के मामले में जिले के जनप्रतिनिधियों में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह सबसे पीछे हैं। उन्होंने अपनी निधि का 15 प्रतिशत भी नहीं खर्च किया है। वहीं भाजपा के एमएलसी सत्यपाल सिंह सैनी निधि खर्च करने में सबसे आगे हैं। विधानसभा सदस्यों की बात की जाए तो देहात विधानसभा सीट से सपा विधायक नासिर कुरैशी निधि खर्च करने में सबसे तेज चल रहे हैं।

वह अपने निधि की 50 प्रतिशत से अधिक धनराशि खर्च कर चुके हैं। प्रदेश विधानसभा का आधा कार्यकाल पूरा होने के बाद भी अधिकतर विधायक निधि का 40 प्रतिशत हिस्सा भी नहीं खर्च कर सके हैं। प्रत्येक विधायक को शासन से पांच करोड़ रुपए विधायक निधि प्रदान की गई है।

आधा कार्यकाल पूरा अधिकतर विधायक 40% हिस्सा भी नहीं खर्च कर सके

विधायक रितेश गुप्ता ने भी खर्च की 50% से अधिक निधि

शहर विधायक रितेश गुप्ता अपनी विधायक निधि के पांच करोड़ रुपए से अब तक 2.58 करोड़ रुपए खर्च कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि विधायक निधि से प्याऊ, सड़क और विद्युत खंभों का कार्य कराया गया है। अभी कई कार्य बाकी हैं। देहात विधानसभा सीट से विधायक नासिर कुरैशी ने अपने क्षेत्र में सड़कों और अन्य कार्यों के लिए 2.67 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। ठाकुरद्वारा विधायक नवाब जान 2.23 करोड़ रुपए के कार्य करा चुके हैं। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में हाईमास्ट लाइट के साथ 29 गांवों की सड़कों का निर्माण कराया है। पेयजल की पाइपलाइन बिछने के बाद सड़कों का निर्माण कार्य कराना बाकी है। कांठ विधायक कमाल अख्तर भी अपनी विधायक निधि से 2.36 करोड़ खर्च कर चुके हैं।

2.20 करोड़ के विकास कार्य कराए विधायक फहीम इरफान

बिलारी विधायक मो. फहीम इरफान ने विधायक निधि से अब तक 2.20 करोड़ रुपए के विकास कार्य कराए हैं। वहीं हाल ही में उपचुनाव में जीते कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह को अभी शासन से विधायक निधि नहीं मिली है।

एमएलसी के प्रस्तावों पर हो रहा काम

परियोजना निदेशक निर्मल द्विवेदी ने बताया कि विधायक या विधान परिषद सदस्य के प्रस्तावों के आधार पर कार्य कराए जा रहे हैं। जिला प्रशासन के अनुसार एमएलसी व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह को निधि के रूप में शासन से पांच करोड़ रुपए की धनराशि मिली थी। उन्होंने सिर्फ 71 लाख के ही विकास कार्य कराए हैं। उनकी निधि की 80% से अधिक धनराशि बाकी है। भाजपा के एमएलसी डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त ने 1.70 करोड़ क्षेत्र में लाइट और स्कूलों के फर्नीचर सहित अन्य कार्यों के लिए खर्च किए हैं। एमएलसी रामगोपाल अंजान ने अपनी निधि से 1.95 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। मुरादाबाद के अलावा, पीलीभीत, रायबरेली व अपने पैतृक जनपद हरदोई के लिए निधि का उपयोग किया है। एमएलसी पूरे प्रदेश में कहीं भी विकास कार्य के लिए अपनी निधि का प्रयोग कर सकते हैं। मुरादाबाद में सड़कों का निर्माण कराना बाकी है। जिले में सबसे अधिक निधि एमएलसी सत्यपाल सिंह सैनी ने खर्च की है। उन्होंने अब तक 3.78 करोड़ रुपए लाइट सहित अन्य कार्यों पर खर्च किए हैं।

कुल्हाड़ी से सिर काटा, धड़ को रेत में गाड़ दिया

झारखंड में लड़के से बात करने पर भाई ने बहन का गला घोंटा

एजेंसी ▶▶ कोडरमा

झारखंड में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। गांव के किसी लड़के से बात करने पर भाई ने बहन को गला घोंटकर मार डाला।

उसके बाद कुल्हाड़ी से काटकर सिर को धड़ से अलग कर दिया। सिर को नदी किनारे फेंक दिया और धड़ को वहीं रेत में गाड़ दिया।

73 साल के एक आदमी और उसके दो बेटों को गिरफ्तार

झारखंड के कोडरमा जिले में बेटी की हत्या करने के आरोप में 73 साल के एक आदमी और उसके दो बेटों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि उनकी बेटी उसी गांव के एक लड़के से बात करती थी। परिवार इस बात के खिलाफ था।

शव को दो स्थानों पर छिपाया

उन्होंने बताया कि परिवार पर 18 साल की लड़की का गला घोंटकर हत्या करने का आरोप है। हत्या के बाद पहले शव को घर के सेप्टिक चैंबर में फेंकने और फिर सिर काटकर शव को नदी किनारे दफनाना दिया गया। अधिकारी ने बताया कि ऐसा आरोप है कि युवती के 20 साल के भाई ने उसकी हत्या की थी, जबकि अन्य लोगों ने शव को उन दो स्थानों पर छिपाया था।

पांच फरवरी को दर्ज किया था गुमशुदगी का मामला

पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने बताया कि पीड़िता के परिजनों ने पांच फरवरी को थाने में उसकी गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया था।पीड़िता को 12वीं कक्षा की बोर्ड की परीक्षा देनी थी। पुलिस को मामले की जांच के दौरान मरकच्चो क्षेत्र के पंचखेरो नदी के किनारे रेत के नीचे दबा हुआ एक युवती का शव 12 फरवरी को बरामद हुआ, जिसका नहीं था। जब परिवार के सदस्यों को बुलाया गया तो उन्होंने कहा कि वे शव को नहीं पहचानते।

मेला स्पेशल ट्रेन में घुसने के लिए लोगों ने की धक्कामुक्की

महाकुंभ जाने के लिए पटना जंक्शन पर जन सैलाब

एजेंसी ▶▶ पटना

महाकुंभ खत्म होने अब महज 11 दिन रह गए हैं। ऐसे में संगम में आस्था की डुबकी लगाने के लिए श्रद्धालु कोई मौका छोड़ना नहीं चाहते। यही वजह है कि शनिवार को पटना जंक्शन पर महाकुंभ जाने वाले श्रद्धालुओं का जन सैलाब उमड़ पड़ा। पटना रेलवे स्टेशन पर पैर रखने की जगह नहीं थी। कुंभ मेला जाने वालों का रेला लगा हुआ था। ट्रेन के पहुंचने से पहले ही हजारों की तादाद में यात्री प्लेटफॉर्म पर खड़े हो गए। जिसे जहां से ट्रेन में घुसने की जगह मिली, वहां से एंट्री ले ली। कई लोग इमरजेंसी खिड़की से भी घुसने की कोशिश करते नजर आए। ये हाल तब है, जब कई जोड़ी मेला स्पेशल ट्रेने चलाई गई हैं।

कुंभ स्पेशल ट्रेनों के खुलने के बावजूद सैकड़ों यात्री प्लेटफॉर्म पर ही खड़े रह गए, और

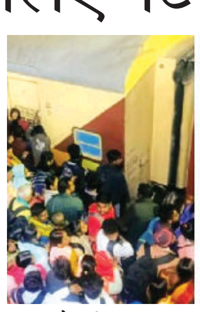

यात्रा से वंचित रह गए। हाल ही में रेल प्रशासन द्वारा लगातार कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन का परिचालन कराया जा रहा है। जिसमें बरौनी होकर जोगबनी-टुंडला कुंभ स्पेशल 15 फरवरी को खुलेगी। वापसी में टुंडला-जोगबनी 17 फरवरी को चलेगी। रंगपारा नॉर्थ-टुंडला कुंभ स्पेशल 15 फरवरी को चलेगी। यह स्पेशल ट्रेन खगड़िया, बरौनी, शाहपुर पटोरी, हाजीपुर, पाटलिपुत्र, दानापुर, आरा, बक्सर, डीडीयू, प्रयागराज के रास्ते चलेगी। इससे पहले रेलवे की ओर से महाकुम्भ के श्रद्धालुओं के लिए 8 जोड़ी और कुंभ मेला स्पेशल ट्रेनों का परिचालन शुरू हुआ था। जिसमें 04494 व 04493 आनंद विहार-पटना-आनंद विहार, 01201 व 01202 नागपुर-दानापुर-नागपुर 08067 व 08068 रांची-टुण्डला-रांची, 05614 व 05613 गुवाहाटी-टुण्डला-गुवाहाटी, 05715 व 05716 टुण्डला-कटिहार-टुण्डला, 08475 व 08476 पुरी-टुण्डला-पुरी और 08467 व 08468 भुवनेश्वर-टुण्डला-भुवनेश्वर कुंभ मेला स्पेशल का परिचालन जारी है।

बता दें अब तक महाकुंभ में 50 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। मौनी अमावस्या और माघ पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी थी। अब महाशिवरात्रि पर भी श्रद्धालुओं का जलसैलाब उमड़ने की संभावना है।

संसद, विधानसभा में व्यवधान को विशेषाधिकार उल्लंघन माना जाए : हरिवंश

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

बात 2012 की है। तब केंद्र की यूपीए सरकार और खिलाफ टू जी, कोल स्कैम के साथ भ्रष्टाचार के कई आरोप लगे थे। भाजपा सक्रिय विपक्ष की भूमिका में थी। हंगामे से सदन की कार्यवाही ठप थी। तब राज्यसभा में विपक्ष के नेता हंगामा, विरोध और विधायी कार्य ठप करने को सही ठहराते कहा था कि सदन चलाने के डेढ़ दो करोड़ खर्च से ज्यादा जरूरी है सत्ता की जिम्मेदारी फिक्स करना। तब कहा गया था सदन में विपक्ष का विरोध लोकतांत्रिक अधिकार है। लेकिन एक दशक के बाद अब सदन चलाने वाले अध्यक्ष, सभापति, उपसभापति सदन में विपक्षी व्यवधान को 'विशेषाधिकार उल्लंघन' मान रहे हैं। इस पर विभिन्न सदनों में एकराय बनाने की वकालत कर रहे हैं। हरियाणा विधान सभा के सदस्यों के लिए दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम के समापन सत्र को संबोधित करते हुए राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश ने कहा कि सदन में व्यवधान को सदस्यों के विशेषाधिकार का उल्लंघन माना जाना चाहिए।

लापरवाही बरतने पर जवाब-तलब

44 डीआईओएस समेत 100 से ज्यादा अधिकारियों को नोटिस

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

राजकीय व सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में पठन-पाठन व सुविधाएं सुधारने के लिए नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। पर, कई मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक, उप निदेशक व डीआईओएस इसमें रुचि नहीं ले रहे हैं। इस पर विभाग ने लखनऊ, रायबरेली, अमेठी, अयोध्या, बाराबंकी, सुल्तानपुर समेत 44 जिलों के डीआईओएस सहित 100 से ज्यादा अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया है।

अधिकारियों को निरीक्षण कर परख एप पर निरीक्षण आख्या भी अपलोड करने के निर्देश हैं। मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक, मंडलीय उप शिक्षा निदेशक, डीआईओएस द्वितीय, जिला समन्वयकों को दस-दस व डीआईओएस को 20 विद्यालयों का मासिक निरीक्षण करना है। जनवरी में अधिकतर संबंधित अधिकारियों ने विद्यालयों का निरीक्षण नहीं किया है।

निरीक्षण ने करने का मामला

माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव ने ऐसे मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक, उप शिक्षा निदेशक, 6 जिलों के डीआईओएस द्वितीय व 51 जिलों के जिला समन्वयक को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। कहा कि निरीक्षण न करने का औचित्य व कारण उपलब्ध कराएं। लक्ष्य के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण निरिक्षण कराना सुनिश्चित करें।

पद दिलाने के नाम पर 50 लाख लेने का आरोप

फतेहपुर भाजपा जिलाध्यक्ष को कारण बताओ नोटिस

एजेंसी ▶▶ फतेहपुर

यूपी के फतेहपुर में भाजपा के जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल के खिलाफ पार्टी ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उन पर 50 लाख रुपए लेन-देन का आरोप है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने इस मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी का भी गठन किया है। भाजपा के प्रदेश महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ला ने बताया कि मुखलाल पाल के विरुद्ध आचरण कार्य करने की शिकायत मिली थी जो पार्टी के विचारों के विपरित है।

मुखलाल पाल द्वारा किया गया काम अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है। इसे संज्ञान में लेते हुए प्रदेश अध्यक्ष के निर्देश पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। मुखलाल पाल को 7 दिन के भीतर भाजपा प्रदेश कार्यालय में आकर अपना स्पष्टीकरण देना होगा। अगर तय समय में स्पष्टीकरण या संतोजनक उत्तर न मिला तो पार्टी

अनुशासनात्मक कार्रवाही करेगी।रदेश महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ला ने बताया कि इसके लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। जिसमें प्रदेश महामंत्री अनूप गुप्ता, प्रदेश महामंत्री राम प्रताप सिंह चौहान और प्रदेश मंत्री शंकर लाल लोधी शामिल हैं। दरअसल मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भाजपा के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष अजित कुमार गुप्ता ने मुखलाल पाल पर आरोप लगाया था कि उन्होंने पार्टी में पद दिलाने के नाम पर पार्टी फंड में 50 लाख जमा कराने की मांग की थी। उन्हें 50 लाख कैश दिया गया था। लेकिन उन्होंने जमा नहीं किया और पैसा अपने पास ही रख लिया।

पेज एक का शेष

मोबाइल बंद करके ...

मोबाइल भी बंद है। समय रैना के बयान भी दर्ज होने हैं। पुलिस ने उन्हें पेशी के लिए 10 मार्च तक का वक्त दिया है। रैना ने जानकारी दी कि उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल से सारे वीडियो हटा लिए हैं। रैना फिलहाल अमेरिका में है। मुंबई पुलिस इस मामले में अब तक अपूर्वा मखीजा, चंचलानी और इलाहाबादिया के मैनेजर सहित 8 लोगों के बयान दर्ज कर चुकी है। महाराष्ट्र साइबर सेल ने इस संबंध में दर्ज मामले में बयान दर्ज करने के लिए कम से कम 50 लोगों को तलब किया है।

मैं भाग नहीं रहा...

ये मेरी नैतिक जिम्मेदारी है कि मैं बेहतर बनूं और मुझे सही में खेद है। रणवीर ने आगे लिखा कि मैं लोगों से जान से मारने की धमकियां आते देख रहा हूं, जहां वो कह रहे हैं कि वो मुझे मारना चाहते हैं और मेरे परिवार को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। लोग मरीज बनने का नाटक करके मेरी मां की क्लीनिक में घुस आए थे। मैं डरा हुआ हूं और मुझे नहीं पता कि क्या करना चाहिए।

न्यू इंडिया को-...

अकाउंट का विवरण लिया है, जिसका फोरेंसिक ऑडिट कराया जाएगा। जांच के दौरान यह पता चलेगा कि इस घोटाले को अंजाम देने के लिए किन तरीकों का इस्तेमाल किया गया और इसमें कितने लोग शामिल थे। आरबीआई ने 13 फरवरी 2025 से प्रभावी होने वाले इन प्रतिबंधों के तहत बैंक के कामकाज पर रोक लगा दी है। बैंक न तो किसी नए लोन का वितरण कर सकेगा, और न ही मौजूदा लोन का नवीनीकरण कर सकेगा। साथ ही, बैंक को नई जमा राशि स्वीकार करने, निवेश करने, और अपनी देनदारियों का भुगतान करने की अनुमति भी नहीं होगी। बैंक की संपत्तियों को बेचने पर भी रोक लगा दी गई है। ये प्रतिबंध अगले छह महीने तक लागू रहेंगे, और इसके बाद स्थिति का पुनः मूल्यांकन किया जाएगा।

अपनी समुद्री यात्रा...

दोनों महिला अधिकारी नाविका सागर परिक्रमा-2 अभियान के तहत तारिणी पोत पर सवार होकर समुद्र के जरिए पूरी दुनिया का चक्कर लगाने निकली हैं। अभी ये अपनी यात्रा के तीसरे पड़ाव पर हैं, जिसमें इन्होंने केप हॉर्न को पार किया है।

ब्रिटिश खोजकर्ता ने ढूंढा था यह मार्ग: नौसेना ने बताया, केप हॉर्न तक पहुंचने के लिए नाविकों को ड्रेक मार्ग से होकर गुजरना पड़ता है। जो अपनी अविश्वसनीय जलधाराओं, प्रचंड वेग के साथ चलती मारक हवाओं, गगनचुंबी लहरों और अप्रत्याशित मौसम के लिए जाना जाता है। इसकी खोज ब्रिटिश समुद्री मार्ग खोजकर्ता सर फ्रांसिस ड्रेक ने की थी। उनके नाम पर ही इस मार्ग का नाम ड्रेक पैसेज पड़ा था। ड्रेक ने ही दुनिया तक इस बात की जानकारी पहुंचाई थी कि दक्षिण अमेरिका के दक्षिण से भी एक खुला हुआ समुद्री मार्ग होकर गुजरता है। बीते वक्त में कई अनुभवी समुद्री नाविकों ने इस क्षेत्र की परिस्थितियों को जांचा है।

दोनों महिलाओं को ...

की आवश्यकता होती है। बल्कि दक्षिणी महासागर की चुनौतीपूर्ण हालात से निपटने की क्षमता भी होनी चाहिए।

नीतीश की जीविका में दीदी ने लगाई सेंध

लाखों की फर्जी लूट की साजिश रची, कैश के साथ गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ अररिया

बिहार के सीएम नीतीश कुमार को जीविका की दीदियों पर पूरा भरोसा है। लेकिन यह खबर एक जीविका दीदी के उस चेहरे की है जिसमें वह समाज के लाखों के फर्जी लूट की साजिश रचती हुई दिख रही है। मामला अररिया के फारबिस थाना इलाके का है। अररिया के फारबिसगंज थाना पुलिस ने शहर के अस्पताल रोड़ स्थित फुलबड़िया हाट के समीप बीते 11 फरवरी की अपराह्न चार बजे जीविका दीदी के साथ 2.15 लाख रुपए की हुई की लूट की घटना का उदभेदन कर लिया है।

एसपी अंजनी कुमार के निर्देश पर एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा के नेतृत्व में गठित एसआईटी टीम ने छीनी गई 2.15 लाख में से 1.69 लाख रुपए नगद सहित घटना को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में खुद वह जीविका दीदी और उसका भांजा शामिल हैं जिसने कांड की शिकायत दर्ज कराया था। घटना में प्रयुक्त दो बाइक, तीन मोबाइल सहित अन्य सामानों को भी बरामद कर

लिया गया है। इस संबंध में शनिवार को फारबिसगंज थाना कक्ष में एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा ने बताया कि इस घटना में जीविका दीदी सह वादनी कंचन कुमारी एवं घटना को अंजाम देने वाले बाइक सवार अपराधी विजय कुमार मेहता की मिलीभगत है। दोनों के बीच आपस में मामी-भांजा का रिश्ता है। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी विजय कुमार मेहता (32 वर्ष) जोगबनी थाना क्षेत्र के बैजनाथपुर गांव के वार्ड संख्या 7 निवासी रमेश मेहता का पुत्र है। जबकि गिरफ्तार महिला व जीविका दीदी सह वादिनी का नाम कंचन भारती (27 वर्ष) है।

दो लाख 15 हजार में से 1 लाख 69 हजार बरामद

डीएसपी ने बताया कि पुलिस को यह सफलता पड़ोसी जिले सुपौल के छातापुर, प्रतापगंज, करजाईन बाजार आदि स्थानों लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हासिल हुई। दो लाख 15 हजार में से 1 लाख 69 हजार बरामद किए गए हैं जबकि शेष राशि इनके द्वारा खर्च कर ली गई है। डीएसपी ने कहा कि पुलिस ने वादिनी का पर्स, मोबाइल एवं घटना में प्रयुक्त एक्सट्रीम बाइक जिसका नंबर बीआर 38 वाई/ 6697, हेलमेट,अपराधी का मोबाइल, घटना के वक्त पहने आरोपी के पैंट, शर्ट, जूता सहित एक अन्य बाइक जो घटना के वक्त रैकी कर रहा था, को जब्त कर लिया हैं।

बदलते दौर के साथ बदलती लाइफस्टाइल, शामिल होती टेक्नीक और नई सोच के आधार पर अलग-अलग जेनरेशन का नामकरण किया जाता रहा है। इसी सीरीज में विगत 1 जनवरी से जेनरेशन अल्फा को पछाड़कर, जेन बीटा वजूद में आया है। यह जेनरेशन अपनी पुरानी पीढ़ियों से कैसे अलग है, इसकी क्या खासियतें होंगी, जानना बहुत दिलचस्प है।

जेन अल्फा भी हुई पुरानी
आ गई जेनरेशन बीटा

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

जेनरेशन बीटा यानी जेन बीटा का आगमन हो चुका है। विगत 31 दिसंबर 2024 को न्यू जेनरेशन की कुर्सी से जेन अल्फा को उतार दिया गया और 1 जनवरी 2025 को इस पर जेन बीटा को बैठा दिया गया। जो लोग कुछ कंफ्यूज हो रहे हों, उन्हें बता दें कि जेन बीटा एक अनुमानित पीढ़ी (हाइपोथीसियल टेक्नोजेनरेशन) है, जो 1 जनवरी 2025 से शुरू हो चुकी है और उसके पहले तक जो जेन अल्फा थी, वह भी एक अनुमानित पीढ़ी ही थी, जिसका वक्त 31 दिसंबर 2024 से खत्म हो गया।

डिफरेंट जेनरेशन का कॉन्सेप्ट

यह एक निश्चित समय अवधि के तकनीकी विकास, जीवनशैली, काम-काज, सोच और भविष्य दृष्टि को इस समय अवधि में पैदा होने वाली पीढ़ी के जरिए देखने का तरीका है। दूसरे शब्दों में यह समाजशास्त्रीय चश्मे से एक निश्चित समय अवधि और उस अवधि में पैदा हुए लोगों के जरिए दुनिया को देखने की नजर है। यह सिलसिला यूं तो पिछली सदी के 50 के दशक से ही शुरू हो गया था, जब उस दौर की नई पीढ़ी को हिप्पी या यिप्पीज के रूप में चिन्हित किया जाने लगा था। लेकिन सही मायने में 80 के दशक से यह सिलसिला शुरू हुआ, जब अलग-अलग समय अवधि को उस दौरान दुनिया में आई नई पीढ़ी के जरिए देखने की शुरुआत हुई। इसलिए इन पीढ़ियों के कृत्रिम विभाजन को इस तरह जानने और पढ़ने की कोशिश करनी चाहिए कि अलग-अलग दशकों की, अलग-अलग पीढ़ियों की आखिरकार खूबियां क्या हैं? कुल मिलाकर जब इस नजरिए से हम जेन बीटा की बात करते हैं तो फिलहाल इसका मतलब यह अनुमान लगाने से है कि जेनरेशन बीटा यानी 2025 से पैदा होने वाली नई पीढ़ी अपनी पुरानी पीढ़ियों से कैसे भिन्न होगी?

ऐसी होगी जेन बीटा

चूंकि जेनरेशन बीटा, पूरी तरह से सुपर टेक्नोलॉजी युग में पैदा हो रही है, इसलिए यह टेक्नोलॉजी में इनोवेटेड लाइफस्टाइल वाली जेनरेशन होगी। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, रोबोटिक, ऑगमेंटेड रिएलिटी/वर्चुअल रिएलिटी और लाखों तरह की स्मार्ट डिवाइसेस, इस पीढ़ी की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा होंगी। यह पहली ऐसी जेनरेशन होगी, जिसके सोचने, समझने, बर्ताव करने और समग्रता से जीवन जीने की सभी प्रक्रियाओं में टेक्नोलॉजी की भरमार होगी।

हाइपर कनेक्टेड जेनरेशन

जेन बीटा वह पीढ़ी होगी, जो लगभग पूरी दुनिया से एक साथ फिजिकल भी और वर्चुअल भी, एक ही समय पर कनेक्ट होगी। लेकिन संकट यह होगा, चूंकि इसने दोनों ही दुनियाओं को एक साथ एक ही समय में देखा है, इसलिए यह दोनों में बहुत फर्क नहीं कर पाएगी। यह पीढ़ी दोनों के साथ ही सहज होगी। साथ ही इस जेनरेशन की पहचान, किसी एक संस्कृति की न होकर मल्टी कल्चरल पीढ़ी की होगी। इंटरनेट और ग्लोबलाइजेशन के कारण न सिर्फ यह पीढ़ी, पुरानी किसी भी पीढ़ी के मुकाबले कहीं ज्यादा कल्चरल डायवर्सिटी और ग्लोबल थॉट के साथ बड़ी और खड़ी होगी बल्कि इसके लिए अपनी और पराई संस्कृति में उस तरह से फर्क कर पाना मुश्किल होगा, जैसे अब तक की पीढ़ियां करती रही हैं। इस जेनरेशन में हिंदी बोलने वाले इलाकों के युवाओं के गानों की भी पहली पसंद अमेरिकन और अफ्रीकन रैप हो सकती है और अमेरिकन यंगस्टर्स की भी पसंदीदा मिठाइयों में जलेबी और इमरती शामिल हो सकती है। क्योंकि इस नई बीटा जेनरेशन में कल्चरल अलगाव किसी भी स्तर पर उतना नहीं होगा, जैसा पहले होता रहा है।

ये भी होंगी इनकी खासियतें

यह जेनरेशन, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के व्यावहारिक दौर में पैदा होगी, उसी के साथ पलेगी-बढ़ेगी, शिक्षित होगी, हेल्थ और एंटरटेनमेंट की भागीदार भी होगी। यह जेनरेशन पिछली पीढ़ियों के मुकाबले टेक्नोलॉजी की समझ को लेकर इस तरह से अलग होगी कि पिछली पीढ़ियां, जहां नई टेक्नोलॉजी को समझने वाली थीं, वहीं यह पीढ़ी टेक्नोलॉजी को बदलने वाली होगी। इस पीढ़ी का एक और बड़ा फर्क सबको दिखाई देगा, वह है इस पीढ़ी की परिवार संरचना में आया जबर्दस्त बदलाव। यह पीढ़ी पूरी तरह से डिजिटल परिवार संरचना वाली होगी। इसका पारिवारिक गठन बेहद लचीला होगा, जहां पुरानी सामाजिक संरचनाएं करीब-करीब नहीं मिलेंगी।

कह सकते हैं कि 1 जनवरी 2025 से शुरू हुई जेन बीटा, जेन अल्फा (2010 से 2024) से तो मीलों आगे होगी ही। साथ ही अपनी पूर्वज पीढ़ियों जैसे एक्स, वाई, जेड से तो यह लगभग प्रकाशवर्ष के फासले पर होगी। इसके शायद ही कोई लक्षण उन पीढ़ियों से मिलेंगे। लब्बोलुआब यह कि जेन बीटा अब तक की सबसे मॉडर्न, सबसे ज्यादा ग्लोबल और जीवनशैली के मामले में सबसे तेज रफ्तार होगी। *

एन्वॉयर्नमेंट को लेकर होगी अवेयर

कुछ दशकों पहले तक इंसान को धरती की जिस एक चीज को लेकर बेहद संवेदनहीन देखा गया था, वह पर्यावरण हुआ करता था। पिछली सदी के 50 के दशक में तो जब दूसरे विश्व युद्ध के बाद युद्ध से तहस-नहस दुनिया के पुनर्निर्माण का दौर शुरू हुआ, तो इसकी सबसे बड़ी कीमत पेड़ों, जंगलों, नदियों और समुद्र आदि को चुकानी पड़ी। दरअसल, उस समय यह संवेदना ही नहीं थी कि विकास के लिए पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, नदियों में हर तरह के गंदे और जहरीले पानी को बहाना कहीं से गलत भी है। इसी तरह समुद्र का अंधाधुंध दोहन आदि तो उस समय, विकास और प्रगति की निशानी थी। लेकिन जब इस सबकी ओर ध्यान गया तो पता चला कि इंसान ने अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली है और फिर शुरू हुआ पर्यावरण के प्रति संवेदना जगाने का सिलसिला। लेकिन विकास और पर्यावरण विनाश के बीच वैचारिक रूप से फंसी बुनियादी पुरानी पीढ़ियां पर्यावरण के प्रति उतनी संवेदनशील नहीं हो सकती थीं, जितनी जरूरत थी। लेकिन यह जेन बीटा, पर्यावरण को लेकर बेहद संवेदनशील होगी। यह पैदा होने के साथ ही पर्यावरण के महत्व को समझने के लिए मजबूर होगी और शुरू से ही इसके अनुकूल जीवन जीने की कोशिश करेगी।

समझदारी से करनी होगी
जेन बीटा की पैरेंटिंग

टेक्नोबेस्ड लाइफस्टाइल के बढ़ते चलन की वजह से नई जेनरेशन के बच्चों की पैरेंटिंग भी किसी चैलेंज से कम नहीं है। जेन बीटा के बच्चों की पैरेंटिंग करते समय पैरेंट्स किन बातों का ध्यान रखें, आप सभी को जरूर मालूम होना चाहिए।

सजेशन
रजनी अरोड़ा

इस साल की शुरुआत में मार्क मैक्रिंडल और वैज्ञानिकों द्वारा मानव जगत के इतिहास में नई पीढ़ी 'जेन-बीटा' की घोषणा की गई। यानी पहली जनवरी 2025 के बाद पैदा होने वाले बच्चों को जेन-बीटा का माना गया है। यह वो जेनरेशन है, जो हाई-टेक डिजिटल वर्ल्ड में जन्म ले रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ऑटोमेशन, रोबोटिक्स, मेटावर्स और स्मार्ट डिवाइसेज उनकी जिंदगी का मुख्य हिस्सा होंगे। हालांकि जेन-बीटा के बच्चे दूसरे से अपेक्षाकृत अधिक स्मार्ट और बुद्धिमान होंगे। फिर भी उन्हें जिंदगी के विभिन्न पहलुओं के साथ सामंजस्य बिठाने में कई तरह की समस्याओं का सामना भी करना पड़ सकता है। ऐसे में निश्चय ही पैरेंट्स की जिम्मेदारी बढ़ जाएगी। उन्हें खुद अपडेट रहना होगा और पैरेंटिंग की अलग एप्रोच अपनानी होगी ताकि इन बच्चों की ओवरऑल डेवलपमेंट (शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक विकास) अच्छी तरह हो सके।

बैलेंस्ड स्क्रीन टाइम: जेन-बीटा बच्चों को छुटपन से ही डिजिटल टूल्स और स्क्रीन का एक्सपोजर मिलेगा। वर्चुअल दुनिया में ज्यादा समय बिताने से उनके शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर हो सकता है। डिजिटल ओवरलोड के कारण बच्चों में फोकस की कमी, नींद की समस्या और आंखों की थकान बढ़ सकती है। ऐसे में पैरेंट्स को टेक्नो-बाउंड्रीज तय करनी होंगी। बचपन से ही बच्चों को स्क्रीन टाइम और रियल लाइफ में बैलेंस बनाने, नियमित रूप से डिजिटल डिटॉक्स करने, नो स्क्रीन जोन का पालन करने, सोने से एक घंटे पहले स्क्रीन बंद करने जैसी हेल्दी हैबिट्स विकसित करनी होंगी। स्क्रीन का उपयोग केवल मनोरंजन के लिए न करके, सीखने और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए करना होगा। दोस्तों से मिलने-जुलने, आउटडोर गेम्स खेलने और फिजिकली एक्टिव रहने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।

मेंटल हेल्थ का रखना होगा ध्यान: डिजिटल टेक्नोलॉजी के एक्सपोजर के कारण जेन-बीटा के बच्चों में स्ट्रेस, एंग्जाइटी, अकेलापन जैसी मानसिक समस्याएं बढ़ सकती हैं। पैरेंट्स को अपने बच्चों के भावनात्मक और मानसिक स्तर पर नजर रखनी होगी। दोस्ताना और ओपन कम्युनिकेशन का रवैया अपनाना होगा ताकि बच्चे अपनी भावनाओं और समस्याओं के बारे में खुलकर बात कर सकें। मानसिक रूप से संतुलित और शांत रहने के लिए उन्हें बचपन से ही माइंडफुलनेस आधारित एक्टिविटीज करने और नियमित मेडिटेशन करना सिखाना होगा।

सोशल स्किल्स को बढ़ावा देना: संभव है कि जेन-बीटा के बच्चों के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वर्चुअल फ्रेंड्स ज्यादा, असल जिंदगी में कम दोस्त होंगे। एआई चैटबॉक्स जैसे ऑनलाइन कम्यूनिकेशन टूल्स का ज्यादा इस्तेमाल करने की आदत उनमें हो सकती है। एकल परिवार के बढ़ते ट्रेंड और वर्किंग पैरेंट्स द्वारा पर्याप्त समय न दे पाने के कारण जेन-बीटा बच्चों में भावनात्मक जुड़ाव की कमी हो सकती है। जिसके चलते उन्हें नाते-रिश्तेदारों यहां तक कि हम उम्र बच्चों के साथ बातचीत करने, मिलने-जुलने या संबंध स्थापित करने में दिक्कत आ सकती है। अकेलेपन का शिकार हो सकते हैं। इसलिए जेन-बीटा बच्चों में इमोशनल बॉन्डिंग और सोशल स्किल विकसित करने के लिए पैरेंट्स को बचपन से ही ध्यान देना होगा। न केवल रिश्तों और नैतिक मूल्य का महत्व समझाने के लिए नियमित तौर पर फैमिली टाइम बिताना होगा, बल्कि रियल वर्ल्ड में सोशल कनेक्शन बनाने को अहमियत देनी होगी। स्कूल में होने वाले कार्यक्रमों, ग्रुप एक्टिविटीज, आउटडोर एक्टिविटीज करने, दूसरे बच्चों के साथ खेलने, त्योहारों, फैमिली या सोशल गैदरिंग में ज्यादा से ज्यादा शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।

क्रिएटिविटी को देना होगा बढ़ावा: जेन-बीटा बच्चों के लिए नई शिक्षण तकनीकों को अपनाना और इंटरैक्टिव लर्निंग तकनीक अधिक प्रभावी होगी। मेमोरी-बेस्ड लर्निंग के बजाय कॉग्निटिव स्किल्स विकसित करनी होगी। यानी रटने की बजाय समस्या को हल करने की क्षमता बढ़ाने और बच्चों में आजीवन सीखने की आदत डालनी होगी। क्रिटिकल-थिंकिंग, प्रॉब्लम-सॉल्विंग, इनोवेशन या क्रिएटिविटी का विकास करना होगा। इसके लिए पैरेंट्स को उन्हें पजल्स, प्रोजेक्ट, दिमागी कसरत वाली एक्टिविटीज ज्यादा करानी होंगी।

डिजिटल सेफ्टी की देनी होगी जानकारी: एआई के जमाने में जेन-बीटा बच्चे को सोशल मीडिया और इंटरनेट के खतरों का सामना भी करना पड़ सकता है। जिसका असर उनकी पर्सनालिटी और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। इससे बचाने के लिए पैरेंट्स को उन्हें सोशल मीडिया का सही इस्तेमाल सिखाना होगा। उन्हें शुरू से ही साइबरबुलिंग, मिसइंफॉर्मेशन और प्राइवेसी कंसर्न जैसे ऑनलाइन खतरों के बारे में जागरूक करना होगा। पासवर्ड की सुरक्षा, अजनबियों से ऑनलाइन बात न करना, डाटा चोरी से बचाव जैसे साइबर सिक्योरिटी के बारे में जानकारी देनी होगी। *

(सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली में सीनियर साइकोलॉजिस्ट, डॉ. इमरान नूरानी से बातचीत पर आधारित)

गजल
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

बुरा लगता है हर मंजर

कसर छोड़ी नहीं हमने किसी की कद्रदानी में
बुरा लगता है हर मंजर जियादा बद्गुमानी में

समय से पहले मुरझाने लगीं कलियां गुलिस्तां में
नहीं महफूज है खुशबू किसी भी इत्रदानी में

हजारों लहरें इठलाती हैं बलखाती हैं मर्जी से
किनारे चाह कर भी बह नहीं पाते रवानी में

किसी की दास्तां में हम शुरू से आखिर तक थे
कहें क्या रह गए गुमनाम अपनी ही कहानी में

गुलामों के सिवा कोई नजर आया नहीं अब तक
मिला ना एक भी खुद्दार हमको राजधानी में

भरी है गंदगी पूरे शहर में इन दिनों 'नवरंग'
टिकी है सबकी उम्मीदें फकत इक रातरानी में

कहानी
शुभदा मिश्र

उसके एक कान का टॉप्स कहीं गिर गया, वह खोए टॉप्स की गहरी चिंता में डूब गई। ऐसी डूबी कि कुछ और सूझ ही नहीं रहा था। एक मनोवैज्ञानिक कहानी।

मनमीत रे

मेरा जी धक से रह गया!

डॉ. सक्सेना के क्लीनिक में बैठी थी मैं। ठंड की सुबह। गर्म शॉल से स्वयं को अच्छी तरह ढंके हुए कि सिर से शॉल सरक गई। मैंने सिर फिर ठीक से ढंकना चाहा कि मेरा हाथ कान को छू गया। दाहिना कान। मुझे लगा कि कान का टॉप्स नहीं है। टॉप्स यानी कर्णफूल। मैंने कान अच्छे से टटोला। बायां कान भी टटोल लिया। बाएं में था टॉप्स। दाएं में नहीं।

तत्क्षण शॉल उतार कर देखा। झाड़कर देखा। अपनी साड़ी, ब्लाउज सब अच्छी तरह टटोल कर देखा। शायद कहीं उलझ गया हो। आस-पास देखा। सोफे के नीचे देखा। कहीं गिर गया हो। नहीं कहीं नहीं था। मरीजों से भरा हॉल। सब अपनी परेशानियों में डूबे। गंभीर माहौल। मेरी हलचलों से गंभीरता भंग होती। सो फिर से शॉल अच्छी तरह ढंक सिर झुकाकर बैठ गई। सदमे में घिरी।

कहां गिरा होगा, वह नन्हा-सा चमकीला टॉप्स। घर से निकल कर ऑटो में बैठते समय। ऑटो से उतर कर स्टेशन में। स्टेशन से प्लेटफॉर्म में, ट्रेन में। यहां रायपुर पहुंच कर ट्रेन से उतरते समय, ऑटो में बैठ यहां क्लीनिक आते समय। हर जगह, हर कदम पर तो भीड़-भाड़। हड़बोंग। गिर गया होगा, वह बटन सा छोटा। वस्तु कैसे कह दूं मैं। तिलिस्म है वह तो। अनजान चेहरों की सुंदरता बढ़ाने वाला। असुंदर चेहरों में भी सुंदरता ला दे। निश्चय ही वह किसी सिद्ध कलाकार की गढ़ी कलाकृति। हाय, कहां गया! उस एक अकेले की तो कोई कीमत भी नहीं। पता होता, कहां गिरा है, तो दूसरा भी टपका देती। किसी के काम तो आता।

अपना सदमा और उसकी अंधेरी नियति! अवसाद के काले जल में डूब गई मैं। टॉप्स मां ने दिए थे। मां के आशीर्वाद की तरह साथ लगे रहते। दुख की मारी ऐसे ही आस-पास, बाजार हाट, कहीं भी चली जाती। पर जब किसी 'शुभ मंगल' कार्यक्रम में जाना होता तो मुझे स्वयं अखरने लगता। लगता, सूने कान चेहरे को और सूना बना रहे हैं। कोई पूछ भी देती, 'कानों में कुछ पहना क्यों नहीं?' एक शरारती ने तो एक बार चर्चा ही छेड़ दी कि कानों के जेवर नारी मुखड़े के आवश्यक अंग हैं। गले में चाहे हीरे का हार पहन लो, पर कान सूना, तो हार बेकार।

अजूबाओं को छोड़ दें, तो हर धर्म, हर जाति, हर उम्र की महिलाएं कानों में कुछ न कुछ पहनती हैं, चाहे वह डॉक्टर हों, नर्स हों, पुलिस या सेना में हों, चाहे वह मंत्री ही क्यों न हों। और मेरा मन भी कहने लगा कि वाकई मुझे कान में पहनना चाहिए। मैं एक महिला आभूषण विक्रेता के पास पहुंची कि मुझे मेरी उम्र और व्यक्तित्व के अनुरूप कोई छोटा सा टॉप्स दें। ज्यादा कीमती न हो। उसने बहुत खोजकर इस टॉप्स की जोड़ी को निकाला। बटन-सा छोटा। गोल। परिधि में ज्योति बिंदु से चमकते श्वेत नग। केंद्र में दमकता लाल नगीना। आश्वस्त किया, 'सोने का नहीं है, पर सोने से कम भी नहीं है मैम।'

मैंने देखा, मां के उस खानदानी जड़ाऊ टॉप्स-सा तो नहीं ही, पर है बेचारा एक अच्छा विकल्प।

मैंने उस विकल्प को समुचित आदर दिया। कहीं जाऊं तो प्रेम से पहन लेती। इधर काफी दिनों से मैं बाहर कहीं आती-जाती नहीं थी। वजह थी, पैरों में तकलीफ। जाना जरूरी हो तो किसी को साथ लेना पड़ता। मुझे अपने आस-पास के लोग बहुत व्यस्त नजर आते। बच्चे, बूढ़े, जवान, सभी। पर वे कहते, 'अकेले जाने का खतरा मत उठाइएगा, हमें खबर कर दीजिएगा।' मैं कहती, 'आप लोग बहुत व्यस्त रहते हैं।' उनका कहना होता, 'इससे क्या, हम समय निकाल लेंगे।' मैं और भी संकोच में पड़ जाती। ये अपने कारोबार से, बीवी-बच्चों से, अपने जरूरी कार्यक्रमों से समय निकालेंगे। मेरे कारण। यह ठीक नहीं। सो मैं जहां जाना जरूरी होता तो किसी को बिना बताए निकल जाती। अभी भी मैं बिना किसी को बताए चली आई थी।

डॉक्टर के पास आना बहुत जरूरी था। कारण आंखों में भीषण तकलीफ। महीने भर से धुंधला दिखने लगा था। अक्षर तो पढ़े ही न जाते। काले धब्बे दिखते। आंखों के भीतर सुई-सा चुभता रहता। सूजन अलग। स्थानीय डॉक्टरों ने जवाब दे दिया। रायपुर आना पड़ा डॉक्टर सक्सेना के पास। वह प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ हैं। मुलाकात के लिए पहले से ही समय लेना पड़ता है। लिया समय। पहुंची। मरीजों की भीड़। एक तरफ बैठ गई और मुझे घेर लिया टॉप्स के सदमे ने। 'हाय कहां पड़ा होगा बेचारा धूल गर्द खाता। कुछ आभास हो जाए तो अभी दौड़ कर ढूंढ़ लाऊं... कहां होगा...कहां', तभी नर्स ने नाम पुकारा, 'रोशन भाई।' मेरे बगल वाला मरीज उठ कर भीतर गया।

'अरे बाप, इसके बाद मेरा नंबर। मुझे तो कुछ याद ही नहीं आ रहा है डॉक्टर को क्या बताना है।' मेरे दिमाग में तो छाया हुआ है टॉप्स। टॉप्स-टॉप्स और टॉप्स। कैसे छूटे ये टॉप्स? कि जैसे मन ही बोल उठा, 'सच में किसी सहेली को साथ लाना था मुझे।' सहेली होती तो समझाती, 'अरे ऐसा कौन-सा कीमती था। दूसरा ले लेना।' नहीं समझाती तो लताड़ती जमकर, 'इतनी ठंड में मुंह अंधेरे उठकर, गाड़ी-घोड़ा पकड़ कर, गिरते-पड़ते पहुंची हो डॉक्टर के पास। डॉक्टर को यही बताने के लिए कि डॉक्टर साहब मेरा टॉप्स खो गया। ऐसा सुंदर डॉक्टर साहब... कि उसके जैसा...। मूर्ख, एक-एक मिनट कीमती है डॉक्टर का। सैकड़ों लोग लाइन में लगे हैं। भड़केंगे तुम पर। चल बता... तकलीफ कब से शुरू हुई? धुंधला दिखना कब से शुरू हुआ? सूजन कब से आई? कौन सी दवाई डाली थी? पिछले डॉक्टर का पुर्जा...?'

और मैं जल्दी-जल्दी सोचने लगी... मुझे डॉक्टर को क्या-क्या बताना है। *

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

निकट का कथा विशेषांक

लगभग दो दशक से प्रकाशित हो रही पत्रिका 'निकट' का नया अंक-40, कथा विशेषांक है। आकांक्षा पारे काशिव के अतिथि संपादन में आया यह अंक युवा, मध्य और वरिष्ठ पीढ़ी के लेखकों की कहानियों के सुंदर कोलाज जैसा है। वरिष्ठ कथाकार ममता कालिया की कहानी 'मक्खन खाना घातक है' वृद्धावस्था में भी क्षुद्र आकांक्षाओं से ग्रस्त एक अध्यापक की मनोस्थिति को सामने लाती है तो राजेंद्र दानी ने 'मौत की उलटबांसी' में मृत्यु के भय का सहज और सूक्ष्म मनोवैज्ञानिक विश्लेषण किया है। प्रियंका ओम ने अपनी कहानी 'सात साल उनतीस दिन' में अपने पति की क्रूरता को सालों सहने वाली एक स्त्री के मनो-कायांतरण का चित्र उकेरा है। सुशांत सुप्रिय की कहानी 'एक उदास सिंफनी' उदासी से भरी प्रेमकथा के समानांतर कई सामाजिक विमर्श को भी सामने लाती है। अन्य सभी कहानियां भी पठनीय हैं। कुल सत्रह कहानियों के अलावा प्रियदर्शन का नाटक 'एक दिन बदलेगा संसार देखना', विगत वर्ष साहित्य के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित लेखिका हान कांग पर रश्मि भारद्वाज के लेख समेत मार्टिन जॉन और सुभाष नीरव की लघुकथाओं से यह अंक और समृद्ध हो गया है। *

पत्रिका: निकट-40 (कहानी विशेषांक), **संपादक:** कृष्ण बिहारी, **मूल्य:** 50 रुपए

उद्योग फ्रेंडली नीतियों और नवाचार से मिलेगा निवेश को विस्तार, मप्र बनेगा नया इंडस्ट्रियल हब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मप्र औद्योगिक निवेश और रणनीतिक नवाचार के वैश्विक केंद्र के रूप में आगे बढ़ रहा है। इस बार की ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) न सिर्फ अपनी भव्यता बल्कि गहरे रणनीतिक बदलावों और नए औद्योगिक विज़न से भी चर्चा में है। भोपाल जो अब तक प्रशासनिक और सांस्कृतिक रूप से पहचाना जाता था, अब निवेश और व्यापार का नया ग्लोबल पॉइंट ऑफ इंटरेस्ट बनने जा रहा है।

खास बातें

- पहली बार सरकार 20 से अधिक नीतियों को एक साथ प्रस्तुत कर रही
- निवेशकों को सरकार की ठोस योजनाओं और तत्काल प्रभावी पॉलिसी सपोर्ट मिलेगा
- प्रदेश में बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

पॉलिसी-ड्रिवन इन्वेस्टमेंट समिट' का नया मॉडल

इस वर्ष के जीआईएस को 'पॉलिसी-ड्रिवन इन्वेस्टमेंट समिट' का नया मॉडल दिया गया है। पहली बार सरकार 20 से अधिक नीतियों को एक साथ प्रस्तुत कर रही है, जिससे निवेशकों को हर सेक्टर के लिए स्पष्ट रणनीति और अवसर मिलेंगे। अब इन्वेस्टर्स को केवल संभावनाएं नहीं, बल्कि सरकार की ठोस योजनाओं और तत्काल प्रभावी पॉलिसी सपोर्ट का भरोसा मिलेगा।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में हर सेक्टर के लिए अलग सत्र होंगे

इस बार जीआईएस पारंपरिक कॉन्फ्रेंस से आगे बढ़कर फोकस्ड इन्वेस्टमेंट डिस्कशन का मंच बनने जा रहा है, यानी आईटी, टैक्सटाइल, फार्मा, ऑटोमोबाइल, ईवी, अक्षय ऊर्जा जैसे हर सेक्टर के लिए अलग सत्र होंगे, जहां इंडस्ट्री लीडर्स और सरकार के बीच प्रत्यक्ष संवाद और सेक्टर-केंद्रित समझौते होंगे। समिट में पहली बार 'इंडस्ट्रियल एक्सपो' और 'मेक इन एमपी' का संयोजन किया गया है, जहां प्रदेश की औद्योगिक ताकत, विनिर्माण क्षमता और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में उसकी स्थिति को प्रस्तुत किया जाएगा।

यह जीरो अपशिष्ट समिट होगी

जीआईएस-2025 को 'जीरो अपशिष्ट' समिट बनाने की रणनीति तैयार हो चुकी है। समिट स्थल पर केवल इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग होगा, आयोजन स्थल 100% अक्षय ऊर्जा से संचालित होगा और पूरे समिट में पेपरलेस ऑपरेशंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-बेस्ड इंटरेक्शन और डिजिटल टेक्नोलॉजी का समावेश होगा।

औद्योगिक राजधानी के रूप में नई पहचान

भोपाल को पहली बार औद्योगिक राजधानी के रूप में नई पहचान मिलने जा रही है। यह आयोजन प्रदेश की नई इंडस्ट्रियल जर्नी की आधारशिला साबित होगा। समिट न केवल बड़े निवेशकों के लिए, बल्कि माइक्रो, स्मॉल और मीडियम एंटरप्राइजेज (एमएसएमईज) और स्टार्टअप्स के लिए भी एक बड़ा अवसर लेकर आ रही है। प्रदेश के स्थानीय उद्यमों को वैश्विक निवेशकों और तकनीकी साझेदारों के साथ जोड़ने की कार्ययोजना तैयार की गई है, जिससे इनका विस्तार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक होगा।

औद्योगिक क्षेत्रों को नई टेक्नोलॉजी, ग्लोबल टाई अप्स का फायदा मिलेगा

राजधानी के चारों ओर फैले औद्योगिक क्षेत्रों मंडीदीप, गोविंदपुरा, बागरोदा, पिलुखेड़ी और अन्य औद्योगिक हब को इस समिट से नए निवेश, नई टेक्नोलॉजी और ग्लोबल टाई-अप्स का फायदा मिलेगा। जीआईएस-2025 निवेश ही नहीं, बल्कि युवाओं को रोजगार और स्किल डेवलपमेंट के अवसर देने वाला मंच साबित होगा। समिट में आईटी, मैन्युफैक्चरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, बायोटेक्नोलॉजी और अन्य क्षेत्रों में नई नौकरियों के अवसर पैदा करने वाले एमओयू पर हस्ताक्षर होंगे।

औद्योगिक क्रांति का केंद्र

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मप्र अब केवल 'संभावनाओं का प्रदेश' नहीं, बल्कि 'औद्योगिक क्रांति का अगला केंद्र' बन चुका है। जीआईएस- 2025 के मंच से प्रदेश की आर्थिक शक्ति, नीति-संवर्धित औद्योगिक मॉडल और वैश्विक निवेश के प्रति प्रतिबद्धता पूरी दुनिया के सामने प्रस्तुत होगी। भोपाल अब सिर्फ मप्र की राजधानी नहीं, बल्कि भारत के नए औद्योगिक भविष्य का प्रतीक बनने की ओर अग्रसर है। जीआईएस इसी परिवर्तन की मजबूत नींव रखने जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा, कृषकों को सोलर पम्प और गोपालन के लिए प्रोत्साहित करेगी जन अभियान परिषद

सर्पदंश से मृत्यु की रोकथाम के साथ सांप पकड़ने हर थाने में उपलब्ध रहेगा एक प्रशिक्षित व्यक्ति

कैंसर से बचाव के लिए प्राकृतिक और अक्षय कृषि अपनाना जरूरी

डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई जन अभियान परिषद की 15वीं बैठक

» श्रीअन्न की उपज लेने और तिलहन को बढ़ावा देने के लिए किसानों को प्रोत्साहित और प्रेरित करने की आवश्यकताः सीएम

हरिभूमि न्यूज. भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जन-अभियान परिषद कार्यकारिणी की बैठक में कहा कि स्वयंसेवी संगठनों, प्रस्फुटन समितियां और नवांकुर संस्थाएं कृषकों को ऊर्जा में आत्म-निर्भर बनाने के लिए सोलर पंप लगवाने के लिए प्रेरित करें। किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से गोपालन को भी प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने दोनों गतिविधियों को अभियान के रूप में संचालित करने के निर्देश दिए गए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मप्र जन अभियान परिषद की कार्यकारिणी सभा की 15वीं बैठक मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में हुई। बैठक में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, मोहम्मद सुलेमान सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

रसायनिक खाद के खतरे बताए

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र कैंसर जैसे घातक रोगों से निरंतर प्रभावित हो रहे हैं। रासायनिक खाद और कीटनाशकों के बल पर ली जा रही उपज के खतरों से किसानों को अवगत करवाना जरूरी है। परिषद, किसानों को प्राकृतिक और अक्षय कृषि के लिए प्रोत्साहित करें। जन अभियान परिषद इन क्षेत्रों में कार्य कर ऊर्जा, जल और पर्यावरण संरक्षण, बेहतर स्वास्थ्य और कौशल विकास के क्षेत्र में योगदान दे सकती है।

जल गंगा अभियान को जन-जन का अभियान बनाना जरूरी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल गंगा अभियान को जन-जन का अभियान बनाना जरूरी है। इसमें जन अभियान परिषद महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के साथ मिलकर परिषद ग्राम स्तर तक वातावरण निर्माण में सक्रियता से योगदान दें। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप श्रीअन्न की उपज लेने और तिलहन को बढ़ावा देने के लिए किसानों को प्रोत्साहित और प्रेरित करने की आवश्यकता बताई। बैठक में नवांकुर संस्थाओं के प्रशिक्षण, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम तथा विकास गतिविधियों एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए संचालित गतिविधियों का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। साथ ही अन्य विषयों पर विमर्श हुआ।

व्यक्तित्व विकास और चरित्र निर्माण पुस्तिका का विमोचन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर जन अभियान परिषद की ओर से महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के सहयोग से मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के लिए समाज कार्य स्नातक पाठ्यक्रम के अंतर्गत व्यक्तित्व विकास और चरित्र निर्माण पुस्तिका का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने जन अभियान परिषद के संभागीय समीक्षा प्रतिवेदन 2024-25 तथा स्वैच्छिक संगठनों का संसार पुस्तिका का भी विमोचन किया। प्रदेश में सर्पदंश से हो रही मृत्यु की रोकथाम और बचाव की दृष्टि से सर्प पकड़ने और प्राथमिक उपचार के लिए होमगार्डस, युवाओं, इच्छुक व्यक्तियों के प्रशिक्षण के लिए सर्प अनुसंधान संगठन उज्जैन के साथ मुख्यमंत्री की उपस्थिति में एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इससे प्रदेश के प्रत्येक थाने में एक प्रशिक्षित व्यक्ति की उपस्थिति सुनिश्चित हो सकेगी।

मुख्यमंत्री योगी ने भोपाल के प्राकृतिक सौंदर्य की प्रशंसा की

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उप्र के सीएम योगी को भेंट की राजाभोज की प्रतिमा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से शुक्रवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री योगी का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया और अंगवस्त्रम पहनाकर व राजाभोज की प्रतिमा भेंट कर आत्मीय अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवास कार्यालय कक्ष से मुख्यमंत्री योगी को भोपाल की बड़ी झील (भोजताल) के सांध्यकालीन अनुपम सौंदर्य का अवलोकन कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भोपाल की पहचान यह झील सदियों पुरानी है। यहां के तत्कालीन प्रजापालक शासकों ने उच्च तकनीक का इस्तेमाल कर इसे जल संग्रहण के लिए निर्मित कराया था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने भोपाल के प्राकृतिक सौंदर्य की सराहना की।

उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने चर्चा के दौरान पूछा कि मप्र में सिंहस्थ कब है? मुख्यमंत्री ने उन्हें बताया कि वर्ष 2028 में उज्जैन शहर में सिंहस्थ का भव्य आयोजन होगा। सिहंस्थ आयोजन को सफल बनाने के लिए वर्तमान में महाकुंभ में व्यवस्थाओं का अवलोकन करने के लिए मप्र से अधिकारी गए हैं।

सारंग, सिंह और शर्मा ने किया स्वागत

मुलाकात के दौरान उप्र सरकार में जल शक्ति तथा बाढ़ नियंत्रण मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, मप्र के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, विधायक रामेश्वर शर्मा भी मौजूद थे। सीएम योगी का सारंग, सिंह और शर्मा ने स्वागत किया।

उप राष्ट्रपति धनखड़ का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को पुराने हवाई अड्डे पर उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के आगमन पर उनकी अगवानी की। उन्होंने उप राष्ट्रपति को अंगवस्त्र ओढ़ाकर स्वागत अभिनंदन किया। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने भी उप राष्ट्रपति का स्वागत किया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, खेल एवं युवक कल्याण तथा सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, सांसद खजुराहो वीडी शर्मा, महापौर नगर निगम भोपाल मालती राय, मुख्य सचिव अनुराग जैन, पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

सब इंस्पेक्टर के घर बिना ताला तोड़े चोरी

रायपुर। रायपुर में सब इंस्पेक्टर के घर चोरी के वारदात हो गई है। चोरों ने घर के दरवाजे का बिना ताला तोड़े इस पूरी वारदात को अंजाम दिया है। उन्होंने भीतर घुसने के लिए कुंडी का स्क्रू निकाल दिया। फिर कमरे की अलमारी में रखें सोने-चांदी के गहने और रुपए लेकर फरार हो गए। ये पूरा मामला आमानाका थाना क्षेत्र का है। निर्मला मिश्रा ने बताया कि उनके पति अशोक मिश्रा महेंद्रगढ़ में सब इंस्पेक्टर के पद में है। निर्मला अपने परिवार के साथ 30 जनवरी को प्रयागराज गई थी। 14 फरवरी को सुबह करीब 9 बजे वह अपनी बेटी के साथ रायपुर के आमनाका इलाके के सनसिटी में पहुंची। घर के भीतर जाकर देखा तो दरवाजा खुला हुआ था। चोरों ने घर के मेन गेट के ताला को तोड़ने की बजाए कुंडी का स्क्रू खोल दिया। घर में 80 हजार कैश समेत करीब 10 लाख का माल चोरी कर ले गए।

हम किसी भी कार्यकारी नियुक्ति में भारत के मुख्य न्यायाधीश को कैसे शामिल कर सकते हैं?: धनखड़

▸ राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी में विद्यार्थियों से उप राष्ट्रपति ने की चर्चा, कहा- न्यायपालिका की सार्वजनिक उपस्थिति मुख्य रूप से निर्णयों के माध्यम से होनी चाहिए, निर्णयों के अलावा कोई भी अभिव्यक्ति का तरीका संस्थागत गरिमा को कमजोर करता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि हमारे देश में या किसी भी लोकतंत्र में, क्या कोई कानूनी तर्क हो सकता है कि भारत के मुख्य न्यायाधीश को सीबीआई निदेशक के चयन में भागीदारी करनी चाहिए! क्या इसके लिए कोई कानूनी आधार हो सकता है? मैं समझ सकता हूं कि यह विधायी प्रावधान इसलिए अस्तित्व में आया, क्योंकि उस समय की कार्यकारी सरकार ने न्यायिक निर्णय को स्वीकार किया। लेकिन अब समय आ गया है कि इसे फिर से देखा जाए। यह निश्चित रूप से लोकतंत्र के साथ मेल नहीं खाता। हम भारत के मुख्य न्यायाधीश को किसी भी कार्यकारी नियुक्ति में कैसे शामिल कर सकते हैं! भोपाल में राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी में संकाय और छात्रों से बातचीत करते हुए धनखड़ ने शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत का उल्लंघन होने पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की उन्होंने कहा कि लोकतंत्र संस्थागत पृथक्करण पर नहीं, बल्कि समन्वित स्वायत्तता पर जीवित रहता है।

निर्णय से हो उपस्थिति

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि न्यायपालिका की सार्वजनिक उपस्थिति मुख्य रूप से निर्णयों के माध्यम से होनी चाहिए। निर्णय अपने आप में बोलते हैं। निर्णयों का वजन होता है। और यदि निर्णय देश के उच्चतम न्यायालय से आता है, तो यह एक बंधनकारी निर्णय होता है। निर्णयों के अलावा कोई अन्य प्रकार की अभिव्यक्ति संस्थागत गरिमा को अनिवार्य रूप से कमजोर करती है। न्यायिक समीक्षा के बारे में बोलते हुए धनखड़ ने कहा कि संसद कानून बनाने में सर्वोच्च है, न्यायिक समीक्षा के अधीन। यह एक अच्छी बात है। न्यायिक समीक्षा इस आधार पर होनी चाहिए कि कानून संविधान के अनुरूप है या नहीं। लेकिन जब भारतीय संविधान में कोई संशोधन करने की बात आती है, तो अंतिम अधिकार, अंतिम शक्ति, और अंतिम प्राधिकरण केवल भारतीय संसद के पास है।

कोरबा में अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

पुलिस ने जब्त की अवैध 575 लीटर शराब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

कोरबा जिले में अवैध शराब निर्माण के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। उरगा थाना पुलिस ने ग्राम चीतापाली (घोघरानाला) में छापेमारी के दौरान 575 लीटर महुआ शराब बरामद की और मौके पर ही करीब 1000 किलोग्राम महुआ लहान और शराब बनाने की भट्ठी को नष्ट कर दिया।

एसपी सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई में उरगा थाना प्रभारी निरीक्षक युवराज तिवारी के नेतृत्व वाली टीम ने मुखबिर की सूचना पर छापा मारा। पुलिस को देखते ही आरोपी नाला पार कर फरार हो गए। मौके से पुलिस ने 20-20 लीटर के 4 प्लास्टिक डिब्बे और 5-5 लीटर के 49 जेरीकेन में भरी कुल 575 लीटर महुआ शराब बरामद की। इसके अलावा शराब बनाने के लिए तैयार

किया गया करीब 1000 किलोग्राम महुआ लहान और भट्ठी को मौके पर ही नष्ट किया गया।

उरगा थाने में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी के साथ प्र.आर. राजेंद्र मरकाम, आरक्षक नरेश टांडेल समेत पूरी टीम शामिल थी।

कालिदास अकादमी उज्जैन में तीन दिवसीय जीवन प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन

मुख्यमंत्री ने किया यूनाइटेड कॉन्शसनेस ग्लोबल कॉन्क्लेव 2025 का वर्चुअली शुभारंभ

वैश्विक चुनौतियों का समाधान देगा 'बुद्ध में है विश्व का भविष्य, युद्ध में नहीं' का विचार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वैश्विक चुनौतियों का समाधान युद्ध में नहीं बुद्ध में मानते हैं। सनातन संस्कृति में कई सभ्यताओं के आविर्भाव से पहले ही वसुधैव कुटुम्बकम की बात कही गई थी। प्रधानमंत्री मोदी इसी भाव से विश्व को मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कालिदास अकादमी उज्जैन में आरंभ यूनाइटेड कॉन्शसनेस ग्लोबल कॉन्क्लेव-2025 के तीन दिवसीय जीवन प्रबंधन कार्यशाला का मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअल शुभारंभ किया।

विशेष सांस्कृतिक संध्या गतिविधियों का होगा आयोजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस कॉन्क्लेव के प्रमुख आकर्षणों में महाकालेश्वर जलाभिषेक, पृथ्वी तत्व का आव्हान, पंचमहाभूत आव्हान और विशेष सांस्कृतिक संध्या जैसी गतिविधियां शामिल हैं। इन अनुष्ठानों से सम्पूर्ण विश्व के बीच एकता और समरसता को प्रकट करने के प्रयास होंगे। कुल 22 देशों के प्रतिनिधि अपने-अपने देशों की नदियों के जल से बाबा महाकाल का अभिषेक करेंगे। यह कॉन्क्लेव भारत की प्राचीन संस्कृति, योग और आध्यात्मिकता को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का सुनहरा अवसर है। यह भारत की पॉवर को और अधिक सशक्त करेगा तथा विश्व, भारत की आध्यात्मिक शक्ति से लाभान्वित हो सकेगा।

प्रत्येक जीव में ईश्वर का वास

भारतीय संस्कृति प्रत्येक जीव में ईश्वर का वास और विश्व के कल्याण में विश्वास रखती है। वर्तमान वैश्विक परिप्रेक्ष्य में जहां युद्ध, आतंकवाद और संघर्ष ने पूरी दुनिया को तनावग्रस्त किया है, ऐसे में यूनाइटेड कॉन्शसनेस ग्लोबल कॉन्क्लेव जैसे आयोजन शांति, समरसता और मानवता की आवश्यकता को स्पष्ट करते हुए समाधान प्रदान करते हैं।

वैश्विक शांति की स्थापना का संकल्प दिलाया

मुख्यमंत्री ने कॉन्क्लेव के सहभागियों से वैश्विक शांति की स्थापना और विश्व में प्रेम, सौहार्द्र तथा सकारात्मकता के प्रसार में हरसंभव योगदान देने संकल्प लेने का आह्वान किया। कॉन्क्लेव में 22 देशों के विद्वान, संत, आध्यात्मिक शिक्षक और लाइफ कोच विचारक वैश्विक शांति और समरसता के लिए अपने विचार साझा करेंगे।

'विकसित भारत' में योगदान का निजी रोड मैप तैयार करेंगे छात्र : जस्टिस राजेश बिंदल

- नव संकल्पों के साथ एसजीटी विवि का दीक्षांत समारोह संपन्न
- 120 स्वर्ण पदक विजेताओं में से 87 छात्राएं शामिल

गुरुग्राम। डिग्रियां लहराते, भविष्य के सपने सजाते छात्रों के विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने के संकल्प के साथ देश की प्रतिष्ठित एसजीटी यूनिवर्सिटी के दो दिवसीय दीक्षांत समारोह का शनिवार को समापन हो गया। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस राजेश बिंदल, अपोलो विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एच. विनोद भट, हैदराबाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. बसुथकर जगदीश्वर राव व इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, रेवाड़ी के

कुलपति प्रो. डॉ. जय प्रकाश यादव के गरिमामयी संबोधन ने छात्रों में नए उत्साह का संचार किया तथा भविष्य में हर चुनौती का सामना करते हुए बुलंदियां छूने के लिए प्रेरित किया। रोल माडल बन कर एसजीटी यूनिवर्सिटी का नाम देश, दुनिया में रोशन करने की प्रतिज्ञा भी डिग्री पाने वाले छात्रों के दृढ़ संकल्प में प्रतिबिंबित हो रही थी। धर्मेंद्र प्रधान ने एसजीटी विश्वविद्यालय के स्नातकों द्वारा भारत की आर्थिक प्रगति में दिए जाने वाले योगदान पर चर्चा की और इस बात पर गर्व जताया कि 2025 की स्नातक कक्षा में 120 स्वर्ण पदक विजेताओं में से 87 छात्राएं हैं। शिक्षा मंत्री ने एसजीटी विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित 'चांसलर लाइब्रेरी' के उद्घाटन की भी सराहना की। समारोह के पहले दिन दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली भी उपस्थित रहे।

एक यादगार समारोह

छात्रों, अभिभावकों और अतिथियों ने विश्वविद्यालय की भव्यता और इस विशेष दिन को दिए गए विशेष महत्व की सराहना की। उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय के 11 वें दीक्षांत समारोह के पहले दिन देश के शिक्षा मंत्री 21 वीं सदी में भारत फिर विश्व गुरु बनने जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा इन दिनों चर्चा में है। इसके कई कारण हैं। पीएम मोदी की यात्रा से ठीक पहले अवैध प्रवासियों को अमेरिका ने जिस तरह हथकड़ियों में जकड़कर भारत भेजा, वह जहां भारत के लिए अपमानित करने वाला था, वहीं भारत में अमेरिका के इस कृत्य की काफी आलोचना हुई। यह माना गया कि पीएम मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ वार्ता में यूएस को इस बारे में भारत की नाराजगी से अवगत कराएंगे। पीएम मोदी के साथ वार्ता से चंद घंटे पहले अमेरिका ने रेसिप्रोकल टैरिफ (जैसे को तैसा टैक्स) लगाने का ऐलान किया और वार्ता के बाद संयुक्त प्रेसवार्ता में मोदी के सामने ही ट्रंप ने कहा कि इस टैरिफ से भारत को भी छूट नहीं होगी। ट्रंप व मोदी की कथित दोस्ती के बीच अमेरिका का व्यवहार भारत के अनुकूल यथोचित नहीं कहा जा सकता है। हर देश को अवैध प्रवासियों के खिलाफ एक्शन का हक है और आयात पर टैरिफ लगाने का अधिकार है, लेकिन सबकुछ नियम व मर्यादा में होना चाहिए। मेहमान के सामने भी सम्मान का पालन होना चाहिए। जवाबी टैरिफ से विश्व में नया ट्रेड वार छिड़ने की संभावना है। शेयर बाजार दहशत में है। अपने व्यापार असंतुलन को कम करने के लिए भारत पर आयात बढ़ाने का दबाव बढ़ाना भी उचित नहीं है। इन्हीं सब मुद्दों का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

कुटिल ट्रेड-कूटनीति की राह पर ट्रंप

विश्लेषण
प्रभात कुमार राय
विदेश मामलों के जानकार

कूटनीतिक वार्ता के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बड़े राजनेता के मुकाबले में एक बड़े व्यापारी के चरित्र के साथ अपना अंध-राष्ट्रवादी प्रेजिडेंशियल आचरण बाकायदा पेश किया है। मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के नारे का कुटिल कूटनीतिक नकाब धारण किए हुए, डोनाल्ड ट्रंप वस्तुतः अमेरिका को और अधिक दौलतमंद अमीर और ताकतवर मुल्क बना देने की मुहीम में बाकायदा जुट गए हैं, ताकि नव-साम्राज्यवादी फितरत वाला अमेरिका दुनिया पर और अधिक आर्थिक और राजनीतिक कहर बरपा सके। वर्ष 2025 में अमेरिकन प्रेसिडेंट के पद पर सत्तासीन होते ही ट्रंप द्वारा भारत को रक्षा सामग्री की बिक्री बढ़ाने की बातें कही गई हैं।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्य प्रतिक्षित कूटनीतिक वार्ता संपन्न हो गई। इस समस्त कूटनीतिक वार्ता का निचोड़ निकालें तो अमेरिकन राष्ट्रपति ट्रंप की कुटील कूटनीति स्पष्ट तौर पर उभरकर सामने आ जाती है। कूटनीतिक वार्ता के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बड़े राजनेता के मुकाबले में एक बड़े व्यापारी के चरित्र के साथ अपना अंध-राष्ट्रवादी प्रेजिडेंशियल आचरण बाकायदा पेश किया है। मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के नारे का कुटिल कूटनीतिक नकाब धारण किए हुए, डोनाल्ड ट्रंप वस्तुतः अमेरिका को और अधिक दौलतमंद अमीर और ताकतवर मुल्क बना देने की मुहीम में बाकायदा जुट गए हैं, ताकि नव-साम्राज्यवादी फितरत वाला अमेरिका दुनिया पर और अधिक आर्थिक और राजनीतिक कहर बरपा सके। विश्व स्वास्थ्य संगठन और अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण संधि से अमेरिका को पृथक कर लेने वाली ट्रंप की हुकूमत आखिरकार किस तरह से जॉर्ज वाशिंगटन और अब्राहम लिंकन के ऐतिहासिक तौर पर महान रहे अमेरिका को एक दफा फिर से महान बनाने की परिकल्पना में डुबकियां लगा रही है।

रक्षा सामग्री की बिक्री बढ़ाने की बातें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई कूटनीतिक वार्ता के तत्पश्चात प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया कि भारत और अमेरिका के मध्य विद्यमान 45 अरब डॉलर के व्यापार घाटे को घटाने के लिए अमेरिका द्वारा भारत को एफ-35 फाइटर जेट सहित अधिक तेल, गैस और सैन्य हार्डवेयर विक्रय किए जाएंगे। वर्ष 2025 में अमेरिकन प्रेसिडेंट के पद पर सत्तासीन होते ही ट्रंप द्वारा भारत को रक्षा सामग्री की बिक्री बढ़ाने की बातें कही गई हैं। ट्रंप ने फरमाया कि अमेरिका द्वारा भारत को कई अरब डॉलर की रक्षा सामग्री की बिक्री की जाएगी और भारत को एफ-35 फाइटर जेट बेचने के तौर-तरीके अमेरिका तलाश करेगा। उल्लेखनीय है कि भारत और अमेरिका द्वारा जारी संयुक्त बयान में भारत द्वारा एफ-35 फाइटर जेट की खरीदारी के विषय में कहीं कोई भी उल्लेख नहीं है। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने फरमाया कि एफ-35 फाइटर जेट बेचने की अमेरिका द्वारा भारत को पेशकश की गई है। भारत के समक्ष रूस में निर्मित एसयू-57 फाइटर जेट को खरीदने का सशक्त विकल्प पहले से ही विद्यमान है, जोकि अमेरिका में निर्मित एफ-35 लड़ाकू विमान के मुकाबले तकरीबन आधी कीमत में भारत के लिए उपलब्ध है। एस-यू 57 फाइटर जेट सैन्य तकनीकी दृष्टि से एफ-35 फाइटर जेट से कहीं अधिक बेहतर करार दिया जाता है। अमेरिका के एफ-35 फाइटर जेट की कीमत तकरीबन 6000 करोड़ रुपये से लेकर 8000 करोड़ रुपये तक है, जबकि रूस के एसयू-57 फाइटर जेट की कीमत तकरीबन 3000 करोड़ से लेकर 4000 करोड़ रुपये तक है। रूस की पुतिन सरकार की सबसे महत्वपूर्ण पेशकश यह है कि एसयू-57 फाइटर जेट को भारत में ही निर्मित करने के लिए रूस अपनी वैज्ञानिक तकनीक बाकायदा उपलब्ध कराएगा। जबकि अमेरिकन ट्रंप हुकूमत एफ-35 फाइटर जेट के निर्माण की तकनीक की अनुमति भारत को प्रदान करने के लिए तैयार नहीं है। उल्लेखनीय है कि भारत और अमेरिका के मध्य व्यापार संतुलन अभी तक भारत के पक्ष में रहा है और भारत लगभग दो लाख करोड़ रुपयों की सामग्री का अमेरिका से आयात करता है और तकरीबन 4 लाख करोड़ के सामान का निर्यात करता है। इस तरह तकरीबन 2 लाख करोड़ रुपये का व्यापार मुनाफा भारत के पक्ष में रहता है।

रिसिप्रोकल टैरिफ लगाएगा अमेरिका

नरेंद्र मोदी से मुलाकात के एक दिन पहले ही डोनाल्ड ट्रंप ने बयान दिया था कि अमेरिकन प्रशासन प्रत्येक देश पर रिसिप्रोकल टैरिफ आयाद करेगा। ट्रंप ने यह भी कहा था कि हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकन माल पर आयद अनुचित टैरिफ को घटाने की घोषणा की है, जो कि भारतीय बाजार में अमेरिकी सामान की पहुंच को कम कर देता है। डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट तौर पर कहा था कि भारत जो भी टैरिफ अमरीकी माल पर आयाद करेगा उसी अनुपात में अमेरिका भी उतना टैरिफ भारतीय माल पर भी आयाद कर देगा। वर्ष 2030 तक नरेंद्र मोदी ने भारत और अमेरिका के मध्य व्यापार को दो गुना कर देने की बात भी कही है। अमेरिका में अवैध तौर पर निवास कर रहे अप्रवासी भारतीयों के विषय में मोदी ने कहा कि इस संवेदनशील समस्या पर हम दोनों के खयालात एक समान ही रहे हैं और अमेरिका में अवैध रूप से निवास कर रहे, किसी भारतीय का सत्यापन हो जाता है तो उन्हें भारत वापस में लेने के लिए भारत पूरी तरह से तत्पर है। उल्लेखनीय है कि भारत के विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने संसद में बयान दिया था कि भारत सरकार द्वारा अमेरिकी सरकार से बात करके यह सुनिश्चित किया जाएगा कि अवैध तौर पर अमेरिका में रह रहे भारतवासियों के साथ वापस भेजते समय कोई दुर्व्यवहार नहीं किया जाएगा, जिस तरह का दुर्व्यवहार हथकड़ी और बेड़ियां लगाकर अप्रवासी भारतवासियों के साथ किया जा चुका है।

अमानवीय व्यवहार पर आश्वासन नहीं

अमेरिका के अमानवीय व्यवहार पर मोदी सरकार की विपक्ष द्वारा कटु आलोचना की गई थी और भारत के आम नागरिकों में भी अमेरिका के विरुद्ध बहुत गुस्सा प्रकट हुआ था। दुर्भाग्य से भारच-अमेरीकी कूटनीतिक वार्ता में इस तरह का कोई भी आश्वासन प्रेसिडेंट ट्रंप द्वारा नरेंद्र मोदी को नहीं दिया गया। भारतीयों के लिए एच-वन बी वीजा व्यवस्था बनाए रखने के लिए कोई स्पष्ट उल्लेख अमेरिका-भारत के साझा बयान में नहीं किया गया है। भारत में सन् 2008 में मुंबई पर अंजाम दिए गए आतंकवादी आक्रमण के साजिशकर्ता दहशतगर्द तहव्वुर राणा को अमेरिका से भारत में प्रत्यार्पित किए जाने की अनुमति देने के लिए मोदी ने ट्रंप को धन्यवाद अदा किया है। नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात पहली बार अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में वर्ष 2017 में हुई थी। इसके बाद दोनों राजनेताओं के मध्य एक बेहतरीन व्यक्तिगत दोस्ती विकसित हुई। अमेरिका के हुयूस्टन नगर में हाउडी मोदी और भारत के अहमदाबाद नगर में नमस्ते ट्रंप के सार्वजनिक कार्यक्रमों के दौरान यह दोस्ती और अधिक डंका बजा गई।

टैरिफ कटौती में भारत को रियायत नहीं

व्हाइट हाउस में विगत मुलाकात के दौरान प्रेसिडेंट ट्रंप ने फरमाया कि आई मिस यू मिस्टर मोदी एट ऑल। सर्वविदित है कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में राजनेताओं की व्यक्तिगत दोस्ती से कहीं ऊपर उठकर देशों के राष्ट्रीय हित कारगर तौर पर शक्तिशाली होते हैं। भारत के लिए टैरिफ कटौती के प्रश्न पर प्रेसिडेंट ट्रंप द्वारा भारत को कदाचित कोई रियायत प्रदान नहीं की गई है। वर्ष 2021 तक भारत वस्तुतः अमेरिकन तेल के लिए एक बड़ा बाजार था। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौर में भारत ने बड़े पैमाने पर रूस से बाजार की तुलना में अपेक्षाकृत सस्ता तेल आयात करना प्रारंभ किया। प्रेसिडेंट ट्रंप के तमाम कूटनीतिक दबाव के बावजूद भारत भविष्य में तय करेगा कि उसको अमेरिका से कितना तेल और गैस खरीदना है, यह तो तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों पर आधारित होगा। ईरान के साथ भारत के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक तौर पर प्रगाढ़ संबंध रहे हैं। ईरान के चाबहार बंदरगाह का निर्माण भारत कर रहा है। चाबहार बंदरगाह वस्तुतः ईरान और अफगानिस्तान के माध्यम से मध्य एशिया के साथ भारत की त्वरित कनेक्टिविटी कायम करने के लिए भारत की सामरिक रणनीति का हिस्सा है। प्रेसिडेंट ट्रंप की कूटनीति में ईरान जबरदस्त निशाने पर रहा है। क्या भारत फिर से अमेरिका कूटनीति के कुटिल दबाव में ईरान से तेल का आयात करना बंद कर देगा और चाबहार बंदरगाह का निर्माण कार्य रोक देगा, कदाचित नहीं। भारत अपने राष्ट्रीय हितों की अनदेखी कदापि नहीं कर सकेगा? भारत ने अमेरिका के जबरदस्त कूटनीतिक बावजूद रूस से तेल आयात करना कदाचित बंद नहीं किया, बल्कि आयातित तेल की मात्रा और अधिक बढ़ा दी गई है। क्वॉड के रणनीतिक मोर्चे पर भारत और अमेरिका सामरिक तौर पर साझेदार बने रहे हैं। क्वॉड मोर्चा वस्तुतः चीन के विस्तारवाद के विरुद्ध ही निर्मित हुआ था, और इसमें ऑस्ट्रेलिया और जापान दूसरे दो प्रमुख देश भी शामिल रहे हैं। इस वर्ष क्वॉड का वार्षिक सम्मेलन भारत में आयोजित होना है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रेसिडेंट ट्रंप को शिरकत करने का निमंत्रण दिया जा सकता है। चीन के विस्तारवाद पर और लद्दाख में उत्पन्न हुए सैन्य तनाव के बाद भारत और चीन के संबंधों के विषय में प्रेसिडेंट ट्रंप ने कहा कि लद्दाख में रक्त रंजित सैन्य झड़प बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण और भयानक थी और भारत-चीन सरहद पर घटित हुई सैन्य झड़प आगे फिर ना हो, मैं इसमें क्या मदद कर सकता हूं? उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में भारत, रूस और अमेरिका एक साथ आ जाएंगे। उल्लेखनीय है कि अमेरिका और चीन के मध्य शिथिल हुई ट्रेड वार डोनाल्ड ट्रंप के प्रेसीडेंशियल दौर में एक बार फिर से तीव्र गति से परवान चढ़ सकती है। क्योंकि अमेरिका और चीन के मध्य व्यापार संतुलन में चीन का पलड़ा बहुत अत्यधिक भारी रहा है और अमेरिका-चीन व्यापार में अमेरिका का व्यापार घाटा तकरीबन 295 बिलीयन डॉलर का है।

भारत से दोस्ती कायम रखने की ट्रंप से उम्मीद

भारत, मध्य पूर्व और यूरोपियन इकोनॉमिक कॉरिडोर पर प्रेसिडेंट ट्रंप ने कहा कि दुनिया में ऐतिहासिक रूप है। यह महान व्यापारिक मार्ग में से एक सिद्ध होगा, जिसके निर्माण में अमेरिका और भारत एक साथ काम करने के लिए सहमत हुए हैं। वस्तुतः चीन के विस्तार बात के विरुद्ध और ताइवान के हिफाजत करने के लिए भारत कूटनीतिक तौर पर अमेरिका के लिए एक विवशता है। अन्यथा सन् 1947 के बाद से ही जब से भारत आजाद हुआ और पाकिस्तान का निर्माण हुआ, अमेरिका सदैव पाकिस्तान का प्रबल पक्षधर बना रहा और पाकिस्तान को अपने नेतृत्व में सैन्य संधि सेंटो में भी शामिल किया था। अमेरिका द्वारा पाकिस्तान की सैनिक सरकार को आधुनिकतम अस्त्र-शस्त्र प्रदान किए गए। प्रेसिडेंट ट्रंप ने अपने प्रथम कार्यकाल में पाकिस्तान के वास्तविक चरित्र को किसी हद तक पहचाना था और अमेरिका ने पाकिस्तान से दूरियां बनाकर उसकी सैन्य सहायता को रोका था। न्यूयॉर्क ट्रेड सेंटर पर अंजाम दिए गए 9/11 के आतंकवादी आक्रमण के बाद भारत और अमेरिका निकट आए और वैश्विक जेहादी आतंकवाद के विरुद्ध एकजुट हुए। अमेरिका के राष्ट्रीय हित ही सही, उम्मीद है कि डोनाल्ड ट्रंप भारत के प्रति अपनी दोस्ती को कायम बनाए रखेंगे।

चुनौतियों में कारोबार की नई संभावनाएं

द्विपक्षीय वार्ता
डॉ.जयंतीलाल भंडारी
वरिष्ठ अर्थशास्त्री

हाल ही में 14 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच व्हाइट हाउस में हुई द्विपक्षीय वार्ता के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप एक हाथ से देने और दूसरे हाथ से लेने में अच्छी तरह से कामयाब दिखाई दे रहे हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि द्विपक्षीय वार्ता के दौरान रणनीतिक रूप से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप निष्पक्ष, मुक्त, पारस्परिक व्यापार के लिए एक योजना के तहत आगे बढ़े हैं और यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि अमेरिका अब भारत की ओर से बहुत ज्यादा टैरिफ वसूले जाने को बर्दाश्त नहीं करेगा तथा रेसिप्रोकल टैरिफ यानी पारस्परिक समान टैरिफ से व्यापार असंतुलन की चिंताओं को कम करेगा। ट्रंप ने सभी देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ यानी प्रतिस्पर्धात्मक शुल्क लगाने का ऐलान किया। ट्रंप ने कहा कि जो देश अमेरिका पर जितना टैरिफ लगाता है, उस पर अमेरिका भी उतना ही टैरिफ लगाएगा। गौरतलब है कि द्विपक्षीय वार्ता में भारत और अमेरिका दोनों देशों ने व्यापार निवेश, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और रक्षा क्षेत्र में कारोबार तथा वैश्विक व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत बनाने पर सहमति जताई है।

500 अरब डालर का लक्ष्य तय

दोनों देशों ने अमेरिका के व्यापार घाटे को कम करने, व्यापार पर गतिरोध के बीच टैरिफ को कम करने, अधिक अमेरिकी तेल, गैस और लड़ाकू विमानों की खरीदी के बारे में बात करने और रियायतों पर भी सहमति व्यक्त की है। दोनों देशों ने द्विपक्षीय बातचीत के दौरान भारत और अमेरिका के बीच वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार के लिए 500 अरब डालर का लक्ष्य निर्धारित किया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका अरबों डॉलर की सैन्य आपूर्ति बढ़ाने के तहत भारत को एफ-35 लड़ाकू विमान उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। ट्रंप ने कहा कि भारत और अमेरिका भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) के निर्माण के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए हैं।

निश्चित रूप से प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप के बीच हुई अत्यधिक उत्साहजनक और सकारात्मक द्विपक्षीय वार्ता के बाद भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ संबंधी चुनौतियों के बावजूद कारोबार के नए ऐतिहासिक अध्यायों की डगर आगे बढ़ने की संभावनाएं उभरकर दिखाई दे रही हैं। चूँकि ट्रंप भारत की ओर से अमेरिकी उत्पादों पर बहुत ज्यादा टैरिफ लगाने की शिकायत करते हुए भारत पर भी टैरिफ लगाने की बात लगातार कहते आए हैं। अब उनके द्वारा घोषित रेसिप्रोकल टैरिफ की नीति से भारत के भी अधिक टैरिफ वसूली की सीमा में आने की आशंका है। भारत ने पहले से ही इस बात को समझा है कि ट्रंप एक हाथ से लेने व दूसरे हाथ से देने में विश्वास करते हैं। यही कारण है कि भारत ने देखते ही देखते अपने यहां कुछ अमेरिकी सामान पर टैरिफ कम करना शुरू कर दिया।

भारत ने आयात शुल्क घटाए

एक फरवरी को पेश वर्ष 2025-26 के बजट में भारत ने अमेरिका से आने वाली वस्तुओं जैसे महंगी मोटरसाइकिल, सैटेलाइट के लिए ग्राउंड इंस्टॉलेशन और सिंथेटिक फ्लेवरिंग एसेंस जैसे कुछ सामानों पर शुल्क घटा दिए हैं। साथ ही अब द्विपक्षीय वार्ता के आधारों पर दोनों देश एक-दूसरे के लिए उपयुक्त टैरिफ की डगर पर आगे बढ़ेंगे। निःसंदेह ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में वैश्वीकरण की जगह 'मेरा अमेरिका प्रथम' की धारणा को उच्च प्राथमिकता देते हुए अमेरिका की आत्मनिर्भरता की डगर पर बढ़ना शुरू कर दिया है। यह भी उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों जहां एक फरवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा और मैक्सिको पर 25 फीसदी और चीन पर एक्स्ट्रा 10 फीसदी टैरिफ का ऐलान किया, वहीं 4 फरवरी को चीन ने पलटवार करते हुए अमेरिका पर 15 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। इससे अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वार का नया दौर शुरू हो गया है।

ट्रेड वार में भारत के लिए अवसर

यह ट्रेड वार भारत के लिए नए अवसर खोल सकता है। ऐसी अनुकूलता के बावजूद भी भारत के सामने नई द्विपक्षीय वार्ता से निर्मित चुनौतियों से निपटने की चिंताएं हैं। यह बात महत्वपूर्ण है कि व्हाइट हाउस की ओर से रेसिप्रोकल टैरिफ पर जारी एक फैक्ट्स शीट में कहा गया है कि अमेरिका जिन देशों को मोस्ट फेवर्ड नेशन (एमएफएन) का दर्जा देता है, उनके कृषि उत्पादों पर औसतन 5 फ्रीसदी टैरिफ लगाता है, लेकिन भारत जिन देशों को मोस्ट फेवर्ड नेशन (एमएफएन) का दर्जा देता है, उनके कृषि उत्पादों पर भारी टैरिफ लगाता है।

बराबर टैरिफ चाहते हैं ट्रंप

ट्रंप दोनों तरफ से बराबर टैरिफ चाहते हैं। यह बात महत्वपूर्ण है कि अगर ट्रंप प्रोडक्ट के ऊपर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाएंगे, तो भारत पर अधिक असर नहीं पड़ेगा क्योंकि अमेरिका जो प्रोडक्ट भारत निर्यात करता है, वो कई प्रोडक्ट भारत अमेरिका को नहीं भेजता है। लेकिन अगर अमेरिका सेक्टर के तहत टैरिफ लगाता है, तो हो सकता है कि भारत को कुछ उत्पादों के निर्यात में मुश्किल का सामना करना पड़े। ऐसे में अमेरिका के रेसिप्रोकल टैक्स से काफी असर पड़ सकता है। बहुत सारे उत्पाद जैसे टेक्सटाइल और कृषि उत्पादों में भारत का आयात शुल्क ज़्यादा है, अगर अमेरिका भी वैसे आयात शुल्क उन्हीं सेक्टर के अलग-अलग प्रोडक्ट में लगाने लगे, तो भारत के लिए काफी मुश्किल हो जाएगी। रेसिप्रोकल टैरिफ से भारत का निर्यात प्रभावित होगा। टैरिफ के अलावा अमेरिका ने द्विपक्षीय वार्ता में कहा है कि भारत को अमेरिका से ज्यादा तेल मंगाना होगा। ऐसे में इस समय सबसे अधिक तेल कम मूल्यों पर रूस से स्थानीय मुद्रा रूबल के भुगतान से प्राप्त हो रहा है, वह अधिक मात्रा में अमेरिका से लेने पर डॉलर में भुगतान करना होगा। चूंकि इस समय डॉलर की तुलना में रुपये का मूल्य अब तक के सबसे निचले स्तर पर है।

यूएस टैरिफ वार की दहशत में बाजार

अर्थव्यवस्था
शंभू भद्र
वरिष्ठ आर्थिक पत्रकार

अमेरिका ने अब नया युद्ध छेड़ा है। अमेरिका को ग्रेट बनाने के लिए। टैरिफ वार। इसके लिए किसी को भी नहीं बख्शा जाएगा। मित्र राष्ट्र को भी नहीं। यानी भारत को भी नहीं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से वार्ता से कुछ ही घंटे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी रेसिप्रोकल टैरिफ (जैसे को तैसा शुल्क) के प्रस्ताव पर मुहर लगाई और मोदी के साथ वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस संबोधन में भारत पर रेसिप्रोकल टैरिफ आयद संबंधी सवाल पूछने पर ट्रंप ने छूटते ही कहा कि भारत भी मुक्त नहीं है। अमेरिका के रेसिप्रोकल टैरिफ नियमों से वैश्विक स्तर पर ट्रेड वार के तेज होने की संभावना है। इससे जहां दुनिया के स्टॉक मार्केट वोलेटाइल हालत में है, वहीं भारत समेत अनेक देश के निर्यात प्रभावित होंगे। माना जा रहा है कि अमेरिका का रेसिप्रोकल टैरिफ का फैसला चीन व कनाडा को अधिक प्रभावित करेगा, लेकिन हकीकत में विश्व के अनेक देशों पर असर पड़ेगा। अमेरिका में गत 20 जनवरी को सत्ता संभालने के दिन से ही वैश्विक अर्थव्यवस्था में कई किंतु-परंतु का दौर शुरू है। सबसे अधिक शेयर बाजार प्रभावित हो रहे हैं। बाजार उठापटक तेज है, शेयरों का गिरना जारी है। अच्छी कंपनियों के शेयर भी चपेट में हैं। भारतीय स्टॉक मार्केट भी डर डर कर सरक रहा है।

शेयर बाजार में अनिश्चितता

अब रेसिप्रोकल टैरिफ के फैसले के बाद शेयर बाजारों के और अधिक दहशत में रहने की संभावना बढ़ गई है। यह दौर कब कैसे थमेगा, कहना मुश्किल है। अप्रैल से लागू होने वाले ट्रंप के रेसीप्रोकल टैरिफ का असर भारत, जापान व यूरोपीय यूनियन सहित कई देशों पर पड़ेगा। यूएस निर्यात पर भारत का हाई टैरिफ रेट औसतन 9.5 फीसदी है, जबकि अमेरिका भारतीय सामानों पर केवल 3 फीसदी टैरिफ लगाता है। ऐसे में रेसीप्रोकल टैरिफ के चलते भारतीय निर्यातकों को अधिक शुल्क देना होगा। भारत के फूड प्रोडक्ट, सब्जियां, टेक्सटाइल और क्लॉथिंग सेक्टर के सबसे अधिक प्रभावित होने की संभावना है। इलेक्ट्रिकल मशीनरी, रत्न और आभूषण, फार्मा प्रोडक्ट, ऑटो, केमिकल, वाहन, ईंधन, लोहा और स्टील जैसे उत्पाद भारत अमेरिका को निर्यात करता है। भारत और अमेरिका के ट्रेड रिलेशन्स काफी कॉम्लेक्स हैं। जवाबी टैरिफ के ऐलान के बाद कॉम्लीकेटेड होने के आसार बढ़ गए हैं। अभी भारत करीब 30 उत्पादों पर टैरिफ कम करने के बारे में सोच रहा है, साथ ही व्यापार संबंधी तनावों को कम करने के लिए अमेरिका से डिफेंस और एनर्जी उत्पादों का आयात बढ़ाएगा।

अमेरिका में भारत बड़ा निर्यातक

अमेरिका में भारत बड़ा निर्यातक है। अमेरिकी आयात में भारत का योगदान 18 फीसदी है। 2021-24 में अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार था। अप्रैल-नवंबर 2024-25 में अमेरिका 82.52 अरब अमेरिकी डॉलर के आपसी व्यापार (52.89 अरब अमरीकी डॉलर का निर्यात, 29.63 अरब अमेरिकी डॉलर का आयात और 23.26 अरब अमेरिकी डॉलर का व्यापार अधिशेष) के साथ भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार था। अभी करीब 38 अरब डॉलर व्यापार घाटा भारत के पक्ष में है। ट्रंप की जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा से भारत और अमेरिका के बीच अनिश्चित व्यापार माहौल उत्पन्न हो गया है। इसके बाद दोनों मुल्क व्यापार समझौतों को बढ़ावा देंगे।आपसी व्यापार समझौते की योजना से दोतरफा वाणिज्य को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है। भारत को घरेलू उद्योगों की सुरक्षा और अमेरिका को निर्यात बढ़ाने के लिए सावधानी से कदम उठाने चाहिए। वाशिंगटन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ वार्ता के बाद ट्रंप ने घोषणा की है कि भारत व्यापार घाटे को कम करने के लिए अमेरिका से अधिक तेल, गैस तथा सैन्य उपकरण खरीदेगा, हालांकि इस पर भारत अभी चुप है। आर्थिक शोध संस्थान 'ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव' (जीटीआरआई) के मुताबिक, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि जवाबी शुल्क विशिष्ट उत्पादों या समूचे क्षेत्रों पर लागू होगा। भारतीय निर्यात संगठनों का महासंघ (फियो) के मुताबिक, भारत को घरेलू उद्योगों की सुरक्षा तथा लक्षित कूटनीति के जरिये अमेरिका को निर्यात बढ़ाने के बीच संतुलन बनाना होगा। एक सीमित तरजीही व्यापार समझौता पूर्ण पैमाने पर एफटीए (मुक्त व्यापार समझौता) की आवश्यकता के बिना शुल्क संबंधी चिंताओं को और कम कर सकता है। जवाबी शुल्क वास्तव में डब्ल्यूटीओ (विश्व व्यापार संगठन) के नियम के विरुद्ध हैं। जवाबी शुल्क एक अत्यधिक समस्याग्रस्त मुद्दा है, क्योंकि ऐसे कई कारक हैं जिन्हें अमेरिका अपने सीमा शुल्कों पर निर्णय लेते समय ध्यान में रखेगा। सीमा शुल्क उनमें से एक कारक है। जवाबी शुल्क लगाने से ट्रंप प्रशासन भारत को कृषि जैसे क्षेत्रों पर शुल्क कम करने के लिए मजबूर कर सकता है, अन्यथा अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर अधिक शुल्क लगा देगा। वैसे जीटीआरआई का मानना है कि अमेरिका के रेसीप्रोकल टैरिफ से भारत को अधिक नुकसान नहीं होगा। इसके पीछे तर्क है कि दोनों देशों के निर्यात पॉकेट में काफी अन्तर है। जो सामान भारत निर्यात करता है, वही सामान भारत अमेरिका से आयात नहीं करता है। तो अमेरिकी टैरिफ का फर्क नहीं पड़ेगा। भारत को होने वाले अमेरिकी निर्यात के 75 प्रतिशत मूल्य पर औसत शुल्क पांच प्रतिशत से कम है। इसके विपरीत, भारत को कपड़ा, परिधान तथा जूते जैसी कई श्रम-प्रधान वस्तुओं पर उच्च अमेरिकी शुल्क का सामना करना पड़ रहा है, जो कई उत्पादों पर 15-35 प्रतिशत के बीच है। अमेरिका पहले ही इस्पात तथा एल्युमीनियम पर 25 प्रतिशत का शुल्क लगाने की घोषणा कर चुका है जो उसकी जवाबी शुल्क की कार्रवाई से परे है।

लहर नहीं सुनामी थी, निगमों से कांग्रेस का नामोंनिशान तक मिटा दिया

चुनाव विशेष

नगरीय निकाय चुनावों में जिस तरह से माहौल था उससे आम जनता को भी आभास हो चुका था कि नगर सरकार भाजपा की आने वाली है। आत्मविश्वास में जिस तरह से फर्क था, उससे भी यह पता लगाना आसान था। जहां भाजपा के बड़े नेता दावा कर रहे थे कि सभी नगर निगमों में पार्टी जीत हासिल करेगी, वहीं कांग्रेस के बड़े नेताओं के उम्मीद की सुई छह-सात नगर निगमों पर ही टिकी थी। जब नतीजे आये तो सभी को यह महसूस हुआ कि जिसे वे लहर समझ रहे थे, वो तो भाजपा की सुनामी थी जिसने नगरीय निकायों से कांग्रेस के अंतिम पदचिन्हों तक को हटा दिया।

शहरी सरकार के लिए इस अभूतपूर्व जनादेश के कई कारण हो सकते हैं। सबसे पहले तो इसके लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को श्रेय दिया जाना चाहिए। जगदलपुर से लेकर अंबिकापुर तक उन्होंने धुआंधार प्रचार किया और सभी निगमों में कांग्रेस का सूपड़ा साफ कर दिया। एक साल के भीतर जिस तरह से उन्होंने मोदी की गारंटी को क्रियान्वित किया और जनादेश परब मनाया, इससे आम जनता का भरोसा दृढ़ हुआ और उन्होंने तय कर लिया कि डबल इंजन की इस सरकार में एक तीसरा इंजन जोड़ने का वक्त आ गया है।

विष्णु का सुशासन, यह टैगलाइन भी काम कर रहा है। जनता ने देखा कि भ्रष्टाचार पर साय सरकार ने ताबड़तोड़ कार्रवाई की है। साफ पारदर्शी प्रशासन का सरकार का दावा जमीन में नजर आ रहा है। विष्णु देव साय की साफ, सरल छवि भी जीत का एक बड़ा कारण है। उनका अहंकार से मुक्त स्वभाव लोगों को भाता है यह ऐसा गुण है जो राजनीति में बेहद दुर्लभ है और कई बार अच्छी कार्यकुशलता के बावजूद केवल इसी कमी की वजह से जनता चुनावों में हेकड़ी निकाल देती है।

अक्सर चुनावी रणनीतिकार कहते हैं कि राजधानी के मतदाताओं के मूड से पूरे प्रदेश का चुनावी मूड तय होता है ऐसे में रायपुर पर नजर डालना जरूरी है। ऐसा लगता है कि कांग्रेस को तबाह करने वाली सुनामी के केंद्र में रायपुर था और रायपुर में भी इसका सबसे ज्यादा असर दिखा, पूर्व महापौर एजाज ढेबर के वार्ड में। यहां उन्हें 15 सौ वोटों से हार मिली। इसका साफ मतलब है कि उन्हें बहुत से अल्पसंख्यक वोट भी नहीं मिले होंगे।

अब जब कांग्रेस नतीजों का मंथन करेगी तो पांच साल पहले की गई उस गलती पर जरूर पश्चाताप होगा जब महापौर का निर्वाचन अप्रत्यक्ष कर दिया गया था। संगठनात्मक रूप से कांग्रेस और भाजपा की चुनावी तैयारियां देखें तो बहुत फर्क नजर आता है। भाजपा ने विष्णु देव साय के नेतृत्व में एक संगठित चुनाव लड़ा। कांग्रेस के दिग्गज नेता बिखरे रहे और चुनावों के बीच में ही भविष्य के नेतृत्व के लिए भी चर्चा करते रहे, जनता के बीच गुटबाजी सामने आ चुकी थी।

भाजपा का माइक्रो मैनेजमेंट शानदार रहता है और इस बार भी दिखा। परिसीमन होने के बाद कांग्रेस को ज्यादा तैयारियां करनी थीं लेकिन ऐसा कुछ नजर नहीं आया। भाजपा ने बूथवार तैयारी की और इसका असर वार्डों में भी जीत के रूप में दिखा।

जब मुख्यमंत्री ने प्रेसवार्ता ली तो साल भर की कड़ी मेहनत की चमक उनकी आँखों में साफ नजर आ रही थी। भूपेश बघेल उन पर मीडिया में, सभाओं में हमले करते रहते हैं और जशपुर में उनके गृह जिले में भी नगरीय निकायों के चुनाव के दौरान उन्होंने ऐसा ही किया लेकिन अपने स्वभाव के अनुकूल वे शांत रहे। प्रेस वार्ता में किसी ने उनसे पूछा कि भूपेश बघेल को कांग्रेस ने राष्ट्रीय महासचिव बनाया है आप क्या सोचते हैं। इसके उत्तर में उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय महासचिव बनने की खुशी में उनकी विधानसभा के मतदाताओं ने उन्हें गिफ्ट दे दिया है। पाटन की ओर से जशपुर में अपने प्रतिद्वंदी के लिए जो सवाल भूपेश छोड़ आये थे, उसके जवाब के लिए पुख्ता समय चुनते हुए साय ने हिसाब बराबर कर दिया।

कांग्रेस के सबसे दुर्भेद्य गढ़ माने जाने वाले छत्तीसगढ़ में उनका गढ़ दरकने लगा है और आज नगरीय निकाय चुनावों में जो क्षति पहुंची है, उसकी पूर्ति के लिए कड़ी मेहनत पार्टी को करनी होगी। वहीं अब ट्रिपल इंजन की सरकार हो जाने से जनाकांक्षाओं की पूर्ति करना साय सरकार के लिए आसान होगा।

शहरी मतदाताओं के बीच जिनमें बड़ी संख्या ऐसे लोगों की होती है जो फ्रीबीज का लाभ नहीं लेते, चुनाव काफी कठिन हो जाता है और ऐसे में एक सुनामी जनादेश से नतीजे अपने पक्ष में करना निःसंदेह विष्णु देव साय के रिपोर्ट कार्ड में चार चाँद लगाता है।

अमेरिका, पाक और रूस की आबादी से ज्यादा लोगों ने किया स्नान

महाकुंभ अब समापन की ओर बढ़ रहा है। अभी भी यहां पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब थमने का नाम नहीं ले रहा है। सरकार ने इस महाकुंभ मेले में देश विदेश से 45 करोड़ के श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद जताई थी। यह संख्या कई देशों से भी ज्यादा है

600 से अधिक बुजुर्ग कर चुके स्नान

यहां अब तक 600 से अधिक बुजुर्गों को संगम स्नान कराया जा चुका है। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यह पहल न केवल बुजुर्गों के सम्मान और सुविधा को बढ़ावा देती है, बल्कि समाज में सेवा और समरसता की मिसाल भी पेश करती है।

एजेंसी ▶▶ प्रयागराज

महाकुंभ अब समापन की ओर बढ़ रहा है पर अभी भी श्रद्धालुओं का जनसैलाब थमने का नाम नहीं ले रहा है। महाकुंभ में श्रद्धालुओं के आगमन के 51 करोड़ की शुभ संख्या का आंकड़ा पार कर लिया है। यह आंकड़ा सरकार के अनुमानों के कहीं ज्यादा है। सरकार ने इस महाकुंभ मेले में देश विदेश से 45 करोड़ के श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद जताई थी। यह संख्या कई देशों की आबादी से भी ज्यादा है।

शनिवार को 51 करोड़ की शुभ संख्या का आंकड़ा पार

सीएम योगी के नाम के जयकारे लगे

पैदल चलने के बावजूद श्रद्धालु यहां की गई व्यवस्थाओं को लेकर काफी खुश हैं। उनका कहना है कि उन्हें यहां दिव्य अनुभूति हो रही है। श्रद्धालुओं की भीड़ बीच-बीच में हाथ उठाकर सीएम योगी आदित्यनाथ के नाम के जयकारे भी लगा रही है।

34वें दिन में ही बना रिकॉर्ड

संगम नगरी में 13 जनवरी से महाकुंभ शुरू हुआ था, यह इस माह 26 फरवरी तक चलेगा। ऐसे में महाकुंभ में 34वें दिन ही 51 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। शनिवार को एक करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने स्नान किया। खास बात है कि अमेरिका और चीन की कुल आबादी के बाद तीसरी सबसे बड़ी आबादी के बराबर लोग तो महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। महाकुंभ की भीड़ में कोई समानता नहीं है।

महाशिवरात्रि के बाद भी रहेंगी सुविधाएं, लोग नाव से संगम स्थल पर कर सकेंगे स्नान

महाशिवरात्रि के बाद भी संगम क्षेत्र में सारी सुविधाएं रहेंगी। घाटों पर स्नान, सुरक्षा, चकर्ड प्लेट आदि सुविधाएं रहेंगी। नाव से संगम स्थल पर भी जाकर स्नान कर सकेंगे। हालांकि, महाकुंभ की समाप्ति के बाद पंडाल, प्रदर्शनी, विशेष जेटी आदि आकर्षण नहीं रहेंगे।

जनसैलाब थमने का नाम नहीं ले रहा

फडणवीस ने लगाई आस्था की डुबकी, विश्वनाथ के दर्शन किए

महाकुंभ में शुक्रवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने परिवार के साथ पवित्र संगम में आस्था की डुबकी लगाई। इसके बाद वे परिवार के साथ वाराणसी पहुंचे। उन्होंने परिवार के साथ काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन किए। एक्स पर दो तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, बनारस की गुलाबी ठंड और गरम चाय।

खबर संक्षेप

देश हित में की थी मोदी ट्रंप मुलाकात की तारीफ

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि उन्होंने देश हित में पीएम नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात की तारीफ की थी। थरूर ने कहा वे हमेशा केवल पार्टी के फायदे के बारे में नहीं सोचते हैं। थरूर ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पीएम मोदी के अमेरिका दौरे से भारत के लिए कुछ सकारात्मक परिणाम निकले हैं।

मान को धमकी, जालंधर में खालिस्तानी पोस्टर

जालंधर। पंजाब के सीएम भगवंत मान को धमकी दी गई है। यह धमकी किसी और ने नहीं बल्कि खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने दी है। पन्नू ने एक बार फिर देश के खिलाफ जहर उगला है। जालंधर के कस्बा नकोदर में पन्नू ने एक बार फिर खालिस्तान के समर्थन में पोस्टर लगाए हैं।

फैक्ट्री में गैस के रिसाव से 13 स्कूली बच्चे बेहोश

कोटा। कोटा में बड़ा हादसा हो गया। यहां कोटा-बारां हाईवे पर स्थित चंबल फर्टिलाइजर्स केमिकल लिमिटेड में गैस का रिसाव हो गय। इससे उसके पास ही स्थित स्कूल के एक दर्जन से ज्यादा बच्चे चपेट में आ गए। गैस के रिसाव से 13 बच्चे बेहोश हो गए। 7 को कोटा एमबीएस अस्पताल रेफर किया गया है।

ट्रैवलर गाड़ी हादसे का शिकार, 4 की मौत

लीमखेड़ा। गुजरात में श्रद्धालुओं को लेकर प्रयागराज महाकुंभ रही टाटा विंगर ट्रैवलर और ट्रक के बीच भयानक हादसा हुआ है। यह हादसा लीमखेडा के पाल्ली हाईवे पर हुआ, जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई और 8 लोग घायल हो गए हैं। ट्रक के पीछे खड़ी होने के दौरान ट्रैवलर ने टक्कर मार दी।

आदिकाल से काशी और तमिलनाडु का रहा महत्वपूर्ण रिश्ता

प्रयागे मुंडं, काशी दंडं, गया पिंडं, 'सुख साधन रहित आनंद' का प्रवाह दिखा

'काशी तमिल संगमम 3.0' की मुख्यमंत्री योगी ने की शुरुआत

शैव तमिलों की एक सतत धारा सदा बहती रही

जीवन में कम से कम एक बार काशी की धार्मिक यात्रा करना प्रत्येक तमिल के जीवन का लक्ष्य

एजेंसी ▶▶ वाराणसी

सीएम योगी आदित्यनाथ ने नमो घाट पर 'काशी तमिल संगमम 3.0' का उद्घाटन किया। योगी ने कहा कि मैं पीएम का आभारी हूं, जिनके नेतृत्व में लगातार तीसरी बार काशी तमिल संगमम का बाबा विश्वनाथ की पावन धरा पर शुभारंभ हो रहा है। ये हमारे लिए एक भारत श्रेष्ठ भारत के प्रधानमंत्री मोदी के विजन को आगे बढ़ाने के महायज्ञ का भाग है। योगी पुलिस लाइन से नमो घाट के लिए प्रस्थान कर नमो घाट पहुंचे और कार्यक्रम के उद्घाटन के साथ ही हर-हर महादेव का उद्घोष किया। इसके बाद वणक्कम काशी से मेहमानों का अभिवादन किया। उन्होंने कहा कि सनातन विश्व का सबसे बड़ा प्राचीन धर्म है। 'विशाल गंगा के रेत के कणों को गिनें, इतने सारे इंद्र, केवल एक ही अंतहीन ईश्वर है! 3 महान शैव तमिल कवियों में से एक अप्पार की इस रचना में गंगा के रेतकणों में प्रवाहित उनकी आस्था का प्रवाह दिखता है। 'प्रयागे मुंडं, काशी दंडं, गया पिंडं...' की मान्यता के वशीभूत आदिकाल से शिव के 'सुख साधन रहित आनंद' की तलाश में काशी प्रमुख रही है।

प्राचीन तमिल ग्रंथों में प्रयागराज, काशी और गया का उल्लेख किया गया

प्राचीन तमिल ग्रंथों में उत्तर भारत के तीन तीर्थ नगरों प्रयागराज, काशी व गया की महत्ता बताते हुए कहा गया है कि प्रयागराज में आत्मऋणण, काशी में देवऋण व गया में पितृऋण से मुक्ति मिलती है तथा मृत्यु के पश्चात आत्मा को बैकुंठ लोक में वास या मोक्ष की प्राप्ति होती है।

प्रयागराज उऋण होने का स्थान

पं. घनपाठी बताते हैं कि तमिल धर्मग्रंथों के अनुसार प्रयागराज में आत्मऋण से उऋण होने के लिए तमिल व अन्य दक्षिण भारतीय समुदाय के पुरुष लोग वहां पहुंचकर संगम तट पर अपना मुंडन कराते हैं। तत्पश्चात अपनी पत्नी की चोटी अपने हाथों से गूंथते हैं, इसके बाद चोटी का अंतिम सिरा काटकर उसके साथ सिंदूर, रोली, कुमकुम आदि मिलाकर बालों के इन गुच्छों को गंगा में प्रवाहित करते हैं।

काशी में करेंगे बाबा विश्वनाथ व माता विशालाक्षी के दर्शन

इस धार्मिक प्रक्रिया को मुंडन व वेणीदान कहा जाता है। इसके पश्चात काशी पहुंचकर सभी यहां काशीवास करते हैं। काशी में यह धार्मिक यात्रा कम से कम पांच दिनों की होती है। इस दौरान लोग बाबा विश्वनाथ व माता विशालाक्षी का दर्शन-पूजन करते हैं। इसके पश्चात दो दिना नौका में सवार होकर गंगा पूजन कर, गंगा के पांच घाटों पर असि, दशाश्वमेध, पंचगंगा, मणिकर्णिका व वुरुणा पर स्नान कर अपने पितरों की आत्मा की शांति व मोक्ष के लिए तर्पण-अर्पण करते हैं। इसके पश्चात माता अन्नपूर्णा का दर्शन कर अन्न-धन आदि का दान-पुण्य करते हैं। गया पहुंचकर भी पिंडदान कर पूर्वजों की आत्मा के मोक्ष के लिए प्रार्थना करते हैं। इन सबमें काशी की यात्रा देव ऋण से उऋण होने के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

काशी की आर्थिकी में तमिल धार्मिक यात्रा का महान योगदान

पं. घनपाठी बताते हैं कि तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना से प्रतिदिन हजारों की संख्या में लोग काशी दर्शन व देवयात्रा करने पहुंचते हैं। यहां नौकायन के साथ ही पूजा-पाठ की सामग्री, होटल, खान-पान की दुकानें, रिक्शा व टेंपो चालक उनके आगमन से लाभान्वित होते हैं। बहुत से लोग काशी की गलियों में नंगे पांव घूम-घूमकर लोग इस देवयात्रा को पूर्ण करते हैं।

देव ऋण से उत्तीर्ण होने की कामना

महीनों-वर्षों पैदल चलकर भगवान शिव की नगरी में देव ऋण से उत्तीर्ण होने की कामना से यहां पहुंचे तमिल समुदाय ने हनुमानघाट, केदारघाट और हरिश्चंद्र घाट के क्षेत्रों के मध्य काशी के बीचो-बीच एक लघु तमिलनाडु बसा दिया। तमिल समुदाय के वैदिक विद्वान व तीर्थ पुरोहित कर्मकांडी, श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के सदस्य पं. वेंकट रमण घनपाठी बताते हैं कि जीवन में कम से कम एक बार काशी की धार्मिक यात्रा करना प्रत्येक तमिल के जीवन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक लक्ष्य होता है।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सीएम योगी ने यहां हवाई सर्वे भी किया

इस कार्यक्रम का उद्घाटन से पहले उन्होंने महाकुंभ के पलट प्रवाह को देखते हुए काशी में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ का हवाई सर्वेक्षण किया। भीड़ की व्यवस्था और सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लेने के बाद सीएम ने काशी विश्वनाथ धाम में पूजा-अर्चना की।

महाराष्ट्र में लव जिहाद पर लगेगी लगाम जबरन धर्मांतरण पर भी होगी कार्रवाई

सरकार ने डीजीपी के नेतृत्व में बनाई 7 सदस्यीय उच्च समिति

- सचिवों के साथ ही गृह विभाग के उप-सचिव भी शामिल

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने भी अब लव जिहाद और जबरन धर्मांतरण के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए सरकार ने एक 7सदस्यीय समिति का गठन किया है। यह समिति लव जिहाद और जबरन धर्मांतरण रोकने के लिए कानूनी उपाय सुझाएगी। इस समिति का अध्यक्ष महाराष्ट्र के डीजीपी को बनाया गया है। कई अन्य राज्यों में भी कथित लव जिहाद और जबरन धर्मांतरण रोकने के लिए राज्य सरकारों ने कदम उठाए हैं और अब इस कड़ी में महाराष्ट्र भी शामिल होने जा रहा है। महाराष्ट्र सरकार ने जो समिति गठित की है, उसमें महाराष्ट्र के डीजीपी के अलावा महिला एवं बाल कल्याण विभाग, अल्पसंख्यक विभाग, कानून और न्यायपालिका विभाग, सामाजिक न्याय विभाग और विशेष सहायता विभाग के सचिवों के साथ ही गृह विभाग के उप-सचिव भी शामिल किए गए हैं।

उपाय-कानूनी पक्ष पर देगी सलाह

राज्य सरकार ने शुक्रवार को इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। आदेश में कहा गया है कि समिति अध्ययन के बाद बताएगी कि लव जिहाद और जबरन धर्मांतरण की घटनाओं से निपटने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं? साथ ही समिति अन्य राज्यों में इससे संबंधित कानूनों का भी अध्ययन करेगी। समिति इन्हें रोकने के प्रावधान भी सुझाएगी और इसके कानूनी पक्ष पर भी सलाह देगी। लव जिहाद टर्म का इस्तेमाल अक्सर दक्षिणपंथी कार्यकर्ताओं और संगठनों द्वारा किया जाता है। आरोप है कि मुस्लिम पुरुषों द्वारा हिंदू महिलाओं से शादी कर उनका इस्लाम में धर्मांतरण कराने की साजिश रची जा रही है।

महात्रे ने ड्रग तस्करी की समस्या बताई

शरद पवार की पार्टी एनसीपी एसपी के सांसद सुरेश महात्रे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। एनसीपी एसपी सांसद ने अमित शाह से ठाणे के भिवंडी इलाके में ड्रग तस्करों और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील की। सांसद ने बताया कि भिवंडी अपराधियों का गढ़ बन गया है और इलाके में अपराध और ड्रग तस्करी बढ़ रही है। वहीं केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने सांसदों को कार्रवाई का आश्वासन दिया और कानून प्रवर्तन एजेंसियो को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए।

एग्जिट गेट को कूदकर बाहर निकलते दिखे लोग

दिल्ली मेट्रो स्टेशन पर युवकों ने किया था हुड़दंग, एफआईआर दर्ज

सीसीटीवी के जरिए पहचान की जा रही

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली मेट्रो का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें कुछ लोग मेट्रो स्टेशन के एग्जिट गेट को कूदकर बाहर निकलते दिख रहे हैं। जिसके बाद दिल्ली मेट्रो का बयान आया है। डीएमआरसी के अनुसार उस दिन शब-ए-बारात थी। इससे स्टेशन पर

भीड़ बढ़ गई थी। एग्जिट गेट पर भारी भीड़ जमा हो गई। घटना सिर्फ कुछ पलों की थी।

अचानक भीड़ बढ़ गई थी

डीएमआरसी के मुताबिक घटना के समय सुरक्षाकर्मी और अन्य कर्मचारी पर्याप्त रूप से उपस्थित थे और यात्रियों को समझाने का प्रयास किया गया, ताकि बात बिगड़ने न पाए। कुछ यात्रियों की अचानक भीड़ की वजह से ये समस्या आई थी।

लोगों के खिलाफ होगी कार्रवाई

दिल्ली के जामा मस्जिद मेट्रो स्टेशन पर हुड़दंगबाजी करने वाले अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। सीसीटीवी के जरिए आरोपियों की पहचान भी की जा रही है। यह एफआईआर दिल्ली मेट्रो पुलिस ने दर्ज की है। हुड़दंगियों पर बीएनएस की धारा 132/221, 59 डीएमआरसी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच जारी है। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें भारी संख्या में लोग मेट्रो स्टेशन के सुरक्षा गेट्स के ऊपर से कूदते हुए देखे गए थे।

कोचिंग की लूट से पेरेंटस को बचाने के लिए रेगुलेशन लाने की मांग की कांग्रेस ने

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पूर्व में कई निजी वित्तीय संस्थानों की तर्ज पर अब निजी कोचिंग संथानों के द्वारा भी छात्रों के पठन-पाठन और नौकरियों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों के नाम पर करोड़ों वसूल कर रफूचक्कर हो जाने पर कांग्रेस ने केंद्र को खबरदार किया है। कांग्रेस के मंच से मामला उठाया है सीडब्लूसी के स्थायी सदस्य युवा नेता कन्हैया कुमार ने। उन्होंने कहा कि केंद्र को केवल कोचिंग संस्थानों के विनयमितिकरण ही नहीं करनी चाहिए बल्कि ये भी समझना चाहिए कि आखिर कोचिंग संस्थानों में पढ़ने वाले युवा बड़े पैमाने पर आत्महत्या क्यों कर रहे हैं? ये सरकार की नैतिक जिम्मेदारी है कि देश के भविष्य का भविष्य सुरक्षित हो इसकी ठोस व्यवस्था हो। पत्रकारों से बातचीत करते हुए कन्हैया ने कहा कि

सरकारी शिक्षण संस्थानों की हालत बेहद खराब होने से निजी कोचिंग संस्थानों की बाढ़ आ गई है। पिछले कई दिनों से लगातार एक खबर आ रही है जिसमें डॉक्टर-इंजीनियर बनाने का दावा करने वाले कोचिंग संस्थानों के लोगों से शुल्क वसूलकर गायब हो जाने का जिक्र है। देश में जब भी ऐसी व्यवस्थागत विफलता होती है, तो उसकी जिम्मेदारी सरकार को लेनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि आज सरकार और बाजार के बीच में देश के विद्यार्थी, नागरिक पिस रहे हैं। आज देश में सपना बेचा जा रहा है और कोचिंग संस्थानों की बाढ़ आई हुई है, क्योंकि सरकारी व्यवस्था की हालत कमजोर है। उनका कहना है, जैसे किसान की आत्महत्या के लिए 'व्यवस्थागत प्रणाली' जिम्मेदार है, वैसे ही छात्रों की आत्महत्या के लिए भी यही व्यवस्थागत प्रणाली जिम्मेदार है। यह व्यवस्था प्रणाली छात्रों को 'प्रेशर कुकर' बना रही है। उन्होंने कहा कि सीट कितनी है? पारदर्शी रूप से परीक्षा कैसे होगी? रोजगार के अवसर कितने बनेंगे? देश में रोजगार दिलाने के नाम पर सिर्फ कोचिंग संस्थान बन रहे हैं, जो माता-पिता से मोटा शुल्क वसूलते हैं। हमारी मांग है कि देश की सरकारी संस्थाओं को बेहतर बनाया जाए, क्योंकि सरकारी संस्थाएं कमजोर होंगी तो निजी क्षेत्र को विकसित होने में मुश्किल होगी।

जग्गी वासुदेव ने बच्चों को तनावमुक्त रहने का दिया मंत्र

किताबों का स्ट्रेस न लें, दिमाग पर ज्यादा जोर न डालें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मोटिवेशनल गुरु सद्गुरु ने बच्चों से 'परीक्षा पे चर्चा' की। उन्हें जिंदगी के हर इम्तिहान से लड़ने का सबक सिखाया। योग-मेडिटेशन की सलाह भी दी। इसके साथ ही ईशा फाउंडेशन के संस्थापक जगदीश वासुदेव (जग्गी वासुदेव) यानि सद्गुरु ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अद्भुत प्रयास की तारीफ की। आध्यात्मिक गुरु ने परीक्षा पे चर्चा के पांचवें (पीएम मोदी का अंक मिलाकर) एपिसोड में अपने अनुभव भी साझा किए। इसके साथ ही सद्गुरु ने बच्चों को किताबों का स्ट्रेस न लेने की सलाह दी। कहा- अपनी किताबों को खेल की तरह लीजिए, जैसे खेलते हैं, वैसे ही पढ़ाई करिए।

मोटिवेशनल गुरु सद्गुरु ने बच्चों से 'परीक्षा पे चर्चा' की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अद्भुत प्रयास की तारीफ की

सही सोचें, ओवरथिंकिंग कोई चीज नहीं

मंत्र दिया कि दिमाग पर ज्यादा जोर न डालें। ओवरथिंकिंग जैसी कोई चीज नहीं होती। केवल हमारा दिमाग दिशा विहीन हो जाता है। जैसे किसी मशीन को बिना ल्यूब्रिकेशन के चलाने से वो खराब हो जाती है, वैसे ही दिमाग होता है। सोचना तो बेहद जरूरी है। बस आपको पता होना चाहिए कि क्या सोचना है?

मोदी को सराहा

सद्गुरु ने कहा कि प्रधानमंत्री बहुत प्रशंसनीय काम कर रहे हैं। दुनिया में कहीं भी कोई प्रधानमंत्री शायद ही बच्चों को लेकर इतना फिक्रमंद होता है। मुझे खुशी है कि हमारे पीएम मोदी बच्चों के एग्जाम के दौरान होने वाली तकलीफों को समझ रहे हैं और उस पर बात कर रहे हैं।

टैक्स्ट बुक चुनौती नहीं इंटेलिजेंस जरूरी

बच्चों को बड़े सहज अंदाज में सद्गुरु ने अपना उदाहरण दे समझाया, मैं 12वीं की परीक्षा दे रहा था। हॉल टिकट मिल गया था। मुझे मैंगो एक्सपर्ट समझा जाता था। पेड़ देखकर आम के बारे में सब कुछ बता देता था। दोस्तों के साथ खड़ा था और उन्हें बता रहा था कि कॉलेज में कैसे-कैसे आम लगे थे? हमें प्रिंसिपल देख रहा था, वो चिल्लाया कि परीक्षा सिर्फ 15 दिन बाद है और आम देख रहे हो। मैंने कहा, एग्जाम कई बार आते हैं, आम साल में एक बार ही आता है। टेक्स्ट बुक आपके लिए कोई चुनौती नहीं है, लेकिन आपकी इंटेलिजेंस जरूरी है।

अल्पसंख्यक मंत्री रिजिजू ने इसका मकसद भी बताया

वक्फ संशोधन विधेयक से मुसलमानों की संपत्तियों की रक्षा होगी, असली वारिस को ही मिलेगा 'हक'

इस संबंध में कुछ लोग फैला रहे मनगढ़ंत अफवाह

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक को पारित करने का मकसद मुसलमानों की संपत्तियों की रक्षा करना है और इन संपत्तियों को उनके असली वारिसों के हवाले किया जाएगा। मंत्री ने यह बात शनिवार को श्रीनगर में हुई एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कही। उन्होंने कहा कि विधेयक को लेकर कुछ लोग यह अफवाहें फैला रहे हैं कि इस विधेयक को पारित कर केंद्र

ने वक्फ की संपत्ति को हड़पने के लिए रास्ता बनाया है। यह सब अफवाहें मनगढ़ंत हैं। केंद्र ने यह फैसला इसलिए किया कि वक्फ की संपत्तियों पर नाजायज कब्जा करने की शिकायतों को लेकर हजारों मुसलमानों ने शिकायतें की थी।

नीतीश और नायडू का भी मिला समर्थन

उन्होंने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू से भी विधेयक में संशोधन को लेकर उनकी राय पूछी गई। उनके समर्थन के बाद मोदी की अगुवाई वाली सरकार ने यह विधेयक संसद में पेश किया। संशोधन पर मिले भारी समर्थन के बाद ही इसे पारित कराया गया। कई मुस्लिम सांसदों ने इस विधेयक में संशोधन करने में गुप्त रूप से अपना भरपूर समर्थन किया। अलबत्ता राजनीतिक पार्टियों के दबाव में आकर वे सांसद सामने नहीं आए।

अग्रेसिव हाइब्रिड फंड शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव दौरान मुनाफे का सौदा

▶▶ परिसंपत्ति का 65 से 80% आवंटन शेयरों में किया जाता है निवेश
▶▶ शेष बॉन्ड में लगाया जाता है, इसमें नुकसान होने बेहद कम चांस
▶▶ शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव निवेशकों के लिए सबसे बड़ी चुनौती
▶▶ संतुलित परिसंपत्ति आवंटन से चुनौतियों से निपटने में समर्थ

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव निवेशकों के लिए हमेशा से ही एक चुनौती बनी हुई है। इसके साथ ही लंबे इंतजार के बाद ब्याज दर में कटौती की संभावना बढ़ गई है। ऐसे में निवेश के मोर्चे पर संतुलित दृष्टिकोण अपनाने के लिए अग्रेसिव हाइब्रिड म्युचुअल फंड के जरिये निवेश समझदारी भरा कदम हो सकता है। बाजार के जानकारों का कहना है कि 'वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, मुद्रास्फीति के दबाव और ब्याज दर में संभावित कटौती जैसी आशंकाओं के कारण शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव वाले मौजूदा माहौल में निवेश के लिए अग्रेसिव हाइब्रिड फंड बिल्कुल उपयुक्त हैं। ये संतुलित परिसंपत्ति आवंटन के कारण ऐसे फंड इन चुनौतियों से निपटने में अधिक समर्थ होते हैं।' 'हाइब्रिड फंड सभी परिस्थितियों के लिए उपयुक्त होते हैं। ये फंड इक्विटी बाजार में नए निवेशकों के लिए सबसे अच्छे होते हैं, क्योंकि इनसे परिसंपत्ति वर्ग में भरोसा बढ़ाने में मदद मिलती है।'

उतार-चढ़ाव से बचाव

अग्रेसिव हाइब्रिड फंड के तहत परिसंपत्ति का 65 से 80 फीसदी आवंटन शेयरों में और शेष बॉन्ड में किया जाता है। आम तौर पर ये फंड अपने इक्विटी पोर्टफोलियो के लिए लार्जकैप शेयरों में अधिक निवेश करने की रणनीति अपनाते हैं। इससे मिडकैप एवं स्मॉलकैप शेयरों में अधिक निवेश वाले पोर्टफोलियो के मुकाबले उतार-चढ़ाव के जोखिम को कम करने में मदद मिलती है। ब्याज दरों में गिरावट आने पर पोर्टफोलियो के बॉन्ड वाले हिस्से से पूंजीगत लाभ मिलता है। मगर ब्याज दरों में वृद्धि होने पर अल्प अवधि में नुकसान भी हो सकता है।

70 फीसदी आवंटन लार्जकैप में

बाजार के जानकारों के अनुसार 'फिलहाल इस श्रेणी में 70 फीसदी से अधिक का आवंटन लार्जकैप शेयरों में किया जाता है। इससे पोर्टफोलियो को स्थिरता मिलती है और उस पर मिडकैप एवं स्मॉलकैप में अधिक आवंटन वाले पोर्टफोलियो के मुकाबले बाजार के उतार-चढ़ाव का कम असर होता है। स्मॉलकैप शेयरों में 5 से 7 फीसदी और बाकी

मिडकैप शेयरों में निवेश किया जाता है। इससे फंड के इक्विटी पोर्टफोलियो में मिडकैप एवं स्मॉलकैप से संबंधित जोखिम कम होता है। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयर फिलहाल अधिक मूल्यांकन पर कारोबार कर रहे हैं। इसके अलावा डेट वाला हिस्सा पोर्टफोलियो को अधिक स्थिरता प्रदान करता है।'

लार्जकैप बेहतर

आर्थिक मंदी और कंपनियों के सुस्त मुनाफे जैसी स्थितियों का सामना करने के लिए लार्जकैप शेयर आम तौर पर मिडकैप एवं स्मॉलकैप शेयरों के मुकाबले बेहतर स्थिति में होते हैं। 'वित्त वर्ष 2024 जैसी बाजार परिस्थितियों में हाइब्रिड फंड शुद्ध इक्विटी फंड के मुकाबले कमजोर प्रदर्शन करते हैं। मगर वे लंबी अवधि में जोखिम के बाद भी बेहतर रिटर्न देते हैं क्योंकि बाजार का रुख आम तौर पर चक्रीय होता है। शेयर बाजार में पिछले दो वर्षों के शानदार रिटर्न के बाद 2025 उतार-चढ़ाव वाला वर्ष हो सकता है। ऐसे में हाइब्रिड फंड का प्रदर्शन आम तौर पर बेहतर होता है। इसके अलावा हम उम्मीद करते हैं कि भारतीय रिजर्व बैंक इस साल दरों में कटौती करेगा। इससे डेट फंड को अधिक रिटर्न देने में मदद मिलेगी क्योंकि बॉन्ड की कीमतों में तेजी आ सकती है।'

किसे करना चाहिए निवेश?

अग्रेसिव हाइब्रिड फंड उन निवेशकों को आकर्षित करते हैं जो अपेक्षाकृत कम उतार-चढ़ाव के साथ शेयर बाजार में निवेश करना चाहते हैं। 'यह फंड कम जोखिम लेने वाले निवेशकों के लिए उपयुक्त है क्योंकि डेट आवंटन के कारण इसमें उतार-चढ़ाव का जोखिम कम होता है। इसके अलावा यह फंड उन नए निवेशकों के लिए भी उपयुक्त हैं जो शेयर बाजार में अपेक्षाकृत सुरक्षित तरीके से प्रवेश करना चाहते हैं और जिनके वित्तीय लक्ष्य मध्यावधि के लिए हैं।'

इन बातों का रखें ध्यान

निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो का आकलन करना चाहिए और जोखिम लेने की अपनी क्षमता के अनुरूप फंडों का चयन करना चाहिए। उन्हें निवेश से पहले फंड के पिछले प्रदर्शन पर भी गौर करना करना चाहिए। वैसे तो इन फंडों की रफ्तार अपेक्षाकृत स्थिर होती है, लेकिन कभी-कभी उतार-चढ़ाव का दौर भी दिख सकता है। इसलिए निवेशकों को कम से कम 5 साल के लिए निवेश पर विचार करना चाहिए। इन फंडों में निवेश करने का सबसे प्रभावी तरीका सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) है। 'अग्रेसिव हाइब्रिड फंडों में कम से कम 3 से 5 साल तक निवेश रखना चाहिए। इससे निवेशक को बाजार चक्रों के प्रभावों से निपटने और संतुलित रिटर्न हासिल करने में मदद मिलती है।' उनका सुझाव है कि मध्यम जोखिम लेने वाले निवेशक अपने पोर्टफोलियो का 15 से 25 फीसदी आवंटन इस फंड में कर सकते हैं जबकि कम जोखिम लेने वाले निवेशकों को 10 से 15 फीसदी आवंटन करना चाहिए।

मल्टी एसेट फंड

बाजार की उथल-पुथल के बीच स्टेबल रिटर्न का दम

■ 1 से 5 साल में मल्टी एसेट फंड की टॉप स्कीम्स ने दिया अच्छा पैसा
■ कम पैसों में डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो बनाने के लिए जाना जाता है
■ इक्विटी फंड्स में हमेशा लॉन्ग टर्म के लिए निवेश करें

जानकारी
बिजनेस डेस्क

बाजार में भारी उथल-पुथल हो तो तमाम निवेशकों के सामने स्टेबल रिटर्न हासिल करने की चुनौती खड़ी हो जाती है। म्यूचुअल फंड्स में पैसे लगाने वाले रिटेल इनवेस्टर्स के सामने भी यही सवाल होता है कि इक्विटी फंड्स के गिरते रिटर्न के बीच उन्हें कहां निवेश करना चाहिए? हालांकि इक्विटी फंड्स में हमेशा लॉन्ग टर्म के लिए निवेश करना चाहिए और शॉर्म टर्म में होने वाली उथल-पुथल से घबराना नहीं चाहिए, लेकिन सच तो यह भी है कि इक्विटी मार्केट के उतार-चढ़ावों को बैलेंस करने के लिए आपके पोर्टफोलियो में डेट से लेकर गोल्ड और सिल्वर तक, दूसरे एसेट क्लास वाले निवेश भी शामिल होने चाहिए। मगर जिन निवेशकों का पोर्टफोलियो इतना बड़ा नहीं होता कि वे इतने सारे अलग-अलग एसेट क्लास में निवेश कर सकें, उनके सामने क्या विकल्प? इस सवाल का जवाब हो सकते हैं मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स के जरिये कम पैसों में ही पोर्टफोलियो को तमाम एसेट क्लास में डायवर्सिफाई किया जा सकता है।

एक साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले फंड

1. व्हाइटओक कैपिटल मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	19.66%
2. डीएसपी मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	17.23%
3. आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल मल्टी एसेट फंड, डायरेक्ट प्लान :	16.11%
4. निप्पॉन इंडिया मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.98 %
5. आदित्य बिड़ला सन लाइफ मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.81%
6. यूटीआई मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.45%
7. बंधन मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.39%
8. एक्सिस मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.10%

लॉन्ग टर्म रिटर्न : मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स का लॉन्ग टर्म रिटर्न देखने से पता चलता है कि लंबी अवधि के निवेश के लिए भी यह काफी बेहतर विकल्प हो सकते हैं। टॉप 5 मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स के पिछले 5 साल के रिटर्न के आंकड़े इस बात की गवाही दे रहे हैं।

5 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले फंड

1. क्वांट मल्टी एसेट फंड, डायरेक्ट प्लान :	27.78 %
2. आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल मल्टी एसेट फंड, डायरेक्ट प्लान :	21.68%
3. यूटीआई मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.84%
4. एचडीएफसी मल्टी एसेट फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.70%
5. एसबीआई मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	14.39%

मल्टी एसेट फंड्स की इनवेस्टमेंट स्ट्रैटजी : मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स की निवेश रणनीति में निवेशकों को हमेशा स्टेबल और बैलेंस्ड रिटर्न देने पर जोर दिया जाता है। अपने इस मकसद को हासिल करने के लिए ये फंड इक्विटी और डेट के अलावा गोल्ड, सिल्वर, रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स और इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स में भी पैसे लगाते हैं। इक्विटी, डेट और गोल्ड में इनका निवेश कम से कम 10-10% होता है। ऐसी निवेश रणनीति और अल-अलग एसेट क्लास में बंटे पोर्टफोलियो की वजह से ये फंड बाजार में तेज उतार-चढ़ाव के दौरान भी बेहतर रिटर्न देने में सफल होते हैं। साथ ही ये फंड कम रिस्क में बेहतर रिटर्न के लिए बाजार के हालात और ट्रेंड्स को ध्यान में रखते हुए अपने एसेट एलोकेशन में बदलाव भी करते रहते हैं।

अस्थिरता के दौर में निवेश का बेहतर विकल्प

मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स को उनके डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो की वजह से उतार-चढ़ाव भरे माहौल में निवेश का बेहतर तरीका माना जाता है। हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स की कैटेगरी में आने वाले इन फंड्स के पोर्टफोलियो में इक्विटी से लेकर डेट और गोल्ड-सिल्वर समेत तमाम अलग-अलग एसेट्स क्लास शामिल होते हैं। यही वजह है कि इनका रिस्क-रिटर् बैलेंस काफी अच्छा रहता है।

टॉप मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स का 1 साल का रिटर्न

इन दिनों बाजार में देखी जा रही भारी उथल-पुथल के बावजूद कम से कम 8 मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स ऐसे हैं, जिन्होंने 1 साल में 15% से ज्यादा रिटर्न दिया है। इनमें सबसे ज्यादा मुनाफा देने वाले फंड का एक साल का रिटर्न लगभग 20% रहा है। एक हाइब्रिड फंड्स के लिए इतना रिटर्न काफी अच्छा माना जा सकता है। खास तौर पर बाजार में गिरावट के माहौल को देखते हुए यह वाकई बढ़िया प्रदर्शन है।

किनके लिए सही हैं मल्टी एसेट एलोकेशन फंड

ऐसे इनवेस्टर मल्टी एसेट एलोकेशन फंड में निवेश करने की सोच सकते हैं, जो बाजार की अस्थिरता के दौरान स्टेबल रिटर्न चाहते हैं और इसके लिए अपने पोर्टफोलियो में हर एसेट क्लास को जगह देना चाहते हैं। खास तौर पर ऐसे छोटे निवेशक, जो डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो तैयार करने के लिए ज्यादा बड़ी रकम नहीं लगा सकते, मल्टी एसेट फंड पर विचार कर सकते हैं। हालांकि स्टेबल रिटर्न देने की क्षमता के बावजूद इक्विटी में एक्सपोजर और दूसरे एसेट्स के बाजार की परिस्थितियों से प्रभावित होने के कारण ज्यादातर मल्टी एसेट फंड्स का रिस्क लेवल 'हाई' या 'वेरी हाई' रखा गया है। यानी रिस्क तो इनमें निवेश के साथ भी जुड़ा हुआ है। इसलिए निवेश का फैसला करने से पहले सभी बातों को अच्छी तरह समझ लें।

(डिस्क्लेमर : इस आर्टिकल का उद्देश्य सिर्फ जानकारी देना है, निवेश की सिफारिश करना नहीं है। म्यूचुअल फंड के पिछले रिटर्न को भविष्य में वैसे ही प्रदर्शन की गारंटी नहीं माना जा सकता। निवेश का कोई भी फैसला सेबी से मान्यता प्राप्त निवेश सलाहकार की राय लेने के बाद ही करें।)

पैसिव म्यूचुअल फंड बढ़ रहा बोलबाला एयूएम 24% बढ़कर 11 लाख करोड़ पर

● लगातार निवेशकों की बनते जा रहे हैं पसंद, दे रहे बढ़िया रिटर्न ● इस साल पैसिव फंडों ने मचाया धमाल, दिया कई गुणा मुनाफा ● पैसिव म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों की संख्या तेजी से बढ़ी

योजना
बिजनेस डेस्क

तेजी से बढ़ रही म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में इस समय पैसिव फंड का बोलबाला है। साल 2024 में इंडेक्स फंड और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड सहित पैसिव फंड के निवेशकों के पोर्टफोलियो यानी खाता संख्या में 37 प्रतिशत की तेजी आई है, जबकि कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट 24% से ज्यादा बढ़कर 11 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। आखिर पैसिव फंड क्या होते हैं, जिनका बोलबाला इतनी तेजी से बढ़ता जा रहा है और निवेशकों को यह फंड क्यों इतने पसंद आ रहे हैं। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के मुताबिक, म्यूचुअल फंड हाउसों ने 2024 में कुल 122 नई पैसिव फंड योजनाएं लॉन्च कीं। फंड इंडस्ट्री में सबसे प्रमुख कंपनियों में शामिल निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड के पास अब पैसिव फंडों में 1.46 करोड़ पोर्टफोलियो हैं। इसका कुल एयूएम 1.65 लाख करोड़ रुपये है और ईटीएफ के ट्रेडिंग वॉल्यूम का 55% बड़ा हिस्सा है। कोटक म्यूचुअल फंड, एक्सिस और मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड जैसे अन्य फंड हाउसों ने भी पैसिव फंड में बेहतर वृद्धि दर्ज की है।

क्यों खास हैं पैसिव फंड

निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड के ईटीएफ प्रमुख अरुण सुंदरेसन कहते हैं कि पैसिव एक दिलचस्प ऑफरिंग बनाता है। फंड बाजार के विभिन्न हिस्सों में शुद्ध एक्सपोजर प्रदान करते हैं, जिससे वे सच्चे, सही लेबल उत्पाद बन जाते हैं। बहुत सारे अनूठे फंड हैं, जो निवेशकों को चुनने के लिए बहुत अलग पोर्टफोलियो और विभिन्न प्रकार के जोखिम-रिटर्न प्रोफाइल प्रदान करते हैं। इनके इसी डाईवर्सिफिकेशन की वजह से निवेशकों को यहां पैसे लगाना कम जोखिम वाला लगता है।

निवेशकों को समझना आसान

निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड ने साल 2024 में पैसिव कैटेगरी में 8 नए फंड लॉन्च किए। अब उसके पास उद्योग में 24 ईटीएफ और 21 इंडेक्स फंड हैं। इस श्रेणी को चुनने में निवेशकों की बढ़ती रुचि को देखते हुए अन्य एएमसी ने भी कई पैसिव फंड लॉन्च किए हैं। पैसिव फंडों ने भी निवेशकों को आकर्षित किया है, क्योंकि उनकी लागत संरचना कम होती है और उन्हें समझना आसान होता है, जिससे वे रिटेल और फंड मैनेजर दोनों निवेशकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बन जाते हैं।

क्या होते हैं पैसिव फंड

पैसिव म्यूचुअल फंड में किसी सूचकांक या खंड को ट्रैक किया जाता है और इसमें अलग-अलग स्टॉक को चुनने की जरूरत नहीं होती है। इनका खर्चा भी एक्टिव फंड की तुलना में कम आता है। ये फंड बाजार के सूचकांक को दोहराने की कोशिश करते हैं, जबकि बेंचमार्क इंडेक्स को ट्रैक करके अपने जोखिम का आकलन करते हैं। जैसा शेयर बाजार प्रदर्शन करता है, उसी के मुताबिक निवेशकों को रिटर्न देते हैं। इन पर जोखिम भी कम होता है और लंबी अवधि में निवेश करने पर ज्यादा सुरक्षित माना जाता है।

अद्वितीय निवेश दृष्टिकोण

जो लोग सोच रहे हैं कि पैसिव म्यूचुअल फंड क्या हैं, तो इसका जवाब अद्वितीय निवेश दृष्टिकोण में निहित है। अपने सक्रिय समकक्षों के विपरीत, पैसिवली मैनेज्ड फंड बाजार से बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास नहीं करते हैं। इसके बजाय, उनका प्राथमिक लक्ष्य ऐसे रिटर्न प्राप्त करना है जो बेंचमार्क इंडेक्स को बारीकी से दर्शाते हैं। नतीजतन, फंड मैनेजर की भूमिका अपेक्षाकृत निष्क्रिय होती है, जो एक पोर्टफोलियो संरचना को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करती है जो इंडेक्स की अंतर्निहित परिसंपत्तियों को दर्शाती है।

कम प्रबंधन शुल्क लेते हैं

पैसिव फंड्स की मुख्य अपील उनकी कम लागत में निहित है, क्योंकि वे आम तौर पर एक्टिव फंड्स की तुलना में कम प्रबंधन शुल्क लेते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि उन्हें व्यापक शोध, स्टॉक चयन और लगातार ट्रेडिंग की आवश्यकता नहीं होती है, जो सभी खर्चों को बढ़ा सकते हैं। भारत में पैसिव म्यूचुअल फंड्स के उदय के साथ, निवेशकों के पास अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने और संभावित रूप से बाजार-मिलान रिटर्न प्राप्त करने के लिए ढेर सारे विकल्प हैं।

पैसिव फंड निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने और बाजार के व्यापक क्षेत्रों में एक्सपोजर प्राप्त करने का एक लागत प्रभावी तरीका प्रदान करते हैं। भारत में पैसिव म्यूचुअल फंड्स के उदय के साथ, निवेशकों के पास अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने और संभावित रूप से बाजार-मिलान रिटर्न प्राप्त करने के लिए ढेर सारे विकल्प हैं।

तैयारी पिछले साल 16 गोल्ड ईटीएफ में 657.46 करोड़ का निवेश हुआ था, दिसंबर 2024 के मुकाबले देखें तो इसमें 486% का उछाल आया

दिसंबर 2024 में गोल्ड ईटीएफ में 640.16 करोड़ रुपये का निवेश हुआ

गोल्ड ईटीएफ में जमकर निवेश कर रहे लोग, करीब 6 गुना बढ़ा जनवरी में 3,751.42 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड हाई पर नेट इनफ्लो

इक्विटी में लगातार गिरावट और ग्लोबल अनिश्चितता के बीच भारत में नए साल की शुरुआत यानी जनवरी के दौरान गोल्ड ईटीएफ में रिकॉर्ड निवेश हुआ। यह लगातार 9वां महीना है जब घरेलू स्तर पर गोल्ड ईटीएफ में नेट इनफ्लो दर्ज किया गया है। इससे पहले बीते साल अप्रैल में गोल्ड ईटीएफ में नेट आउटफ्लो देखा गया था। एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार देश के कुल 18 गोल्ड ईटीएफ में जनवरी 2025 के दौरान रिकॉर्ड 3,751.42 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ। इससे पहले सबसे ज्यादा मंथली नेट इनफ्लो (+1,961.57 करोड़ रुपये) बीते साल अक्टूबर में आया था। पिछले साल की समान अवधि यानी जनवरी 2024 के मुकाबले यह 471 फीसदी ज्यादा है। पिछले साल की समान अवधि के दौरान देश के कुल 16 गोल्ड ईटीएफ में 657.46 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ था। पिछले महीने यानी दिसंबर 2024 के मुकाबले देखें तो इसमें 486 फीसदी का उछाल आया है। दिसंबर 2024 के दौरान गोल्ड ईटीएफ में 640.16 करोड़ रुपये रुपये का शुद्ध निवेश हुआ था।

समझदारी
बिजनेस डेस्क

गोल्ड की कीमतों में शानदार तेजी

गोल्ड की कीमतों में शानदार तेजी और लगातार इनफ्लो के चलते जनवरी के अंत में गोल्ड ईटीएफ का नेट एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) बढ़कर रिकॉर्ड 51,839.39 करोड रुपये पर पहुंच गया। पिछले साल की समान अवधि के दौरान यह 27,778.08 करोड़ रुपये था जबकि दिसंबर 2024 में यह 44,595.60 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। जनवरी के दौरान घरेलू स्तर पर गोल्ड की बेंचमार्क कीमतों में 8 फीसदी का इजाफा हुआ। इसी अवधि के दौरान घरेलू इक्विटी बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी क्रमश 0.6 और 0.8 फीसदी टूटे। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में तो क्रमशः 6 फीसदी और 10 फीसदी की जोरदार गिरावट रही।

क्या कहते हैं आंकड़े

इससे पहले पूरे कैलेंडर ईयर 2024 के दौरान गोल्ड ईटीएफ में कुल 11,266.11 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ जबकि कैलेंडर ईयर 2023 के दौरान 2,923.81 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया था। कैलेंडर ईयर 2022 के दौरान 11 गोल्ड ईटीएफ में कुल 458.79 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था।

2024 में मंथली निवेश/निकासी

- दिसंबर 2024 +640.16 करोड़ रुपये
- नवंबर 2024 +1,256.72 करोड़ रुपये
- अक्टूबर 2024 +1,961.57 करोड़ रुपये
- सितंबर 2024 +1,232.99 करोड़ रुपये
- अगस्त 2024 +1,611.38 करोड़ रुपये
- जुलाई 2024 +1,337.35 करोड़ रुपये
- जून +726.16 करोड़ रुपये
- मई +827.43 करोड़ रुपये
- अप्रैल -395.69 करोड़ रुपये
- मार्च +373.36 करोड़ रुपये
- फरवरी +657.46 करोड़ रुपये
- जनवरी +997.22 करोड़ रुपये

क्यों जमकर लग रहा पैसा

जानकारों के अनुसार इक्विटी में लगातार गिरावट और ग्लोबल अनिश्चितता ने निवेशकों को गोल्ड ईटीएफ में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया। गोल्ड में बेहतर रिटर्न की संभावना के बीच निवेशक फिलहाल अपने पोर्टफोलियो को डायवर्सिफाई करने के लिए इस एसेट क्लास में ईटीएफ के जरिये जमकर निवेश कर रहे हैं। साथ ही सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की कोई और सीरीज के आगे लॉन्च नहीं होने के आसार और पिछले बजट में टैक्स नियमों में हुए बदलाव के बाद गोल्ड ईटीएफ का आकर्षण बढ़ा है।

ग्लोबल लेवल पर शानदार शुरुआत

ग्लोबल लेवल पर गोल्ड ईटीएफ के लिए नए साल की शुरुआत शानदार रही। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल से मिले ताजा आंकड़ों के मुताबिक 2025 की शुरुआत यानी जनवरी के दौरान ग्लोबल लेवल पर गोल्ड ईटीएफ में निवेश 3 बिलियन डॉलर बढ़ा। वॉल्यूम /होल्डिंग के लिहाज से इस दौरान निवेश में 34.5 टन की वृद्धि हुई। सोने की कीमतों में तेजी और लगातार दूसरे महीने आए इनफ्लो के दम पर जनवरी 2025 के अंत तक गोल्ड ईटीएफ का एसेट अंडर मैनेजमेंट यानी एयूएम और टोटल होल्डिंग बढ़कर क्रमशः रिकॉर्ड 294.2 बिलियन डॉलर और 3,253.3 टन पर पहुंच गए। ग्लोबल लेवल पर ट्रेड वॉर की आशंका और अमेरिकी डॉलर में कमजोरी के बीच जनवरी में सोने के भाव में तकरीबन 8 फीसदी का इजाफा हुआ।

28.6 टन का आउटफ्लो

पिछले महीने यानी दिसंबर 2024 के दौरान भी गोल्ड ईटीएफ में निवेश 0.3 बिलियन डॉलर यानी 3.6 टन बढ़ा था। हालांकि बीते साल नवंबर में लगातार छह महीने की तेजी के बाद गोल्ड ईटीएफ में 2.1 बिलियन डॉलर यानी 28.6 टन का आउटफ्लो दर्ज किया गया था।जनवरी के दौरान गोल्ड ईटीएफ को सबसे तगड़ा सपोर्ट यूरोप से मिला। पिछले महीने यूरोप में गोल्ड ईटीएफ में निवेश बढ़कर मार्च 2022 के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान यूरोप में 3.4 बिलियन डॉलर (+39 टन) का नेट इनफ्लो देखा गया। ज्यादातर निवेश इंग्लैंड और जर्मनी में आया। हालांकि बीते साल ज्यादातर महीने यूरोप में नेट आउटफ्लो दर्ज किया गया था। नार्थ अमेरिकी फंडों में लगातार दूसरे महीने जनवरी में आउटफ्लो देखा गया। इस दौरान नार्थ अमेरिकी फंडों से निवेशकों ने नेट 499 मिलियन डॉलर (-5.9 टन) निकाले। जबकि एशियाई फंडों में निवेशकों ने जनवरी में नेट 57 मिलियन डॉलर (+0.3 टन) डाले। एशिया में भारत इनफ्लो के मामले में सबसे आगे रहा। हालांकि चीन में इस दौरान 399.1 मिलियन डॉलर का आउटफ्लो दर्ज किया गया।

चैंपियंस ट्रॉफी जीतने निकली भारतीय टीम, रोहित-कोहली का अंतिम टूर्नामेंट

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारतीय टीम के स्टार क्रिकेटर शनिवार को पाकिस्तान की मेजबानी में हो रहे चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के लिए दुबई रवाना हो गए। पहली बार टीम के सभी खिलाड़ी एक साथ छत्रपति शिवाजी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पहुंचे। मुख्य कोच गौतम गंभीर, उप-कप्तान शुभमन गिल और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली सहित टीम के अधिकतर सदस्य टीम बस में हवाई अड्डे पहुंचे। इनमें से कुछ खिलाड़ियों ने कुछ प्रशंसकों को ऑटोग्राफ देकर या हाथ हिलाकर उनका आभार व्यक्त किया।

भारतीय टीम पिछले साल जून में टी20 विश्व कप जीतने के बाद एक और वैश्विक ट्रॉफी हासिल करने की उम्मीदों के बीच आगामी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए दुबई के लिए दोपहर की उड़ान में सवार हो गई। भारतीय टीम स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने के लिए गई है। बुमराह चोटिल होने के कारण इस टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। भारत लीग चरण में अपना पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगा जबकि 23 फरवरी को उसका सामना चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से होगा। भारत अपना आखिरी लीग मैच दो मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगा।

भारतीय टीम का शेड्यूल

दिनांक	टीमें	स्थान
20 फरवरी	भारत/बांग्लादेश	दुबई
23 फरवरी	भारत/ पाकिस्तान	दुबई
2 मार्च	भारत/ न्यूजीलैंड	दुबई

ग्रुपवार टीमें

ग्रुप ए - पाकिस्तान, भारत, न्यूजीलैंड, बांग्लादेश
ग्रुप बी - दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, इंग्लैंड

युवा खिलाड़ी बिखेरेंगे जलवा

भारतीय टीम में शामिल कुछ युवा खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करके अपनी जगह मजबूत करना चाहेंगे। उप कप्तान गिल अपनी शानदार फॉर्म जारी रखकर उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपने के चयन समिति के फैसले को सही साबित करना चाहेंगे। चोट के कारण बुमराह की अनुपस्थिति अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा जैसे खिलाड़ियों के लिए यह एक अवसर है, जबकि वरुण चक्रवर्ती साबित करना चाहेंगे कि वह टीम के मारक हथियार हैं।

फार्म में लौटे रोहित-कोहली

भारत को अगर चैंपियंस ट्रॉफी में टी20 विश्व कप की कहानी दोहरानी है तो उसके दोनों स्टार बल्लेबाज रोहित और कोहली को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। टेस्ट क्रिकेट में विफल रहने के कारण इन दोनों को हाल में आलोचनाओं का सामना भी करना पड़ा। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला में इन दोनों ने हालांकि फॉर्म में वापसी करने के संकेत दिए। रोहित ने कटक में खेले गए दूसरे वनडे में 90 गेंद पर 119 रन बनाए जबकि कोहली ने अहमदाबाद में तीसरे वनडे में अर्धशतक लगाया था। चैंपियंस ट्रॉफी में इन दोनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति की करीबी नजर रहेगी।

एक साथ दुबई रवाना हुई टीम

भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी के लिए दुबई रवाना हो चुकी है। सामने आए वीडियो में कप्तान रोहित शर्मा समेत सभी खिलाड़ी नजर आए। इससे पता चलता है कि बीसीसीआई द्वारा जारी किए गए नए नियमों का सख्ती से पालन हो रहा है। मुंबई एयरपोर्ट के वीडियो में सबसे आगे कोच गौतम गंभीर चेक इन के लिए जाते दिखे। उनके पीछे वॉशिंगटन सुंदर, उपकप्तान शुभमन गिल, विराट कोहली, रवींद्र जडेजा, गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल, केएल राहुल, अर्शदीप सिंह, श्रेयस अय्यर, बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, एसिस्टेंट कोच रेयान टेन डेशकाटे, मोहम्मद शमी, अक्षर पटेल, ऋषभ पंत, कुलदीप यादव और कुछ और स्टाफ नजर आए। फिर रोहित शर्मा भी एक कार से निकलते दिखे और वह फील्डिंग कोच टी दिलीप के साथ दिखे।

टूर्नामेंट का रोमांच फीका बाहर हुए 10 दिग्गज

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की शुरुआत में अब चंद दिन बचे हुए हैं। शुरुआती मुकाबला 19 फरवरी को पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच कराची में होगा। चैंपियंस ट्रॉफी में विराट कोहली, स्टीव स्मिथ, रोहित शर्मा, जो रूट, बाबर आजम, केन विलियमसन, मोहम्मद शमी, कगिसो रबाडा जैसे धुरंधर भाग लेने जा रहे हैं। इन खिलाड़ियों पर सबकी निगाहें होंगी। हालांकि कुछ ऐसे भी खिलाड़ी हैं, जो इस टूर्नामेंट का पार्ट नहीं होंगे। खास बात यह है कि इन खिलाड़ियों को प्रोविजनल स्क्वॉड में सम्मिलित किया गया था, लेकिन चोट या अन्य वजहों के चलते वो चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए। ऐसे में इस टूर्नामेंट का रोमांच थोड़ा फीका हो चुका है। आइए ऐसे 10 खिलाड़ियों पर नजर डालते हैं...

जसप्रीत बुमराह : भारत

स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पीठ की समस्या के कारण इस टूर्नामेंट से बाहर गए। भारतीय टीम के लिए ये बहुत बड़ा झटका रहा। पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट के दौरान बुमराह की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था, जिससे वो रिकवर नहीं कर पाए।

अल्लाह गजनफर: अफगानिस्तान

'मिस्ट्री स्पिनर' अल्लाह गजनफर रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर के कारण इस टूर्नामेंट से बाहर हो गए। गजनफर को पिछले साल दिसंबर में जिम्बाब्वे दौरे के दौरान चोट लग गई थी।

ऑस्ट्रेलिया के 5 खिलाड़ी बाहर

वर्ल्ड चैंपियन ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस ट्रॉफी में अपने स्टार खिलाड़ियों के बगैर उतरेगी। पैट कमिंस, मिचेल मार्श और जोश हेजलवुड इंजरी के चलते भाग नहीं ले पाएंगे। वहीं मिचेल स्टार्क ने व्यक्तिगत कारणों के चलते टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया। ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस ने भी अचानक ओडीआई क्रिकेट को अलविदा कह दिया।

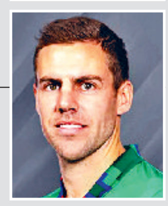

एनरिक नॉर्किया : द.अफ्रीका

तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्किया साउथ अफ्रीकी स्क्वॉड का हिस्सा थे, लेकिन पीठ की तकलीफ के कारण उन्हें बाहर होना पड़ा। नॉर्किया की जगह गेराल्ड कोएट्जी को स्क्वॉड में शामिल किया जाना था, लेकिन वो भी इंजर्ड हो गए। अंत में ऑलराउंडर कॉर्बिन बॉश की स्क्वॉड में एंट्री हुई।

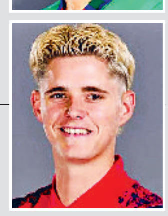

जैकब बेथेल: इंग्लैंड

इंग्लैंड के हालिया भारत दौरे के दौरान ऑलराउंडर जैकब बेथेल को हैम्स्ट्रिंग इंजरी हो गई थी। ऐसे में बेथेल का चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में खेलने का सपना टूट गया।

बेन सियर्स : न्यूजीलैंड

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज बेन सियर्स भी हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण चैम्पियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए।

15 मैच खेलेंगी 8 टीमें

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में कुल 15 मुकाबले होंगे। इसमें भाग ले रही 8 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा गया है। भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप-ए में हैं। उनके साथ बाकी दो टीमें न्यूजीलैंड और बांग्लादेश हैं। जबकि ग्रुप-बी में साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान और इंग्लैंड को रखा गया है। सभी टीमें अपने-अपने ग्रुप में 3-3 मुकाबले खेलेंगी। इसके बाद हर ग्रुप की टॉप-2 टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी। चैंपियंस ट्रॉफी के सभी 15 मुकाबले 4 वेन्यू पर खेले जाएंगे। इसमें 3 वेन्यू पाकिस्तान में होंगे। जबकि एक वेन्यू दुबई रहेगा। टीम इंडिया अपने सभी मुकाबले दुबई में खेलेगी।

गुलवीर ने 3000 मी. इंडोर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा

एजेंसी ▶▶| बोस्टन

हांगझोउ एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता गुलवीर सिंह ने सत्र की शानदार शुरुआत करते हुए बोस्टन में बीयू डेविड हेमरी वेलेंटाइन इंविटेशनल टूर्नामेंट में पुरुषों की 3000 मीटर इंडोर रेस का 16 साल पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। सेना के 26 वर्ष के धावक ने सात मिनट 38.26 सेकंड का समय निकाला। उन्होंने सुरेंदर सिंह का 2008 में बनाया सात मिनट 49.47 सेकंड का रिकॉर्ड तोड़ा। सुरेंदर अब कोच हैं। गुलवीर की नजरें अब विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में पुरुषों के 10000 मीटर के लिए क्वालीफाई करने पर लगी है जिसमें 27 मिनट प्रवेश मार्क है। उन्होंने एशियाई खेलों में 10000 मीटर में कांस्य पदक जीता था।

महिला प्रो लीग

भारत ने इंग्लैंड को हराकर किया अभियान का आगाज

एजेंसी ▶▶| भुवनेश्वर

आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग में अपने अभियान का आगाज ऊंची रैंकिंग वाली इंग्लैंड टीम के खिलाफ शनिवार को कलिंगा स्टेडियम पर 3-2 से जीत के साथ किया।

भारत के दो गोल पेनल्टी कॉर्नर पर वैष्णवी फाल्के ने छठे और दीपिका ने 25वें मिनट में किए जबकि नवनीत कौर ने आखिरी सीटी बजने से एक मिनट बाकी रहते विजयी गोल दागा। इंग्लैंड के लिए डार्सी बूर्ने ने 12वें मिनट में बराबरी का गोल किया जबकि फियोन क्रेकल्स ने 58वें मिनट में फिर बराबरी का गोल दागा। वैष्णवी ने एफआईएच रैंकिंग में नौवे स्थान पर काबिज भारत के लिए पहला गोल किया। मनीषा चौहान का पेनल्टी कॉर्नर पर शॉट डिफेंडर की स्टिक से टकरा गया और गेंद फिर बाहर आ गई जिसे वैष्णवी ने गोल के भीतर डाला। इस बीच डार्सी ने भारतीय डिफेंस की चूक का फायदा उठाकर बराबरी का गोल कर दिया। दीपिका ने दूसरे पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील करके भारत को फिर बढ़त दिलाई। तीसरे क्वार्टर में इंग्लैंड ने बेहतरीन खेल दिखाया। फियोना ने दो मिनट बाकी रहते गोल करके स्कोर 2-2 कर दिया और मैच ड्रॉ की ओर मुड़ता दिख रहा था लेकिन नवनीत ने जवाबी हमले पर गोल करके भारत को जीत दिलाई।

खबर संक्षेप

पदक विजेता को नगद राशि देगा ओडिशा

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार ने उत्तराखंड में रविवार को संपन्न हुए 38वें राष्ट्रीय खेलों में राज्य के पदक विजेताओं के लिए नकद पुरस्कार की घोषणा की है। उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में ओडिशा के खिलाड़ियों ने 14 स्वर्ण, 15 रजत और 17 कांस्य सहित कुल 46 पदक जीते। राज्य ने पदक तालिका में 12वां स्थान हासिल किया। राज्य के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए ओडिशा सरकार ने स्वर्ण पदक विजेताओं के लिए छह लाख रुपए, रजत पदक विजेताओं के लिए चार लाख रुपए और कांस्य पदक विजेताओं के लिए तीन लाख रुपए के नकद पुरस्कार की घोषणा की है।

राणा हाई परफॉर्मेंस और जीतू 10 मीटर एयर पिस्टल के कोच

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ ने दिग्गज निशानेबाज जसपाल राणा को शनिवार को 25 मीटर पिस्टल का हाई परफार्मेंस कोच नियुक्त किया जबकि जीतू राय को 10 मीटर एयर पिस्टल का कोच बनाया गया है। देश में निशानेबाजी की सर्वोच्च खेल संस्था एनआरएआई ने यहां कॉनस्टिट्यूशन क्लब में अपनी शासी निकाय की बैठक के दौरान कई पूर्व निशानेबाजों को राष्ट्रीय टीम के कोच के रूप में नियुक्त किया।

हाल में द्रोणाचार्य पुरस्कार पाने वाली दीपाली देशपांडे को मुख्य कोच (राइफल) के रूप में भी नियुक्त किया गया है। कुल मिलाकर कोचिंग टीम में 16 नए सदस्य नियुक्त किए गए हैं जबकि

19 सदस्यों को बरकरार रखा गया है। इनमें एक समन्वयक (अमर जंग सिंह) और बधिर निशानेबाजों के लिए दो कोच (प्रीति शर्मा और अनुजा जंग) शामिल हैं। जिन प्रमुख नामों को राष्ट्रीय टीम का नया कोच नियुक्त किया गया है उनमें दिग्गज पिस्टल निशानेबाज जीतू (10 मीटर एयर पिस्टल), पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पूजा घाटकर (10 मीटर एयर राइफल), पेम्बा तमांग (25 मीटर पिस्टल), अमरिंदर चीमा (स्कीट) और वर्षा तोमर (ट्रैप) शामिल हैं।

मनशेर-रौनक को भी मिली जिम्मेदारी

मनशेर सिंह और रौनक पंडित को भी क्रमशः शॉटगन और पिस्टल निशानेबाजी के लिए हाई परफार्मेंस निदेशक नियुक्त किया गया है। राणा के अलावा जिन अन्य को हाई परफॉर्मेंस कोच नियुक्त किया गया है उनमें डी.एस. चंदेल (एयर राइफल), अनवर सुल्तान (ट्रैप) और मनोज कुमार (50 मीटर राइफल) शामिल हैं। अनुभवी विक्रम चोपड़ा (शॉटगन) और समरेश जंग (पिस्टल) को अपने पदों पर बरकरार रखा गया है।

पुरूष प्रो लीग हॉकी: स्पेन ने भारत को 3-1 से हराया

एजेंसी ▶▶| भुवनेश्वर

स्पेन ने पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक मैच में मिली हार का बदला चुकता करते हुए भारत को एफआईएच पुरूष प्रो लीग मैच में शनिवार को 3-1 से हरा दिया। सत्र के पहले प्रो लीग मैच में भारतीय टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। स्पेन के लिये बोर्जा लाकाले (28वां मिनट), इग्नाशियो कोबोस (38वां) और बूनो अविला (56वां मिनट) ने गोल दागे। भारत के लिये एकमात्र गोल 25वें मिनट में सुखजीत सिंह ने किया। पहला क्वार्टर एक दूसरे की ताकत को आजमाने का रहा। अभिषेक ने एक मौका ललित उपाध्याय के लिये बनाया लेकिन इसके अलावा भारतीय टीम कोई हमला नहीं बोल सकी। दूसरी ओर भारतीय गोलकीपर कृशन बहादुर को भी पहले क्वार्टर में मेहनत नहीं करनी पड़ी क्योंकि स्पेनिश खिलाड़ियों के शॉट सटीक नहीं पड़े। भारत ने दूसरे क्वार्टर में गोलकीपर सूरज करकेरा को उतारा और उन्होंने आते ही स्पेन का एक गोल बचाया। सुखजीत ने 25वें मिनट में मैच का पहला गोल दागा जिन्हें दाहिने फ्लैंक से जरमनप्रीत सिंह ने पास दिया था। वह पहले प्रयास में इसे ट्रैप करने में नाकाम रहे लेकिन तेजी से दमदार रिवर्स हिट पर स्पेनिश गोलकीपर को चकमा देकर गोल किया। तीन मिनट बाद स्पेन ने बराबरी का गोल दागा। भारतीय टीम के कमजोर रक्षण का फायदा उठाते हुए तीसरे क्वार्टर में इग्नाशियो ने टीम को बढत दिला दी। भारत ने तीसरे और चौथे क्वार्टर में कई पेनल्टी कॉर्नर गंवाये। आखिरी सीटी बजने से चार मिनट पहले हरमनप्रीत की गलती से मिले पेनल्टी कॉर्नर पर बूनो ने स्पेन के लिये तीसरा गोल दागा।

शीर्ष रैंकिंग वाले सिनेर पर लगा तीन महीने का प्रतिबंध

एजेंसी ▶▶| लंदन

शीर्ष रैंकिंग वाले टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनेर ने डोप टेस्ट के दो पॉजीटिव मामलों को लेकर विश्व डोपिंग निरोधक एजेंसी से समझौते के तहत तीन महीने का प्रतिबंध स्वीकार कर लिया है। वाडा ने पिछले साल सिनेर पर प्रतिबंध नहीं लगाने के इंटरनेशनल टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी के फैसले को चुनौती दी थी। वाडा पिछले साल सिनेर पर कम से कम एक साल का प्रतिबंध लगाना चाहती थी। सिनेर के शरीर में पिछले साल मार्च में प्रतिबंधित एनाबॉलिक स्टेरायड क्लोस्टेबोल के अंश पाए गए थे। सिनेर ने कहा था कि एक ट्रेनर से मालिश के दौरान यह अंश उनके शरीर में आ गए क्योंकि उसने अपनी ऊंगली कटने के बाद इस पदार्थ का इस्तेमाल किया था। जनवरी में आस्ट्रेलियाई ओपन जीतने वाला इटली का यह खिलाड़ी अगला ग्रैंडस्लैम खेल सकेगा। फ्रेंच ओपन 25 मई से शुरू होगा। सिनेर ने एक बयान में कहा, 'यह मामला एक साल से लटक रहा था और प्रक्रिया इतनी लंबी है कि फैसला साल के आखिर में ही आता। मैने हमेशा स्वीकार किया है कि मेरी टीम के लिए मैं जिम्मेदार हूं और मुझे लगता है कि खेल की सुरक्षा के लिए वाडा के कड़े नियम जरूरी हैं। यही वजह है कि मैने मामला निपटाने के लिए तीन महीने के प्रतिबंध की वाडा की पेशकश स्वीकार कर ली।'

दिल्ली ने मैच में आखिरी गेंद पर मुंबई को हराया

वडोदरा। दिल्ली कैपिटल्स ने शानदार गेंदबाजी के बाद बल्लेबाजों के संयमित प्रदर्शन के दम पर महिला प्रीमियर लीग के रोमांचक मैच में शनिवार को मुंबई इंडियंस को आखिरी गेंद पर दो विकेट से हराया। पहले क्षेत्ररक्षण चुनते हुए दिल्ली ने मुंबई इंडियंस को 19.1 ओवर में 164 रन पर रोक दिया। मुंबई के लिये नेट स्किवेर ब्रंट ने नाबाद 80 और हरमनप्रीत कौर ने 22 गेंद में 42 रन बनाये।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **हरदेव सिंह, पुत्र श्री दया राम, निवासी मकान नंबर सी–18, हरिजन बस्ती, सागरपुर, जनकपुरी, साउथ वेस्ट, दिल्ली–46** ने **FIR No. 325/2008, U/S 498-A/406/34 IPC,** अन्तर्गत थाना नंद नगरी, **दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **हरदेव सिंह,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **हरदेव सिंह,** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 325/2008, U/S 498-A/406/34 IPC, अन्तर्गत थाना नंद नगरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **हरदेव सिंह,** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **19.03.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
सुश्री निधि बाला
न्यायिक दण्डाधिकारी, प्रथम श्रेणी, महिला न्यायालय–03
कमरा नं.08, द्वितीय तल, शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/1872/NE/2025 (Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा **82 Cr.P.C.** देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **संजय पुत्र:** राजाराम, **पता:** मकान नं. एस–191, पीवीसी मार्किट, ज्वाला पुरी, दिल्ली, **FIR No. 459/2018, U/s 33 Delhi Exe. Act,** थाना: पश्चिम विहार वेस्ट, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **संजय** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **संजय** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 459/2018, U/s 33 Delhi Exe. Act,** थाना: पश्चिम विहार वेस्ट, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **संजय** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **08.04.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री अंकित करण सिंह
महानगर दण्डाधिकारी–08 (प.)
कमरा नं. 30, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/1697/OD/2025 (Court Matter)

ग्रुप बी आकलन: इंग्लैंड और अफगानिस्तान से मिलेगी कड़ी चुनौती

ऑस्ट्रेलिया और द.अफ्रीका सेमीफाइनल के दावेदार

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

ऑस्ट्रेलिया अपने प्रमुख तेज गेंदबाजों के बिना 19 फरवरी से शुरू होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी में उतरेगा लेकिन आईसीसी की प्रतियोगिताओं में उसका शानदार रिकॉर्ड उसे दक्षिण अफ्रीका के साथ ग्रुप बी से सेमीफाइनल में पहुंचने का प्रबल दावेदार बनाता है। इन दोनों टीमों को हालांकि इंग्लैंड और अफगानिस्तान से कड़ी चुनौती मिलेगी। चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप बी में शामिल टीमों का आकलन इस प्रकार है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

ऑस्ट्रेलिया

मजबूत पक्ष : ऑस्ट्रेलिया बड़ी प्रतियोगिताओं के दबाव से निपटना अच्छी तरह जानता है और यही कारण है कि उसके नाम पर वनडे विश्व कप में छह, टी20 विश्व कप में एक और चैंपियंस ट्रॉफी में दो खिताब दर्ज हैं। यही वजह है कि उसे सीमित ओवरों की क्रिकेट की सबसे खतरनाक टीम माना जाता है। ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी बेहद मजबूत है। कप्तान स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, जेक-फ्रेजर मैकगर्क, मार्नस लाबुशैन, ग्लेन मैक्सवेल जैसे बल्लेबाज किसी भी परिस्थिति में मैच का पासा पलटने में सक्षम हैं।

कमजोर पक्ष : ऑस्ट्रेलिया अपने तीन प्रमुख तेज गेंदबाजों पैट कमिंस, जोश हेज़लवुड और मिशेल स्टार्क के बिना खेलेगा जिससे उसका आक्रमण कमजोर हो गया है। ऐसी स्थिति में उसके बल्लेबाजों को अतिरिक्त जिम्मेदारी उठानी पड़ेगी।

इंग्लैंड

मजबूत पक्ष : इंग्लैंड के पास कई धुरंधर बल्लेबाज हैं। अगर जोस बटलर, फिल साल्ट, हैरी ब्रूक, जो रूट और लियाम लिविंगस्टोन जैसे बल्लेबाज एकजुट होकर प्रदर्शन करते हैं, तो यह गेंदबाजों के लिए बुरे सपने की तरह हो सकता है। लेग स्पिनर आदिल रशीद ने हाल में भारत के खिलाफ वनडे श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन किया था। चैंपियंस ट्रॉफी में भी धीमी गति के गेंदबाजों को मदद मिलने की संभावना है और ऐसे में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है।

कमजोर पक्ष : इंग्लैंड के बल्लेबाज हाल में भारत के खिलाफ स्पिनरों के सामने जूझते हुए नजर आए। इंग्लैंड ने तीन मैच की श्रृंखला में सभी मैच गंवाए। रूट और बटलर को छोड़कर उसका कोई भी बल्लेबाज स्पिन गेंदबाजों के सामने सहज नजर नहीं आया।

दक्षिण अफ्रीका

मजबूत पक्ष : भारत की तरह दक्षिण अफ्रीका के पास भी विविधता पूर्ण खिलाड़ी हैं। उसके पास टेम्बा बावुमा और एडेन मार्करम जैसे पारी संवारने वाले तथा हेनरिक क्लासेन और डेविड मिलर जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। उसके पास तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा और स्पिनर केशव महाराज के नेतृत्व में एक संतुलित गेंदबाजी इकाई है। उन्हें परिस्थितियों से निपटने में सक्षम होना चाहिए।

कमजोर पक्ष : दक्षिण अफ्रीका मजबूत टीम होने के बावजूद हाल में पाकिस्तान से महत्वपूर्ण मैच में हारने के कारण त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में जगह नहीं बना पाया था। वह पहले भी कई अवसरों पर महत्वपूर्ण मैच जीतने में नाकाम रहा है। इसके अलावा उसे तेज गेंदबाज एनरिक नोर्किया की कमी भी खलेगी जो चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं।

अफगानिस्तान

मजबूत पक्ष : अफगानिस्तान के कई क्रिकेटर जैसे राशिद खान, हशमतुल्लाह शाहिदी, गुलबदीन नायब और रहमत शाह लंबे समय से एक साथ खेल रहे हैं और उनके बीच आपसी तालमेल बहुत अच्छा है। इसके अलावा अफगानिस्तान को अनुकूल परिस्थितियों में खेलने का मौका मिलेगा जिसका वह पूरा फायदा उठाना चाहेगा। उसने पिछले साल टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी जो उसके लिए प्रेरणा का काम करेगा।

कमजोर पक्ष : अफगानिस्तान की टीम वनडे में पर्याप्त मैच अभ्यास के बिना चैंपियंस ट्रॉफी में उतर रही है। उसने अपना आखिरी वनडे मैच दिसंबर 2024 में जिंबॉब्वे के खिलाफ खेला था।

मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ होगी द्विपक्षीय बैठक

अगले सप्ताह सोमवार से भारत की दो दिवसीय यात्रा पर रहेंगे कतर के अमीर

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी अगले सप्ताह सोमवार से भारत की दो दिवसीय (17 से 18 फरवरी तक) राजकीय यात्रा पर रहेंगे। उनके साथ कतर के वरिष्ठ मंत्रियों, अधिकारियों और व्यापारियों का एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी भारत पहुंचेगा। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि यह कतर के अमीर का भारत का दूसरा उच्च-स्तरीय दौरा है। इससे पहले मार्च 2015 में उन्होंने नई दिल्ली की यात्रा की थी।

इस बार शेख तमीम अल थानी की भारत यात्रा से दोनों देशों की बहुआयामी भागीदारी को और अधिक मजबूती मिलेगी।

प्रधानमंत्री के साथ होगी बैठक

मंत्रालय ने बताया कि भारत पहुंचने के बाद 18 फरवरी को कतर के अमीर को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में परंपरागत रूप से गार्ड ऑफ आर्नर दिया जाएगा। इसके बाद वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ बातचीत करेंगे। राष्ट्रपति की तरफ से कतर के अमीर के सम्मान में दावत भी दी जाएगी। इसके अलावा शेख तमीम की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक होगी। जिसमें दोनों देशों के आपसी संबंधों से जुड़े हुए विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की जाएगी।

फाइल फोटो

आपसी सम्मान आधारित है भागीदारी

भारत और कतर के बीच प्राचीन-प्रगाढ़ ऐतिहासिक संबंध हैं। जिनका आधार आपसी विश्वास और सम्मान है। हाल के वर्षों में यह संबंध मुख्यतः व्यापार, निवेश, ऊर्जा, तकनीक, संस्कृति और लोगों का लोगों से संबंध जैसे क्षेत्रों में लगातार मजबूत हुए हैं। कतर में सबसे बड़े प्रवासी समुदाय के रूप में भारतीय रहते हैं। उनके सकारात्मक योगदान से हो रही कतर की प्रगति और विकास की सराहना खाड़ी देश में की जाती है।

इजराइल ने 369 फिलिस्तीनी कैदियों को आजाद किया

गाजा समझौताः हमास ने तीन इजराइली बंधकों को किया रिहा

एजेंसी, तेल अवीव। गाजा में युद्धविराम समझौते के तहत हमास ने शनिवार को तीन इजराइली बंधकों को रिहा कर दिया है। इसके बदले में इजराइल 369 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया है। यह बंधकों और कैदियों की छठी अदला-बदली है जो युद्धविराम के तहत हो रही है।

हमास द्वारा रिहा किए गए बंधकों में अलेक्जेंडर ट्रोफानोव (29 वर्षीय रूसी-इजराइली), यायर हॉर्न (46 वर्षीय अर्जेंटीनी-इजराइली) और सगुई डेकेल-चेन (36 वर्षीय अमेरिकी-इजराइली) शामिल हैं। इन तीनों को 7 अक्टूबर 2023 के हमले के दौरान गाजा के पास स्थित किबुत्ज नीर ओज से पकड़ लिया गया था। रेड क्रॉस ने इन बंधकों को हमास से लेकर इजराइल पहुंचाने का काम किया। युद्धविराम समझौते के तहत अब तक हमास ने 16 इजराइली और 5 थाई नागरिकों को रिहा किया है, जबकि इजराइल ने 369 फिलिस्तीनी कैदियों को छोड़ा है। तेल अवीव के 'हॉस्टेज स्क्वायर' पर बंधकों को रेड क्रॉस को सौंपा गया। पहले हमास ने सोमवार को घोषणा की थी कि वह शनिवार को बंधकों को रिहा नहीं करेगा। हमास ने आरोप लगाया कि इजराइल गाजा में राहत सामग्री पहुंचने से रोक रहा है जिसे इजराइल ने खारिज कर दिया। रिहा किए गए (फिलिस्तीनी) कैदियों का पहला समूह बस से पश्चिमी तट के बेइतुनिया पहुंचा जहां उनके रिश्तेदारों एवं समर्थकों ने उनका स्वागत किया।

खबर संक्षेप

खैबर पख्तूनख्वा में मारे गए 15 आतंकवादी

पेशावर। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिम खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दो अलग-अलग खुफिया आधारित अभियानों में 15 आतंकवादी और चार सैनिक मारे गए। इनमें आतंकवादियों के प्रमुख नेता भी शामिल हैं। सेना की मीडिया शाखा आईएसपीआर ने यह जानकारी दी। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के मुताबिक, दोनों अभियान डेरा इस्माइल खान और उत्तरी वजीरिस्तान जिलों में चलाए गए। डेरा इस्माइल खान में सुरक्षा बलों की आतंकवादियों से मुठभेड़ हुई। इसमें नौ आतंकवादी मारे गए।

दक्षिणी साइबेरिया में 6.4 तीव्रता का भूकंप

मॉस्को। दक्षिणी साइबेरिया के अल्ताई गणराज्य में शनिवार सुबह 6.4 तीव्रता का भूकंप आया। रूसी भूकंप वैज्ञानिकों ने यह जानकारी दी। रूसी विज्ञान अकादमी की एकीकृत भूभौतिकीय सेवा के हवाले से बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह आठ बजकर 48 मिनट पर भूकंप आया और आस-पड़ोस के क्षेत्रों में भी इसके झटके महसूस किए गए। क्षेत्रीय प्रमुख एंड्रेई तुरचाक ने सोशल मीडिया मंच 'टेलीग्राम' पर लिखा कि भूकंप से कोई हताहत नहीं हुआ है।

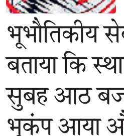

यूएन के जलवायु प्रमुख साइमन स्टील का बड़ा बयान

कुछ देश सिर्फ बातें करते हैं, भारत काम करके दिखाता है, भारत सौर ऊर्जा के क्षेत्र में महाशक्ति

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

संयुक्त राष्ट्र के जलवायु प्रमुख साइमन स्टील ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भारत द्वारा किए गए कामों की तारीफ की और कहा कि भारत सौर ऊर्जा के क्षेत्र में महाशक्ति है। उन्होंने भारत से पूरी अर्थव्यवस्था को करने वाली एक महत्वकांक्षी जलवायु योजना बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा को मजबूती से अपनाने से आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए भारत आए साइमन स्टील ने जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए भारत के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जहां कुछ सरकारें केवल बातें करती हैं, वहीं भारत काम करता है।

उन्होंने कहा कि भारत पहले से ही एक सौर महाशक्ति है। 100 गीगावाट से अधिक सौर ऊर्जा स्थापित करने वाले केवल चार देशों में से एक है। ऊर्जा की पहुंच बढ़ रही है और देशभर के गांवों में 2018 तक बिजली पहुंचा दी जाएगी, जो तय समय से काफी पहले है।

खास बातें

- 100 गीगावाट से अधिक सौर ऊर्जा उत्पादन कर रहे चार देशों में भारत शामिल
- भारत के सभी गांवों में लक्ष्य से काफी पहले 2018 तक बिजली पहुंच जाएगी

भारत मजबूती से आगे बढ़ रहा

उन्होंने कहा कि अब भारत के लिए अगला कदम उठाने और भारत के 140 करोड़ लोगों और अर्थव्यवस्था के लिए और भी बड़े फायदे प्राप्त करने का एक वास्तविक अवसर है। भारत पहले से ही इस दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है, लेकिन वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा को और भी मजबूती से अपनाने की जरूरत है, जिससे भारत की आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने भारत से अपनी संपूर्ण अर्थव्यवस्था को शामिल करते हुए एक महत्वाकांक्षी जलवायु योजना विकसित करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा है कि वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में उछाल को और अधिक मजबूती से अपनाने से भारत की आर्थिक उन्नति को गति मिलेगी।

नवीकरणीय ऊर्जा में बड़ा अवसर

स्टील ने कहा कि दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत के पास एक ऐसा अवसर है जो केवल कुछ ही देशों के पास है। यह है 'नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के सैकड़ों गीगावाट को तैनात करने की महत्वाकांक्षी योजनाओं को साकार करना' हरित औद्योगिकीकरण की एक नई लहर का नेतृत्व करना, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों का विकास, विस्तार और निर्यात करना।

जलवायु योजनाएं देने की अपील

संयुक्त राष्ट्र जलवायु प्रमुख ने कहा कि भारत के नेताओं के पास समग्र अर्थव्यवस्था औद्योगिक रणनीतियों को गहरा करने का एक दुर्लभ अवसर है, जो तेजी से विकासशील दक्षिण एशियाई राष्ट्र को स्वच्छ ऊर्जा और उद्योग में एक प्रमुख शक्ति बना देगा। भारत महत्वाकांक्षी जलवायु योजनाओं का लाभ उठाने के लिए अच्छी स्थिति में है। भारत सहित कई देशों द्वारा 10 फरवरी की समय-सीमा चूक जाने के बाद, स्टील ने इस महीने की शुरुआत में उनसे सितंबर तक अपनी योजनाएं प्रस्तुत करने का आग्रह किया। देशों को इस वर्ष 2031-2035 की अवधि के लिए राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदानया जलवायु योजनाओं का अपनी आगे की योजनाओं को प्रस्तुत करना आवश्यक है। इन जलवायु योजनाओं का सामूहिक उद्देश्य औद्योगिक क्रांति की शुरुआत से वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करना है, जो 2015 के पेरिस समझौते का मुख्य लक्ष्य है।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा दक्षता हब में भारत शामिल

बता दें, भारत 3 अक्टूबर 2024 को अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा दक्षता हब में शामिल हो चुका है। पीएम नरेंद्र मोदी ने इसकी मंजूरी दी थी। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा दक्षता हब, ऊर्जा दक्षता को तैनात करने में उनकी प्रभावशीलता को बढ़ावा देने और मजबूत करने के लिए 16 देशों का एक स्वैच्छिक सहयोग है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा दक्षता हब में शामिल होने का भारत का निर्णय उन तकनीकों और उत्पादों को विकसित करके भारतीय अर्थव्यवस्था की ऊर्जा तीव्रता को कम करने के सरकार के प्रयास का हिस्सा है जो ऊर्जा कुशल हैं और कम ऊर्जा की खपत करते हैं। इस निर्णय से भारत को ऊर्जा दक्षता को तैनात करने में विशेषज्ञों और संसाधनों के विशाल नेटवर्क तक पहुंच प्राप्त करने में मदद मिलेगी। भारत को कम कार्बन वाली अर्थव्यवस्था बनने और ऊर्जा-कुशल प्रौद्योगिकियों और प्रथाओं को बढ़ावा देकर जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयास में मदद मिलेगी। भारत सरकार ने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा दक्षता हब के लिए भारतीय कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में ऊर्जा दक्षता ब्यूरो को नामित किया है। ऊर्जा दक्षता हब की स्थापना उन प्रौद्योगिकियों और उत्पादों को विकसित करने के लिए की गई थी।

मनोज सिन्हा ने की कड़ी कार्रवाई

आतंकवादी संगठन से संबंध के आरोप में तीन कर्मचारी बर्खास्त

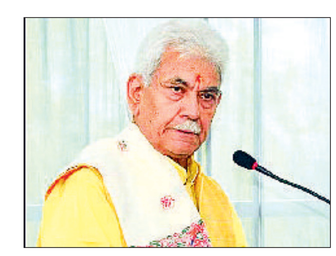

एजेंसी ⏭ जम्मू

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है। इनमें एक पुलिस कांस्टेबल, एक शिक्षक और वन विभाग का कर्मचारी शामिल हैं। उपराज्यपाल ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 311(2)(सी) के तहत इन कर्मचारियों को बर्खास्त किया क्योंकि जांच में यह पाया गया कि इनके आतंकवादी संगठनों से संबंध थे। यह कार्रवाई उपराज्यपाल द्वारा सुरक्षा समीक्षा बैठक के अगले दिन की गई जिसमें उन्होंने आतंकियों और उनके नेटवर्क के खिलाफ अभियान का निर्देश दिया था। तीनों कर्मचारी वर्तमान में जेल में हैं। वे अलग-अलग आतंकी मामलों में सजा काट रहे हैं।

सुरक्षा एजेंसियों ने देशद्रोही करार दिया

तीनों में से एक कर्मचारी की पहचान फिरदौस अहमद भट के रूप में हुई है, जो जम्मू-कश्मीर पुलिस का कांस्टेबल है। वह सर्विस के दौरान आतंकवादी संगठन लश्कर के लिए काम करता था। अन्य दो कर्मचारियों की पहचान एक टीचर और एक वन विभाग के कर्मचारी के रूप में हुई है। उपराज्यपाल ने यह भी कहा था कि आतंकवाद का समर्थन और फंडिंग करने वालों को बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। सिन्हा ने कहा कि आतंकवाद के हर अपराधी और समर्थक को इसकी कीमत चुकानी होगी। हमें विश्वसनीय खुफिया जानकारी से लैस होने और आतंकवादियों को बेअसर करने तथा नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अधिक प्रभावी ढंग से काम करने की आवश्यकता है। सुरक्षा एजेंसियों ने इन कर्मचारियों को धोखेबाज और देशद्रोही करार दिया।

लश्कर-ए-तैयबा का वफादार वर्कर अशरफ

टीचर से लश्कर का कार्यकर्ता बना रियासी निवासी अशरफ भट को 2008 में रहबर-ए-तालीम शिक्षक के रूप में नियुक्त किया गया था। इसके बाद उसे जून 2013 में नियमित कर स्थायी शिक्षक बना दिया गया। शिक्षक के रूप में काम करते हुए अशरफ ने लश्कर-ए-तैयबा के प्रति निष्ठा की शपथ ली और उसका सहयोगी बन गया। वर्ष 2022 में उसकी गतिविधियों का पता चला और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। वर्तमान में वह रियासी की जिला जेल में बंद है। जांच के दौरान पता चला कि अशरफ भट का हैंडलर पाकिस्तान में रहने वाला मोस्ट वांटेड लश्कर आतंकी मोहम्मद कासिम है।

एशिया के टॉप-20 अमीरों की लिस्ट जारी

सूची में 90.5 बिलियन डॉलर की नेटवर्थ के साथ अंबानी परिवार पहले स्थान पर

दूसरे नंबर पर थाईलैंड का चेरावनॉन्ट परिवार

अडाणी ग्रुप और जैक मा का नाम शामिल नहीं

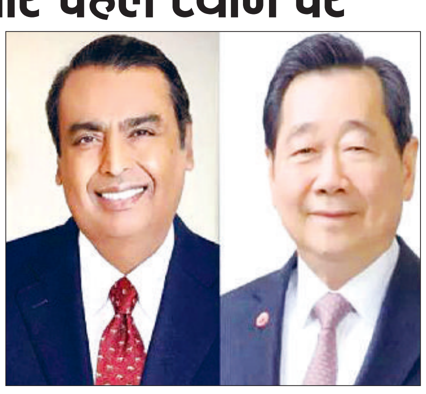

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

ब्लूमबर्ग ने एशिया के टॉप 20 अमीर परिवारों की एक लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में भारतीयों का ही दबदबा है। एशिया के टॉप 20 अमीर परिवारों में 6 भारत के हैं। लिस्ट में नंबर 1 पर अंबानी परिवार है। इनकी नेटवर्थ करीब 90.5 बिलियन डॉलर है। अंबानी परिवार में बिजनेस की शुरुआत धीरूभाई अंबानी ने की थी। ब्लूमबर्ग की तरफ से जारी लिस्ट में अंबानी परिवार ने टॉप किया है। इनका फ्लैगशिप फर्म रिलायंस इंडस्ट्रीज है, जिसे मुकेश अंबानी संभालते हैं। दूसरे नंबर पर थाईलैंड का चेरावनॉन्ट परिवार है, जिनकी संपत्ति 42.6 बिलियन डॉलर है। तीसरे नंबर पर इंडोनेशिया का हार्टोनो परिवार है, जिसकी संपत्ति 42.2 बिलियन डॉलर है। चौथे नंबर पर भी एक भारतीय परिवार है। ब्लूमबर्ग की लिस्ट में चौथे नंबर पर मिस्त्री परिवार है। उनकी कुल संपत्ति 37.5 बिलियन डॉलर है। पांचवें नंबर पर हांगकांग का क्वोक हैं, जिनकी संपत्ति 35.6 बिलियन डॉलर है। हालांकि इस रिपोर्ट पर सवाल भी खड़े हो रहे हैं, क्योंकि इसमें अडाणी ग्रुप और अलीबाबा के जैक मा का नाम शामिल नहीं है।

चौथे नंबर पर मिस्त्री, सातवें पर जिंदल परिवार

ब्लूमबर्ग की तरफ से जारी एशिया के टॉप 20 अमीरों की लिस्ट में 6 भारतीय हैं। अंबानी और मिस्त्री परिवार के अलावा सातवें नंबर पर जिंदल परिवार है, जिनकी कुल संपत्ति 28.1 बिलियन डॉलर है। 9वें नंबर पर बिरला परिवार है, जिनकी कुल संपत्ति 23 बिलियन डॉलर है। 10वें नंबर पर बजाज परिवार है, जिनकी नेटवर्थ 23.4 बिलियन डॉलर है। 19वें नंबर पर हिंदुजा परिवार है, जिनकी संपत्ति 14 बिलियन डॉलर है। बता दें कि जिंदल परिवार ओपी जिंदल ग्रुप संभालता है, जबकि बिरला परिवार के पास आदित्य बिरला ग्रुप की कमान है। बजाज परिवार के पास बजाज ग्रुप और और हिंदुजा परिवार हिंदुजा ग्रुप की जिम्मेदारी संभालता है।

बीयर कैन पर महात्मा गांधी की तस्वीर लगाई

मॉस्को। रूस की एक बीयर बनाने वाली कंपनी ने बीयर कैन पर महात्मा गांधी की तस्वीर लगाई है। गुरुवार को इसका वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया। इसमें एक व्यक्ति कहता सुनाई दिया कि यहां महात्मा गांधी के नाम पर बीयर बेची जा रही है और हम उन्हें अपनी करेंसी पर छापते हैं। बीयर बनाने वाली इस कंपनी का नाम रिवॉर्ट है। सोशल मीडिया पर लोग इसकी आलोचना कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि यह महात्मा गांधी का अपमान है क्योंकि वे शराब से दूर रहते थे। कुछ लोगों ने एक्स पर पीएम मोदी से अपील की है कि वे इस मामले में दखल दें और इस बीयर कैन से महात्मा गांधी की तस्वीर हटवाएं।

संयुक्त इंटरव्यू में ट्रंप और मस्क बोले

मीडिया ने चली चालः राष्ट्रपति मस्क वाली हेडलाइन नहीं कर रही काम

एजेंसी ⏭ वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क का एक विशेष संयुक्त इंटरव्यू 18 फरवरी को प्रसारित होगा। इस इंटरव्यू में ट्रंप ने मीडिया की तरफ से उनके और एलन मस्क के बीच मतभेद पैदा करने की कोशिशों को नाकाम बताया है। इंटरव्यू में डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क कई बड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे, जिनमें ट्रंप के कार्यकाल के पहले 100 दिन और मौजूदा घटनाक्रम भी शामिल हैं। जारी किए गए प्रोमो में राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि मैं यह अक्सर देखता हूं... असल में, एलन ने मुझे फोन किया और कहा कि मीडिया हमें अलग करने की कोशिश कर रहा है।

मैंने कहा, बिल्कुल। उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा कि 'हमारे पास ब्रेकिंग न्यूज है-डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद छोड़कर एलन मस्क को सौंप दिया है। 'राष्ट्रपति मस्क' आज रात 8 बजे कैबिनेट बैठक में शामिल होंगे। ट्रंप ने मीडिया पर निशाना साधते हुए कहा कि वे उन्हें बदनाम करने में नाकाम साबित हो रहे हैं। पहले मुझे लगता था कि वे इसमें माहिर हैं, लेकिन अब लगता है कि वे इसमें भी नाकाम हैं। मैं चाहे जितने अच्छे काम कर लूं, फिर भी 98% मीडिया कवरेज मेरे खिलाफ ही रहता है।

घायल सीआरपीएफ जवानों की देखभाल से हटे सीओ

24 घंटे में आदेश वापस, अब 8 ग्राउंड कमांडर किए तैनात

एजेंसी ⏭ इंफाल

मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले के लाम्फेल में स्थित सीआरपीएफ के शिविर में हवलदार संजय कुमार ने अपने साथियों पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दी थी। इस घटना में एक उप-निरीक्षक और एक सिपाही की मौत हो गई। बाद में हवलदार संजय ने खुद को भी गोली मार ली थी। उसने भी मौके पर ही दम तोड़ दिया था। फायरिंग की घटना में आठ अन्य जवान घायल हुए हैं। सभी घायलों का इलाज एम्स इंफाल में चल रहा है।बल की तरफ से शुक्रवार को एक ऐसा आदेश निकाला गया, जो चर्चा का केंद्र बन गया। घायलों की देखभाल के लिए आठ कमांडेंट की ड्यूटी लगा दी गई। सीआरपीएफ में पहले भी बड़ी घटनाएं हुई हैं, लेकिन इस तरह से प्रत्येक घायल जवान की देखभाल के लिए कमांडेंट को तैनात करना, ऐसा आदेश देखने को नहीं मिला था। शनिवार को उक्त आदेश वापस ले लिया गया। अब कमांडेंट की जगह पर सीआरपीएफ के आठ सहायक कमांडेंट और एसओ को घायलों का ध्यान रखने की जिम्मेदारी दी गई है।

अस्पताल में 3-3 घंटे की ड्यूटी लगाई

शुक्रवार को जारी आदेश में कहा गया था कि विभिन्न बटालियनों से आठ कमांडेंट क्षेत्रीय एम्स इंफाल में पहुंचकर तीन-तीन घंटे की शिफ्ट में ड्यूटी देंगे। कमांडेंट एवं दूसरे रैंकों के अफसरों के लिए यह आदेश हैरान करने वाला था। वजह, इस तरह का आदेश बल में पहली बार निकला था। इतना ही नहीं, आरआईएमएस में हर घायल जवान को एक एसआई के कंट्रोल में दो-दो अटेंडर प्रदान किए जाने का भी आदेश जारी किया गया। बल के अटेंडर भी किसी एक बटालियन से नहीं आएंगे, बल्कि अलग-अलग बटालियनों से ये आरआईएमएस पहुंचेंगे। सभी आठ कमांडेंट अलग अलग जगहों पर तैनात थे।

'विकसित भारत के लिए परमाणु ऊर्जा मिशन' सरकार की बड़ी योजना

भारत बनेगा परमाणु ऊर्जा का पावरहाउस

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि 'विकसित भारत के लिए परमाणु ऊर्जा मिशन' भारत की परमाणु क्षमताओं को बढ़ाने, निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करने और उन्नत परमाणु तकनीक को स्थापित करने की एक बड़ी योजना है। गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए डॉ. सिंह ने बताया कि केंद्रीय बजट में छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों (एसएमआर) के अनुसंधान और विकास के लिए 20,000 करोड़ का आवंटन किया गया है। सरकार का लक्ष्य 2033 तक कम से कम पांच स्वदेशी एसएमआर को चालू करना है। उन्होंने कहा कि यह पहल 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता हासिल करने के भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के अनुरूप है। यह कदम कार्बन उत्सर्जन को कम करने और स्वच्छ एवं टिकाऊ ऊर्जा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

परमाणु उद्योग में निजी क्षेत्र की भागीदारी 'गेमचेंजर'

डॉ. सिंह ने परमाणु उद्योग में निजी क्षेत्र की भागीदारी की अनुमति देने को गेमचेंजर बताया और कहा कि इससे ऊर्जा आत्मनिर्भरता के साथ-साथ भारत को वैश्विक परमाणु प्रौद्योगिकी में अग्रणी बनने में मदद मिलेगी। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि जिस तरह स्पेस सेक्टर को निजी कंपनियों के लिए खोला गया, उसी तरह परमाणु क्षेत्र में भी सुधारों से नवाचार और विकास को बढ़ावा मिलेगा। सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि परमाणु ऊर्जा भारत की ऊर्जा रणनीति की आधारशिला बनेगी।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109